राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 जोधा वाली फिल्म झूठी, रानी नहीं दासी से हुई थी................

सिद्धारमैया सरकार फिर से मुस्लिम कोटा बिल राष्ट्रपति को भेजने 12

वर्ष : 13 | अंक : 50 | पटना, शनिवार, 31 मई, 2025 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03 .00 | www.pratahkiran.com

आतंक का फन अगर उठा तो भारत उसे बिल से खींचकर कुचल देगा : मोदी

प्रात :किरण

बिक्रमगंज/ एजेंसी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर बिहार की धरती से आतंकवादियों और उसके सरपरस्तों को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि आपरेशन सिंदूर हमारे तरकश का सिर्फ एक तीर है, आतंक का फन फिर उठेगा तो बिल से खींचकर कुचलेंगे। श्री मोदी ने शुक्रवार को रोहतास जिले के बिक्रमगंज में करीब 48 हजार करोड़ रुपये की परियाजनों का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, दुश्मन जान ले कि आपरेशन सिंदूर हमारे तरकश का सिर्फ एक तीर है। भारत की लड़ाई नहीं रुकी है और न थमी है। आतंक का फन अगर फिर उठेगा तो बिल से खींचकर कुचलेंगे। चाहे सीमा पार हो या फिर सीमा के अंदर हो।

प्रभु श्री राम की नीति बन गई है नए भारत की नीति :

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राण जाए पर वचन ना जाए। यानी एक बार वचन दे दिया तो वो पूरा होकर ही रहता है। प्रभु राम की यह रीति, नए भारत की नीति बन गई है। बिहार की धरती से देश को वचन दिया था कि आतंकियों के ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया जाएगा। बिहार की धरती पर मैंने कहा था, उन्हें कल्पना से भी बड़ी सजा होगी। आज जब मैं बिहार आया हूं तो अपने वचन पूरा करने के बाद आया हूं। हमारी सेना ने उनके ठिकानों को खंडहर में बदल दिया है। श्री मोदी ने कहा कि भारत की बेटियों की सिंदूर की शक्ति क्या होती है यह पाकिस्तान ने भी देखा

और दुनिया ने भी देखा। उन्होंने कहा, जिस पाकिस्तान सेना की क्षत्रछाया में आतंकी खुद को सुरक्षित मानते थे हमारी सेनाओं ने एक ही झटके में उनको भी घुटनों पर ला दिया। पकिस्तान के एयरबेस, उनके सैन्य ठिकाने हमने कुछ ही मिनट में तबाह कर दिए। यह नया भारत है, ये नए भारत की ताकत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी लड़ाई देश के हर दुश्मन से है फिर वह चाहे सीमा पार हो या देश के भीतर हो। बीते वर्षों में हमने हिंसा और अशांति फैलाने वालों का कैसे खात्मा किया है बिहार के लोग इसके साक्षी हैं।

नक्सलवाद की समस्या के समाधान की दिशा में तेजी से हुआ काम :

पीएम मोदी ने कहा कि नक्सलवाद की समस्या के समाधान की दिशा में वर्ष 2014 के बाद उनकी सरकार ने तेजी से काम किया। उनकी सरकार ने माओवादियों को उनके किए की सजा देनी शुरू की, वहीं दूसरी ओर युवाओं को विकास की मुख्यधारा में भी लेकर आए। श्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार की ग्यारह सालों की दृढ़ प्रतिज्ञा का फल आज देश को मिलना शुरू हुआ है। वर्ष 2014 से पहले देश में सवा सौ से ज्यादा जिले नक्सल प्रभावित थे अब सिर्फ 18 जिले नक्सल प्रभावित बचे हैं। अब सरकार सड़क भी दे रही है और रोजगार भी दे रही है। वह दिन दूर नहीं जब माओवादी हिंसा का पूरी तरह से खात्मा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अब शांति, सुरक्षा, शिक्षा और विकास गांव गांव तक बिना रुकावट के पहुंचेंगे। जब सुरक्षा और शांति आती है तभी विकास के नए रास्ते खुलते हैं।

सुरक्षा, शांति आती है तभी विकास के रास्ते खुलते हैं : पीएम

बिक्रमगंज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब सुरक्षा और शांति होती है तभी विकास के रास्ते खुलते हैं। वह दिन दूर नहीं है जब शांति, सुरक्षा, शिक्षा और विकास गांव-गांव तक बिना रुकावट के पहुंचेगा। पीएम मोदी ने कहा कि कभी बिहार में पटना एक ही एयरपोर्ट होता था लेकिन अब दरभंगा में भी शुरू हो गया। बिहार के लोगों की लंबे समय से मांग थी कि पटना एयरपोर्ट पर नया टर्मिनल बनाया जाए, अब इसका उद्घाटन भी हो गया है। बिहार में फोर लेन और सिक्स लेन की सड़कों पर जाल बिछ रहा है। हजारों करोड़ की योजनाएं नए अवसर और संभावनाएं का निर्माण कर रही हैं। इनसे हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा। बिहार में रेलवे की स्थिति में भी सुधार हो रहा है। हम पुरानी समस्याओं को दूर कर रहे हैं और आधुनिकीकरण भी कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने राजद व कांग्रेस पर बोला हमला : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजद और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। नाम लिए बगैर उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू यादव की जमकर आलोचना की। पीएम मोदी ने कहा कि यह काम पहले भी हो सकते थे, लेकिन जिनके ऊपर बिहार को आधुनिक ट्रेन देने की जिम्मेदारी थी उन्होंने रेलवे में भर्ती के नाम पर जमीन लूटने का काम किया। सामाजिक न्याय के उनके यही तरीके थे, जमीन लूटना, गरीब लूटना, उनकी मजबूरी का फायदा उठाना और खुद राजशाही की मौज करना। उन्होंने लोगों को सचेत करते हुए कहा कि बिहार के लोगों को उनसे सावधान रहने की भी जरूरत है।

पीएम ने रोहतास जिले में आयोजित कार्यक्रम में कई परियोजनाओं का किया उद्घाटन व शिलान्यास

मोदी ने दी बिहार को साढ़े 48 हजार करोड़ की सौगात

बोलें : नीतीश सरकार ने लोगों के जीवन में किया भारी बदलाव

प्रात :किरण

बिक्रमगंज/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के लोगों को साढ़े 48 हजार करोड़ रुपए से अधिक की सौगातें दी जिनमें रेल, सड़क, गैस आपूर्ति, शिक्षा और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कई परियोजनाएं शामिल है। श्री मोदी ने राज्य के रोहतास जिले में आयोजित एक कार्यक्रम में इन परियोजनाओं का उद्घाटन और कई का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि राज्य की नीतीश कुमार सरकार ने लोगों के जीवन में भारी बदलाव किया है। बुनियादी ढांचा मजबूत किया गया है और लोगों को लाभ मिल रहा है। नक्सलवादी गतिविधियों पर काबू पाया गया है। दूर दराज के क्षेत्रों में विकास का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार पर काबू पाया गया है और लोगों को लूट से बचाया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने 48 हजार 520 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण किया। राज्य में बिजली के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देते हुए

प्रधानमंत्री ने औरंगाबाद जिले में 29 हजार 930 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली नबीनगर सुपर थर्मल पावर परियोजना, चरण- द्वितीय (तीन गुणा 800 मेगावाट) की आधारशिला रखी। इसका उद्देश्य बिहार और पूर्वी भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इससे औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के अवसर पैदा होंगे और क्षेत्र में सस्ती बिजली उपलब्ध होगी। श्री मोदी ने क्षेत्र में सड़क अवसंरचना और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए एनएच-119ए के पटना-आरा-सासाराम खंड को चार लेन का बनाने, वाराणसी-रांची-कोलकाता राजमार्ग एनएच-319बी और रामनगर-कच्ची दरगाह खंड एनएच-119डी को छह लेन का बनाने तथा बक्सर और भरौली के बीच एक नए गंगा पुल के निर्माण व हार्डिंग पार्क, पटना में 5 टर्मिनल वाला रेलवे प्लेटफॉर्म सहित विभिन्न सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इन परियोजनाओं से राज्य में निर्बाध हाई-स्पीड कॉरिडोर का निर्माण होगा और साथ ही व्यापार और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने करीब 5,520 करोड़ रुपए लागत वाले एनएच-22 के पटना-गया-डोभी खंड के चार लेन के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया और एनएच-27 पर गोपालगंज टाउन में एलिवेटेड हाईवे के चार लेन के निर्माण और ग्रेड सुधार का भी उद्घाटन किया। श्री मोदी ने अन्य परियोजनाओं के अलावा 1330 करोड़ रुपए की लागत वाली सोन नगर-मोहम्मद गंज के बीच तीसरी रेल लाइन राष्ट्र को समर्पित की।जहानाबाद के नवोदय विद्यालय में छात्रावास और कर्मचारी आवास का उद्घाटन भी किया गया। इस अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा और सम्राट चौधरी तथा केंद्रीय मंत्री जीतन राम माझी, नित्यानंद राय, गिरिराज सिंह, राजीव रंजन सिंह, ललन सिंह तथा अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी कार्यक्रम में शामिल रहे।बिहार विधानसभा का चुनाव इस वर्ष के अंत में प्रस्तावित है।

खुली गाड़ी पर सवार होकर मंच तक पहुंचे पीएम

बिक्रमगंज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय बिहार दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को रोहतास जिले के बिक्रमगंज पहुंचे। यहां उन्होंने 48,520 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण किया। इससे पहले पीएम मोदी खुली गाड़ी पर सवार होकर लोगों के बीच से गुजरते हुए मंच तक पहुंचे। गाड़ी पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी उपस्थित रहे। इस दौरान पीएम मोदी पर पुष्प की वर्षा होती रही और उपस्थित लोग मोदी जिंदाबाद के नारों और ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े नारे लगाते रहे। पीएम मोदी भी लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन करते रहे। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए।

उल्लेखनीय है कि पीएम मोदी गुरुवार को पटना पहुंचे थे। यहां उन्होंने पटना हवाई अड्डे के नए टर्मिनल का उद्घाटन किया था और एक रोड शो में शामिल हुए थे। पीएम मोदी ने पटना में भाजपा के बड़े नेताओं के साथ बैठक भी की थी।

बिहार में 2005 से पहले कोई काम नहीं हुआ था, सब हमने किया : नीतीश

मुख्यमंत्री ने बिक्रमगंज में जनसभा को किया संबोधित, पीएम की तारीफ की

प्रात :किरण

बिक्रमगंज। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी यहां कई योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर रहे हैं। इन सबकी कुल लागत 48,500 करोड़ से अधिक है। उन्होंने कहा कि बिहार लगातार विकास कर रहा है। उन्होंने इस क्रम में विपक्ष पर निशाना साधा। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रोहतास के बिक्रमगंज में जनसभा को संबोधित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने पीएम मोदी के यहां पहुंचने पर प्रसन्नता जताई और कहा कि यह बहुत खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से बिहार की जनता को काफी फायदा होगा। इसके लिए उन्होंने पीएम मोदी को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, एक बार याद दिलाना चाहता हूं कि जब हम लोगों की सरकार नवंबर 2005 में बनी, उसके बाद कितना काम हुआ। इससे पहले कोई काम हुआ था? हम लोगों ने महिलाओं के लिए कितना काम किया है। महिलाओं के लिए आरक्षण व्यवस्था लागू करवाई गई। अब वे पढ़ रही हैं, नौकरी ले रही हैं। हम लोग बिहार के विकास के काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया गया है। सड़कों और पुलों का निर्माण करवाया गया। सभी घरों तक नल का जल, बिजली पहुंचाई गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र सरकार के जातीय जनगणना कराने के फैसले पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि मैं इसके लिए पीएम मोदी को नमन करता हूं। वहीं विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब दूसरी पार्टी के लोग क्रेडिट लेने में लगे हुए हैं। हमने पहले ही जातीय गणना कराने का निर्णय लिया था, बिहार में इसे प्रमुखता से करवाया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उपस्थित लोगों को किसी के बहकावे में नहीं आने के लिए भी सचेत किया। उन्होंने लोगों से खड़े होकर पीएम मोदी का अभिवादन करने की गुजारिश की। सभी लोगों ने खड़े होकर पीएम मोदी का अभिवादन किया। मंच पर उपस्थित पीएम मोदी ने भी खड़े होकर सभी का अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 48,520 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण किया।

काफी गर्मजोशी से चर्चा करते रहें पीएम व सीएम

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बीच शुक्रवार को अनोखी जुगलबंदी दिखी। रोहतास के विक्रमगंज में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे पीएम मोदी और सीएम नीतीश एक दूसरे के साथ काफी गर्मजोशी से चर्चा करते रहे। यहां तक कि दोनों एक दूसरे के साथ हाथ जोड़कर अभिवादन करते रहे। दोनों में कुछ मुद्दों को लेकर लगातार बात होते रही। इसके पहले सभास्थल में एक खुली जीप में सवार होकर पीएम मोदी पहुंचे। इस दौरान उनके साथ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दोनों उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा मौजूद रहे। उनके आगमन पर बड़ी संख्या में मौजदू लोगों ने पूरे उत्साह के साथ पीएम मोदी का स्वागत किया। उनके लिए जोरदार नारे लगाए।

उच्चतम न्यायालय में नवनियुक्त तीन न्यायाधीशों ने ली शपथ

प्रात :किरण

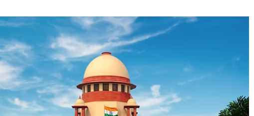

नई दिल्ली/एजेंसी। उच्चतम न्यायालय में नवनियुक्त तीन न्यायाधीशों ने शुक्रवार को पद और गोपनीयता की शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने शीर्ष अदालत परिसर के एक सभागार में आयोजित समारोह में न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया, न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। उनके शपथ ग्रहण करने के साथ ही उच्चतम न्यायालय के लिए कुल निर्धारित 34 न्यायाधीशों की संख्या पूरी हो गई। शपथ ग्रहण समारोह में शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीशों के अलावा अनेक वरिष्ठ अधिवक्ता और गणमान्य लोग मौजूद थे। इस महीने उच्चतम न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति ए एस ओका के सेवानिवृत्त होने के बाद शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों के तीन पद खाली हो गए थे। न्यायमूर्ति गवई की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की कॉलेजियम ने 26 मई 2025 को विभिन्न उच्च न्यायालयों के तीनों मुख्य न्यायाधीशों को शीर्ष अदालत में न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत करने की सिफारिश की थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मुहर के बाद केंद्र सरकार ने गुरुवार को न्यायमूर्ति अंजारिया, न्यायमूर्ति बिश्नोई और न्यायमूर्ति चंदुरकर को शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति की अधिसूचना जारी की थी।शीर्ष अदालत के न्यायाधीश पद की शपथ लेने से पहले न्यायमूर्ति अंजारिया कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, जबकि न्यायमूर्ति बिश्नोई गुवाहाटी उच्च न्यायालय और न्यायमूर्ति चंदुरकर बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद पर थे।

पीएम ने वैभव सूर्यवंशी और उनके परिवार से की मुलाकात

प्रात :किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग इतिहास के सबसे युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2025 में अपनी धाक जमाई है। इस 14 वर्षीय बल्लेबाज ने राजस्थान रॉयल्स की ओर से 7 आईपीएल मुकाबलों में 36 की औसत के साथ 252 रन बनाए हैं। इस दौरान सूर्यवंशी ने एक शतक और एक अर्धशतक जड़ा। राजस्थान रॉयल्स खिताबी रेस से बाहर है। टीम का अभियान 20 मई को ही समाप्त हो चुका है। इसलिए वैभव फिलहाल एक ब्रेक पर हैं। वैभव सूर्यवंशी हाल ही में

पटना एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। खुद पीएम के एक्स हैंडल पर मुलाकात की जानकारी दी गई है। पीएम मोदी बिहार के दो दिवसीय दौरे पर थे। उन्होंने इस युवा खिलाड़ी के क्रिकेट कौशल की जमकर तारीफ की। पीएम मोदी के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर वैभव सूर्यवंशी के साथ कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए पोस्ट में लिखा गया, पटना एयरपोर्ट पर युवा क्रिकेट सनसनी वैभव सूर्यवंशी और उनके परिवार से मुलाकात हुई। उनके क्रिकेट कौशल की पूरे देश में प्रशंसा हो रही है! उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं। वैभव जब अपने माता-पिता के साथ पीएम मोदी से मिले तो उनके पैर भी छुए। इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने वैभव को आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं, जो आने वाले दिनों में उनके खेल जीवन के लिए संबल का कार्य करेंगी। यह क्षण न केवल वैभव के लिए व्यक्तिगत उपलब्धि रहा, बल्कि यह भी प्रमाणित करता है ।

भारतीय नौसेना फॉर्म में आती, तो पाकिस्तान के चार टुकड़े हो जाते : राजनाथ

प्रात :किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि 1971 इसका गवाह है, कि जब भारतीय नौसेना हरकत में आई थी, तो पाकिस्तान एक से दो हो गया था। अगर ऑपरेशन सिंदूर में, भारतीय नौसेना अपने फॉर्म में आई होती, तो पाकिस्तान के दो टुकड़े ही न होते बल्कि मैं समझता हूँ शायद चार टुकड़े हो जाते। रक्षा मंत्री ने शुक्रवार को गोवा के तट से कुछ ही दूरी पर आईएनएस विक्रांत पर यह बात कही। इसके साथ ही उन्होंने कहा, ह्लमैं यह बात फिर से, बेहद दृढ़ता से कहना चाहता हूँ, कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। यह सिर्फ एक विराम है, एक चेतावनी। अगर पाकिस्तान ने फिर वही गलती की, तो भारत का उत्तर और भी कठोर होगा, और इस बार, उसे संभलने का मौका नहीं मिलेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक मिलिट्री एक्शन नहीं है बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत का फ्रंटल असॉल्ट है। हम आतंकवाद के खिलाफ हर उस तरीके का इस्तेमाल करेंगे, जो पाकिस्तान सोच सकता है, मगर हम उन तरीकों का इस्तेमाल करने में भी संकोच नहीं करेंगे, जो पाकिस्तान सोच भी नहीं सकता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी फोर्स की फॉरवर्ड तैनाती के साथ-साथ विक्रांत कैरियर बैटल ग्रुप की फोर्स प्रोजेक्शन ने भी हमारे इरादे और क्षमता का प्रभावी संकेत दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि आपकी इस

मजबूत तैयारी ने दुश्मन के हौसले को पहले ही पस्त कर दिया। पाकिस्तान के लिए आपकी तैयारी मात्र ही बहुत थी। आपको तो एक्शन की जरूरत ही नहीं पड़ी, आपकी तैयारी से ही दुश्मन सकते में आ गया। पाकिस्तान ने भारतीय नौसेना की प्रचंड शक्ति, उसकी सैन्य सूझबूझ और विध्वंसक क्षमताओं को न सिर्फ महसूस किया, बल्कि वह उससे भयभीत भी हुआ। रक्षा मंत्री ने कहा कि हाफिज सईद मुंबई हमलों का गुनहगार है। समुंदर के रास्ते मुंबई में मौत बरसाने का जो गुनाह उसके संगठन ने किया है, उसका इंसाफ होना चाहिए। यह काम पाकिस्तान में नहीं हो सकता है। मुंबई हमलों के एक आरोपी तहव्वुर राणा को पिछले दिनों भारत लाया गया है। पाकिस्तान की ओर से बार-बार बातचीत की पेशकश की जा रही है। कल ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने फिर यह बात दोहराई है, मगर भारत ने साफ कह रखा है कि बात होगी, तो आतंकवाद पर होगी, पीओके पर होगी। अगर पाकिस्तान बातचीत को लेकर गंभीर है, तो उसे हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकवादियों को भारत के सुपुर्द करना चाहिए ताकि इंसाफ किया जा सके।

संबोधन गृह मंत्री की दो टूक, जम्मू-कश्मीर का विकास न तो रुकेगा और न ही धीमा होगा...

जम्मू-कश्मीर में नुकसान पहुंचाने वालों को मुंहतोड़ जवाब मिलेगा : शाह

प्रात :किरण

पुंछ/जम्मू/एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भारत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने वालों को कड़ा और मुंहतोड़ जवाब दिए जाने की चेतावनी देते हुए शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014 में शुरू हुआ जम्मू कश्मीर का विकास उकसावे भरी हालिया कार्रवाइयों के बावजूद न तो रुकेगा और न ही धीमा पड़ेगा। शाह ने सीमावर्ती पुंछ जिले से आश्वासन और संकल्प का संदेश देते हुए कहा कि हालिया अशांति के कारण विकास में आई रुकावट क्षणिक है और केंद्र शासित प्रदेश की प्रगति जल्द ही पुनः अपनी गति पकड़ लेगी। गृहमंत्री ने हालिया भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के दौरान एक वरिष्ठ अधिकारी के बलिदान की बात स्वीकार करते हुए सशस्त्र बलों और असैन्य प्रशासन की बहादुरी एवं तत्परता की

सराहना की। उन्होंने गोलाबारी के दौरान आम नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में प्रशासन की त्वरित प्रतिक्रिया की भी प्रशंसा की। शाह ने यहां लोगों को संबोधित करते हुए कहा, जम्मू-कश्मीर का विकास न तो रुकेगा और न ही धीमा होगा। जो गति 2014 में शुरू हुई थी, वह जारी रहेगी। जो कोई भी हमें नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा, उसे कड़ा और मुंहतोड़ जवाब मिलेगा। शाह ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री मोदी के पदभार संभालने के तुरंत बाद आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए सीमा पर बंकर बनाने का फैसला किया गया था। उन्होंने कहा कि अब तक 9,500 से अधिक बंकर बनाए जा चुके हैं, जिन्होंने हाल में आम लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों में आम नागरिकों की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के समन्वय से आने वाले दिनों में और अधिक बंकर बनाएगी। शाह ने सीमा क्षेत्र के निवासियों के साथ मजबूती से खड़े होते हुए कहा, पूरा देश और भारत एवं जम्मू-कश्मीर की सरकारें आपके साथ चट्टान की तरह खड़ी हैं। आतंकवादियों और पाकिस्तान द्वारा की गई हरकतें भारत की रक्षा नीति को और मजबूत ही करेंगी। शाह ने आतंकवाद पर प्रधानमंत्री मोदी के दृढ़ रुख को दोहराते हुए कहा, आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते। आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। शाह ने शांति और प्रगति पर जोर देते हुए कहा, मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों को भरोसा दिलाता हूं कि 2014 में शुरू हुआ विकास पूरी ताकत के साथ फिर से आरंभ होगा। जो कोई भी इसे बाधित करने की कोशिश करेगा, उसे कड़ा और मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों, खासकर पुंछ में भारी गोलाबारी करके बेहद निंदनीय कृत्य किया है। उन्होंने कहा कि भारत ने किसी भी आम नागरिकों को नुकसान नहीं पहुंचाते हुए सीमा पार आतंकवादी ढांचे को सटीक निशाना बनाकर जवाब दिया है।

लगातार तीसरी बार राजद के नगर अध्यक्ष बने भाई बीरेंद्र

मसौढ़ी।नगर मुख्यालय स्थित सौभाग्य उत्सव हॉल में गुरुवार को नये सत्र का राजद नगर अध्यक्ष का चुनाव हुआ.भाई वीरेंद्र उर्फ किरी यादव को लगातार तीसरी बार राजद का निर्विरोध नगर अध्यक्ष चुना गया.निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में मोहम्मद सलाउद्दीन मंसूरी सह निर्वाचन पदाधिकारी राजीव कुमार व पिंटू कुमार पप्पू पासवान व मोहम्मद कौसर अलम व जिला प्रवक्त संजय सिंह उपस्थित थे।इस दौरान 2025-28 के लिए राजद नगर अध्यक्ष का चुनाव कराया गया।राजद नगर अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद राजद नेताओं एवं कार्यकताओं ने उन्हें माला पहनाकर नगर अध्यक्ष बनने पर बधाई दी.राजद नगर अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद भाई बीरेंद्र उर्फ किरी यादव ने सभी कार्यकताओं का आभार जताते हुए कहा कि लगातार तीसरी बार नगर अध्यक्ष निर्वाचित होते आ रहे हैं.क्रियाशील सदस्यों ने जो भरोसा उन पर जताया है, उस पर खरा उतरने का वे हर संभव प्रयास करेंगे.उन्होंने कहा कि राजद कार्यकताओं का संकल्प है कि हर हाल में बिहार में इंडिया गठबंधन की सरकार तेजस्वी प्रसाद यादव के नेतृत्व में बनाना है.

रेलवे जीएम ने किया आरा स्टेशन का निरीक्षण

स्मार्ट कोच का अवलोकन एवं दानापुर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में नवीनीकृत सम्मेलन कक्ष एवं मंडल रेल हॉस्पिटल दानापुर में अल्ट्रासाउंड व एक्स रे मशीन का किया उद्घाटन

निरीक्षण में मंडल रेल प्रबंधक समेत मुख्यालय एवं दानापुर मंडल के अन्य अधिकारी भी रहे मौजूद

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर । पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह के द्वारा आरा स्टेशन का निरीक्षण किया गया तथा आरा कोचिंग डिपो में एआई तकनीक पर आधारित स्मार्ट कोच का अवलोकन किया गया। भारतीय रेल हमेशा आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए नए जमाने के साथ कदम से कदम मिलाकर चलती है।इसी कड़ी में एआई तकनीक पर आधारित सेंसर के माध्यम से एक स्मार्ट कोच का निर्माण किया गया है जिसमें ऐसे सेंसर लगे हुए हैं जो कोच में कई तरह की सुरक्षा पहलुओं को वेरीफाई करता है तथा कमी का पता लगाकर उसे अविलंब ठीक करने हेतु लाईव सूचना देता है।इन सेंसर के द्वारा कोच में पानी की कमी का पता लगाया जा सकता है।ट्रेनों में कोच के हॉट एक्सेल की पहचान करके इसका तुरंत निवारण किया जा सकता है।ट्रेन के कोच में बाथरूम के बुरे स्मेल को देखते हुए उसका निदान किया जा सकता है।एसीपी यानी अलार्म चेन पुलिंग के केस में भी सेंसर के द्वारा यह बता दिया जाएगा कि किस कोच में एसीपी की गई है जिससे जांच की व्यवस्था में लगने वाले समय में कमी आएगी। इसी के साथ महाप्रबंधक महोदय ने दानापुर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में नवीनीकृत सम्मेलन कक्ष का एवं मंडल रेल अस्पताल में नए अल्ट्रासाउंड मशीन एवं एक्सरे मशीन का उद्घाटन किया।इस अवसर पर दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जयंत कुमार चौधरी सहित मुख्यालय एवं दानापुर मंडल के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे ।

फतुहा स्टेशन पर चलाया गया जागरूकता अभियान

फतुहा। शुक्रवार को फतुहा स्टेशन पर निरीक्षक प्रभारी के नेतृत्व में जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमे यात्रा के दौरान यात्री किसी अनजान व्यक्ति का दिया हुआ खाद्य एवं पेय पदार्थ न खाए न ही खाने को दे तथा पायदान पर बैठकर यात्रा न करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पटना में निर्धारित दौरा कार्यक्रम के आलोक में फतुहा रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल फतुहा के अधिकारी एवं जीआरपी के अधिकारी एवं जवानों द्वारा सकुर्लेटिंग एरिया बुकिंग, आरक्षण एरिया के साथ-साथ प्लेटफॉर्म तथा आने जाने वाली गाड़ियों में सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान न तो कोई संदिग्ध वस्तु मिला और न ही कोई संदिग्ध व्यक्ति मिला। वहीं आरपीएफ के द्वारा चेकिंग अभियान चलाकर विभिन्न धाराओं में चैन पुलिंग में चार, अवैध वेंडर एक, रिजर्व कंपार्टमेंट से आठ एवं महिला कोच से पांच लोगों सहित कुल 18 लोगों को पकड़ा गया जिनके विरुद्ध नियम संगत कारवाई की गई। इसकी जानकारी आरपीएफ इंस्पेक्टर विनोद कुमार विश्वकर्मा ने दिया।

कार्डियक लाइफ सपोर्ट के बारे में दिया गया प्रशिक्षण, कैसे बचाएं जान

प्रातः किरण संवाददाता

पटना सिटी, प्रातःकिरण संवाददाता

नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के निश्चेतना विभाग की ओर से सीपीआर पर दो दिवसीय वर्कशाप का आयोजन स्किल लैब सेंटर में शुक्रवार को किया गया। इसका उद्घाटन नालंदा मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉप्रो उषा कुमारी, एनएमसीएच की अधीक्षक डॉप्रो रश्मि प्रसाद एवं उपाधीक्षक डॉ सरोज कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उपाधीक्षक डॉ सरोज कुमार ने सीपीआर देने के तरीके को सरल रूप बताया। इससे कार्डियक अरेस्ट से पीड़ित व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। इसका संचालन सीआरटीसी (पटना के कंप्रिहेंसिव रिससिटेशन ट्रेनिंग सेंटर) के अध्यक्ष डॉप्रो मोतीलाल दास एवं कोऑर्डिनेटर डॉ नितिन ओझा ने किया।

डॉ मोतीलाल दास ने कहा कि किसी भी मरीज को लाइफ सपोर्ट कैसे दिया जाए, इसकी जानकारी व हैंड्स ऑन ट्रेनिंग के माध्यम से दी। निश्चेतना विभाग के फेकेल्टी डॉ प्रदीप कुमार तिवारी, डॉ तनवीर कमर, डॉ संजय कुमार ठाकुर ने भी महत्वपूर्ण जानकारी मौजूद लोगों को दी। कार्यक्रम में निश्चेतना विभाग के विभागाध्यक्ष डॉप्रो विजय कुमार, डॉप्रो गुरुमुख प्रसाद एवं डॉ एचके झा ने आवश्यक जानकारी दी। कार्यक्रम में विशेष रूप से तिरुपति से आए डॉ श्रीनिवास सुरीसेटी एवं डॉ आलोक ने भी विचार व्यक्त किए। वर्कशाप मे एनएमसीएच के द्वितीय वर्ष सत्र 2023-26 के 60 छात्र-छात्राएं शामिल हुए। वर्कशाप शनिवार को भी होगा।

प्लास्टिक के खिलाफ पटना साहिब स्टेशन पर चला जागरुकता अभियान

प्रातः किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। विश्व पर्यावरण दिवस पर चलाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा के तहत शुक्रवार को पटना साहिब स्टेशन पर प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने को लेकर यात्रियों को जागरूक किया गया। यह अभियान मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक आशुतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान बताया गया कि प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करें। यात्रियों से बोतल में स्वयं पानी भरने, सिंगल उसे प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने, स्टेशन पर प्लास्टिक का कचरा नहीं फेंकने का यात्रियों से अपील की गई। वहीं स्टॉल संचालकों एवं दुकानदारों को वर्जन प्लास्टिक की जगह रिसाइकल किए गए प्लास्टिक अथवा पर्यावरण मित्र विकल्पों का उपयोग करने को कहा गया। इस दौरान स्टेशन मास्टर उपेंद्र कुमार, मृत्युंजय कुमार, संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया।

बिहार कोसी बेसिन परियोजना विकास के तहत मत्स्य किसान उत्पादक समिति की समीक्षात्मक बैठक संपन्न

➤ उप मत्स्य निदेशक, कोसी और पूर्णियाँ परिक्षेत्र तथा मत्स्य उत्पादक समिति के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने लिया भाग

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार के मत्स्य निदेशालय में निदेशक मत्स्य की अध्यक्षता में कोसी और पूर्णियाँ परिक्षेत्र के मत्स्य किसान उत्पादक समिति की समीक्षात्मक बैठक विडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गयी। बैठक में बिहार राज्य की ओर से उप मत्स्य निदेशक, कोसी और पूर्णियाँ परिक्षेत्र तथा मत्स्य उत्पादक समिति के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा भाग लिया गया।

बैठक के दौरान निदेशक मत्स्य ने मत्स्य किसान उत्पादक समिति से पिछले वित्तीय वर्ष में मत्स्य उत्पादन, हैचरी कल्चर एवं विभाग द्वारा संचालित अन्य योजनाओं की समीक्षा की तथा इस वित्तीय वर्ष के उत्पादन और मुनाफे के बारे में लक्ष्य प्राप्त करने की तैयारी की जानकारी ली।

निदेशक मत्स्य के द्वारा मत्स्य किसान उत्पादक समिति को निर्देश दिया गया कि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न राज्य योजनाओं का लाभ लेकर मुल्य वर्धित कर सकते है।

खासकर चौर विकास योजना के तहत नए तालाब निर्माण पर बल देने की बात कही। इसके अतिरिक्त केन्द्र द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का लाभ लेकर कल्चर, मत्स्य फिड प्रोडक्शन बढ़ाने रेफ्रिजरेटेड वाहन तथा उन्नत मत्स्य बीज योजना मे आवेदन करने का निर्देश दिया गया।

तंबाकू सेवन को लेकर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया

पटना। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष में आज वॉलंटरी हेल्थ एसोसिएशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली एवं बिहार वॉलंटरी हेल्थ एसोसिएशन पटना के संयुक्त तत्वाधान में महंत हनुमान शरण हाई स्कूल, मैनपुरा, पटना में उच्च माध्यमिक छात्र एवं छात्राओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ मुसर्रत जहां के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 200 छात्र छात्राएं और विद्यालय के शिक्षक गण उपस्थित थे। कार्यक्रम का सचालन श्री राजू राजू शर्मा कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार वॉलंटरी हेल्थ हेल्थ एसोसिएशन के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के शरुआत में श्री स्वप्न मजूमदार, कार्यपालक निदेशक ने उडळढअ 2003 के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं उन्होंने कहा कि भारत सरकार एवं बिहार सरकार के द्वारा विद्यालयों को पूर्ण से तंबाकू मुक्त कराने का प्रयास कराया जा रहा है। उन्होंने कहा की विद्यालय में पढ़ रहे सभी छात्र एवं छात्राओं को इस मुहिम में आगे बढ़कर कार्य करना चहिए ताकि उनके प्रयास से समाज, घर एवं विद्यालय तंबाकू मक्त हो सके। कार्यक्रम में महावीर वात्सल्य अस्पताल के नागेंद्र कुमार ने तंबाकू सेवन से बढ़ रहे हार्ट अटैक ,कैंसर आदि से पीड़ित युवाओं की संख्या को एक बड़ी चिंता का विषय बताया। संतोष कुमार ने तंबाकू कंपनियों द्वारा चलाए जा रहें विज्ञापनों एवं इससे विद्यार्थियों एवं युवाओं पर पढ़ रहे बूढ़े असर का जिर्क किया। उन्होंने कहा कि आज तंबाकू कंपनियों का मुख्य टारगेट युवा वर्ग है। कार्यक्रम के अंत में डॉ मुसर्रत जहां ने सभी विद्यार्थियों से प्रण करवाया कि न ही वे कभी तंबाकू का सेवन करेंगे और न ही अपने परिवार के किसी सदस्यों को इसका सेवन करने देंगे। स्वपन मजुमदार, कार्यपालक निदेशक, बिहार वॉलंटरी हेल्थ एसोसिएशन पटना।

शौच के लिए घर से निकली युवती लापता

मसौढ़ी।थाना क्षेत्र से एक 18वर्षीय युवती के रहस्यमय तरीके से लापता हो गई।इस बाबत युवती के पिता ने थाने में आवेदन देकर पुत्री की बरामदगी की गुहार लगाई है।थानाध्यक्ष को दिए आवेदन में बताया कि बुधवार की रात उसकी बेटी घर के समीप खेत में शौच के लिए गई थी। घंटे भर बाद भी वापस नहीं लौटी तो उन लोगों ने उसकी खोजबीन की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।मामले में अपहत युवती की पिता के आवेदन पर थाना क्षेत्र के बेर्रा गांव के प्रवीण शर्मा उर्फ बुल्लू शर्मा के पुत्र अमित कुमार के विरुद्ध प्राथमिकी कराई गई है।पुलिस मामले में जांच कर रही है।

कोविड के 26 मरीज के सैंपल जांच में तीन पाजिटिव

पटना सिटी (प्राकि)।एनएमसीएच के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में शुक्रवार को कोविड के 26 मरीजों के सैंपल की जांच की गई। माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉप्रो संजय कुमार ने बताया कि अस्पताल में संग्रह किए गए 26 मरीजों की सैंपल जांच के लिए आया था। इसमें तीन मरीज की रिपोर्ट में कोरोना पाजिटिव की पुष्टि हुई है। आंख विभाग, सर्जरी व मेडिसिन विभाग में एक-एक मरीज इलाज कराने को आए थे। यह सभी पटना के रहने वाले हैं। डॉक्टर ने तीनों को होम आइसोलेशन की सलाह दी है। अस्पताल के कोविड वार्ड में अभी मरीज भर्ती नहीं है।

भाजपा के ग्रामीण जिलाध्यक्ष ने कुछ कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी

दानापुर।नगर के अंतर्गत शुक्रवार को भाजपा के ग्रामीण जिलाध्यक्ष रजनीश कुमार ने दानापुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मंडलों में कुछ कार्यकताओं को जिम्मेदारी सौंपी है जिसमें।छावनी परिषद मंडल के अध्यक्ष संदीप गुप्ता,बेली रोड मंडल के अभिषेक सिन्हा उर्फ चंदन श्रीवास्तव,रामजीचक मंडल के विनय कुमार मेहता और दानापुर ग्रामीण का मंडल अध्यक्ष अवधेश सिंह को बनाया गया वही संदीप के छावनी परिषद के मंडल अध्यक्ष बनने पर छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष बंटी गुप्ता, जिला प्रवक्ता शंकर सिंह,भानु सिंह ने कहा कि पार्टी का विस्तार और मजबूत होगी।

पिकअप वैन पर लदा मवेशी जब्त, पांच गिरफ्तार

पटना सिटी (प्राकि)। बाइपास थाना की पुलिस ने पिकअप वैन पर लदे 22 मवेशी को बरामद किया है। इस मामले में पिकअप वैन के दो चालक व तीन चरवाहा को गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष राजेश कुमार झा ने बताया कि महादेव स्थान के पास पशु क्रूरता निवारण सोसाइटी के सदस्य विनय कुमार के द्वारा इस संबंध में सूचना दी गई। इस पर पहुंची पुलिस ने पशु क्रूरता निवारण सोसाइटी के सहयोग से दो पिकअप वैन पर रहे 22 मवेशी को जब्त किया। जब्त किए गए मवेशी को दीदारगंज स्थित गोशाला भेजा गया है। इस मामले में दोनों पिकअप वैन के चालक और उस पर सवार तीन चरवाहा को गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

32 वर्षया विवाहिता ने की खुदकुशी

पटना सिटी (प्राकि)। चौक थाना क्षेत्र के कैमाशिकोह मोहल्ला में ब्याहता ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। उसकी उम्र करीब 32 साल है और वह पंखे से झूल कर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। पुलिस प्रथम द्दष्टया पारिवारिक विवाद मान रही है। चौक थाना की पुलिस ने बताया कि महिला की पहचान मनोज राय की पत्नी कविता देवी के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। मृतक के परिजनों की ओर से अभी तक आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। मामले की छानबीन कर रही है।

पटना के 15 मंडलों में भाजपा ने बनाए अध्यक्ष, सूची जारी

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रम :- गोपाल विद्यार्थी बिहार विधान सभा चुनाव को लेकर भाजपा ने पटना ग्रामीण के 15 मंडलों में अध्यक्ष की तैनाती कर दी है` भाजपा पटना ग्रामीण जिलाध्यक्ष रजनीश कुमार ने बिक्रम में शुक्रवार को प्रेस वार्ता कर उक्त जानकारी दी है, उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से पटना ग्रामीण संगठन के क्क मंडलों में योग्य जुझारू कार्यकर्त्ताओ को जिम्मेदारी सौंपी गई है` उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल व प्रदेश संगठन महामंत्री आदरणीय भीखू भाई दलसानिया के सहमति से पटना ग्रामीण के क्क मंडल अध्यक्षयो की घोषण की गयी है। भाजपा द्वारा जारी सूची के अनुसार बिक्रम विधान सभा के नौबतपूर नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी सर्वजीत सिंह, पालीगंज में राघवेन्द्र कुमार उर्फ शाही, बिहटा नगर मंडल में लव कुमार, मनेर नगर मंडल में दिपक सोनी, पुनपुन पूर्वी सुनिल कुमार ठाकुर, पुनपुन पश्चमी में राजू कुमार, बेउर में दिपक कुमार सिंह, फुलवारी ग्रामीण पूर्वी में अशोक कुमार सिंह, दानपूर छावनी में संदीप कुमार, बेली रोड मंडल में अभिषेक सिन्हा उर्फ चंदन श्रीवास्तव, रामजीवन मंडल में विनय कुमार मेहता, दानापुर ग्रामीण में अवधेश सिंह, मसौढ़ी विधान सभा के रामजीवन मंडल में अजित कुमार पाण्डेय व धनुरुआ में सतीश यादव को मंडल अध्यक्ष बनाया गया है` इधर मण्डल अध्यक्षों की सूची जारी होने के बाद पार्टी कार्यकताओ में उत्साह है।

पटना ग्रामीण की कार्यकर्ताओ ने प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय डॉ दिलीप जायसवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दल सानिया व जिलाध्यक्ष रजनीश कुमार, पूर्व केन्द्रिय मंत्री रामकृपाल यादव, बिक्रम विधान सभा के पूर्व प्रत्याशी अतुल कुमार, पूर्व विधायक डॉ उषा विद्यार्थी, पूर्व विधायक राम जन्म शर्मा, पूर्व विधायक आशा सिन्हा, पूर्व जिलाध्यक्ष आशुतोष कुमार, निखिल आनंद, विधान पार्षद अनामिका सिंह पटेल के प्रति आभार व्यक्त किया है। कार्यकर्ताओ ने कहा कि जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में संगठन मजबुत होगा कार्यकर्ताओ में खुशी है। भाजपा नेता श्रीराम शर्मा, तेज नारायण शर्मा, राज किशोर सिंह, अभिशेख रंजन मोन्टी, अविनाश कुमार उपाध्याय, नागेन्द्र कुशवाहा, लंकेश सिंह, निरज तिवारी, सतीश कुमार, रविश कुमार, जीत कुमार, विनोद कुमार, सूर्य नारायण सिन्हा, जितेन्द्र यादव, संधीर यादव, लालबाबु सिंह, निरज कुमार, मनोज कुशवाहा व मनोज कुमार समेत अन्यों ने नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को बधाई दी है ।

सीएम नीतीश आज करेंगे तिब्बी कॉलेज के भवन निर्माण कार्य का शुभारंभ

प्रातः किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पूरबी छोर में बी एससी नर्सिंग कॉलेज के पीछे पूरब की ओर तिब्बी कॉलेज का भवन निर्माण होना है। इसके कार्य का शुभारंभ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा शनिवार को पूर्वाह्न 11 बजे किया जाएगा। आयोजन में बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के अलावा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारीगण भी मौजूद रहेंगे। आयोजन स्थल पर पटना नगर निगम के अजीमाबाद अंचल के द्वारा सफाई अभियान चलाया जा रहा है। आयोजन स्थल का निरीक्षण करने के लिए स्वास्थ्य विभाग के सचिव मनोज सिंह, एमडी धर्मेंद्र कुमार आदि भी पहुंचे। इस दौरान नालंदा मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉप्रो उषा कुमारी, अधीक्षक डॉप्रो रश्मि प्रसाद, उपाधीक्षक डॉप्रो सरोज कुमार भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने अपने निरीक्षण के दौरान आयोजन स्थल पर काम कर रहे लोगों को कुछ दिशा निर्देश भी दिए। साथ ही बनने वाले भवन का मानचित्र भी देखा और उसे यहां पर लगाने की बात कही। पहले कार्य शिलान्यास के लिए मंच और दर्शकों की बैठने की व्यवस्था राजकीय फामेर्सी संस्थान के छात्रावास के पूरब की ओर परिसर में व्यवस्था की जा रही थी, मगर अधिकारियों के द्वारा इसे बदल कर बी एससी नर्सिंग कॉलेज परिसर कर दिया गया है। तैयारी को लेकर रात तक काम जारी था।

ड्रग विभाग की छापेमारी में प्रतिबंधित ड्रग्स बरामद, एक गिरफ्तार

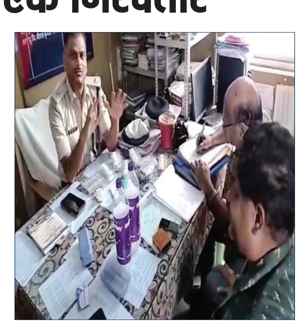

प्रातः किरण संवाददाता

पटना सिटी, प्रातःकिरण संवाददाता

अगम कुआं थाना क्षेत्र के भूतनाथ रोड के प्रोग्रेसिव कॉलोनी के गोदाम में औषधि विभाग की टीम ने शुक्रवार को छापेमारी की। इस दौरान यहां से प्रतिबंधित दवा बरामद किया गया है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया है। पुलिस ने बताया कि छापेमारी के दौरान करीब एक लाख रुपए के पांच तरह का इंजेक्शन और टेबलेट बरामद किया गया है। छापेमारी दल में औषधि निरीक्षक यशवंत कुमार झा, संजीव कुमार, जितेंद्र कुमार, अगमकुआं थाना के थानाध्यक्ष नीरज कुमार पांडे के साथ पुलिस पदाधिकारी और बल भी शामिल थे। पुलिस ने बताया कि छापेमारी के दौरान पुलिस टीम ने गयाजी के रहने वाले मुंदन कुमार को गिरफ्तार किया है। औषधि विभाग की टीम के बयान पर प्राथमिक की दर्ज की जा रही है। इसमें फरार सरगना गिरफ्तार और एक अन्य को आरोपित किया जा रहा है। पुलिस टीम फरार की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। औषधि निरीक्षकों की टीम ने बताया कि प्रतिबंधित दवा का इस्तेमाल नशा के लिए किया जाता था। पुलिस की टीम धंधे से जुड़े अन्य धंधेबाजों की तलाश में लगी है, ताकि नशा के कारोबार से जुड़े लोगों को गिरफ्तार किया जा सके।

हर नाम पदारथ नानक मांगे, तेरा किया मीठा लाग

5वें गुरु अर्जन देव के शहीदी पर्व पर सजा विशेष दीवान, छबील व लंगर की सेवा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना सिटी, प्रातःकिरण संवाददाता

सिख पंथ के पांचवें गुरु श्री अर्जन देव जी महाराज का शहीदी पर्व तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में मनाया गया। इस दौरान विशेष दीवान सजा। इसके पूर्व पिछले दो दिनों से चल रहे श्री गुरु ग्रंथ साहिब के अखंड पाठ की समाप्ति अतिरिक्त मुख्य ग्रंथी ज्ञानी दिलीप सिंह की देखरेख में हुई। इसके बाद सजे विशेष दीवान में हुजूरी रागी जत्था भाई बिक्रम सिंह, भाई हरभजन सिंह, भाई नविंदर सिह, हरियापुर से आए रागी जत्था भाई तरसेम सिंह, आशा दी वार भाई जोगिंदर सिंह और शबद कीर्तन भाई कविंदर सिंह ने की। कथावाचक ज्ञानी सुखदेव सिंह व ज्ञानी सतनाम सिंह की ओर से गुरु महाराज के जीवन दर्शन पर कथा कही गई। तख्तश्री पटना साहिब के जत्थेदार ज्ञानी बलदेव सिंह ने शस्त्र दर्शन व विश्व शांति के लिए अरदास करते हुए कहा कि गुरु महाराज का सिद्धांत समाज को एकता व अखंडता के सूत्र में पिरोने का काम करता है। प्रबंधक कमेटी के पदधारक व संगत आयोजन में शामिल हुए। गुरुद्वारा बाललीला मैनी संगत में भी चल रहे त्रिदिवसीय श्री गुरु ग्रंथ साहिब के अखंड पाठ की समाप्ति के बाद विश्व शांति के लिए बाबा गुरविंदर सिंह ने अरदास किया। इस दौरान सुखमणि साहिब का पाठ व कीर्तन किया गया। गुरुद्वारा बाल लीला के मोड पर मीठे छबील हलवा चना आदि का शिविर लगाया गया अरदास के बाद इसे संतो व अन्य लोगों के बीच वितरित किया गया आयोजन में बाबा गुरविंदर सिंह बाबा गुरवंत सिंह महंत बक्शी सिंह बाबा मिंता सिंह बाबा चमकौर सिंह प्रबंधक राजन सिंह रामप्रीत सिंह जगदीश सिंह गोरखपुर से आए जसपाल सिंह अंबर सिंह आदि की देखरेख में छबील की सेवा हुई। शहीदी पर्व को लेकर दर्जनों स्थान पर छबील की सेवा की गई।

समाजसेवी नरेंद्र मिश्रा ने नेत्रदान कर मानवता की सेवा में मिसाल कायम किया

प्रातः किरण संवाददाता

पटना सिटी। राजगीर जाने को पटना साहिब स्टेशन से ट्रेन पकड़ने को आटो से जा रहे शिक्षाविद् व समाजसेवी नरेंद्र मिश्रा का अचानक हृदयाघात होने के कारण स्वयंसेवी संस्था युवा संगम एवं चार्ल्स डार्विन स्कूल के संस्थापक समाजसेवी नरेंद्र मिश्रा की मौत हो गई। मृत्यु के बाद उनके परिवार के सहमति एवं दधीचि देहदान समिति के उपाध्यक्ष संजीव कुमार यादव व सचिव गोविन्द कानोडिया के सद्प्रयास से पटना के आईजीआईएमएस के नेत्र अधिकोष की टीम को कॉर्निया सौंप पीड़ित मानवता की सेवा कर समाज को एक ऐसा संदेश दिया है, जो आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरक होगा।

नरेंद्र मिश्रा की आंखों से दो-तीन नेत्रहीनों को दृष्टि मिल सकेगी। मृत्यु निश्चित है, परन्तु मृत्यु के बाद भी अमर होने का श्रेष्ठ तरीका है नेत्रदान। आईजीआईएमएस नेत्र विभाग के डॉ रजनी सिंहा, डॉ आकांक्षा, आशीष आनंद ने ऑपरेट कर कॉर्निया लेने की प्रक्रिया के बाद स्व नरेन्द्र मिश्रा के भाई अमरेंद्र मिश्रा, जितेंद्र मिश्रा और धर्मेंद्र मिश्रा को प्रशस्ति पत्र सौंपा गया। दधीचि देहदान समिति बिहार दिवंगत आत्मा की सद्गति के लिए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद एवं महासचिव पद्मश्री बिमल जैन ने जागरूक नागरिकों से अनुरोध किया है कि मृत्यु को जीवन का अंत न बना संकल्प ले नेत्रदान, अंगदान व देहदान करने का संकल्प लें और महर्षि दधीचि की परपंरा को अपना कर पीड़ित मानवता की सेवा में अपना योगदान दें। मौके पर संजय बूबना, बीरेन्द्र कुमार सिंह, सुनील सिंह, अनुज सिन्हा, कमल कुमार, शिव प्रसाद मोदी आदि मौजूद थे।

स्वर्गीय नरेंद्र मिश्रा का शवयात्रा उनके आवास से निकल खाजेकलां घाट पहुंचा, यहां मुखाग्नि जितेंद्र मिश्रा ने दी। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष आनंद किशोर यादव प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा पटना सिटी व्यापार मंडल के महासचिव उपदेश कुमार सिंह डीएसपी 2 डॉ गौरव कुमार खाज्य कला थाना अध्यक्ष प्रभात रंजन सक्सेना के अलावा शिव प्रसाद मोदी, विनोद पाठक, अरुण मिश्रा, मनोज सिन्हा, रवि प्रीत, राजेश राय, गोविंद कानोडिया, लाला प्रदीप कुमार, संजय रॉय, लखन यादव, ओंकार आनंद, विनोद पंडित, अमित अकेला, सृजन सिंह, मधुसुदन, लड्डू सिंह, आलोक चोपड़ा, मुकेश सिन्हा, शशिकांत मिश्रा, मृत्युंजय कुमार, राजेश राज आदि शामिल थे।

मंत्री बोलें- ऊर्जा के क्षेत्र में सशक्त हुआ बिहार

पीएम ने रखी 2400 मेगावाट बिजली की तीन परियोजनाओं की आधारशिला : मंगल

प्रात:किरण संवाददाता

पटना। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने कहा है कि बिहार के हवाई, रेल, सड़क और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में चतुर्दिक हो रहे विकास से मुद्दाविहीन विपक्ष बौखलाया हुआ है। अपने दो दिवसीय बिहार दौरा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार को 50 हजार करोड़ से अधिक की सौगात देकर न केवल बिहार के सम्यक व संतुलित विकास को गति दी है, बल्कि विपक्ष को भी करारा जवाब दिया है। अपनी बिहार यात्रा के दूसरे दिन यानी शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने रोहतास में 48,520 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण किया। इसके पूर्व पटना में उन्होंने हार्डिंग पार्क टर्मिनल प्लेटफॉर्म के शिलान्यास के साथ ही सोन नगर और मोहम्मदगंज के बीच तीसरी रेल लाइन तथा सासाराम से अनुग्रह नारायण रोड तक ऑटोमेटिक सिग्नलिंग राष्ट्र को समर्पित कर बिहार में रेलवे के विकास व विस्तार के नए द्वार को खोल दिया।

श्री पाण्डेय ने कहा कि बिजली के क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देते हुए उन्होंने औरंगाबाद के नवीनगर में 29,930 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली सुपर थर्मल पावर परियोजना के द्वितीय चरण (3 गुना 800 मेगावाट) की आधारशिला रखी जिसका उद्देश्य बिहार और पूर्वी भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

इससे न केवल औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे और क्षेत्र में सस्ती बिजली उपलब्ध होगी। बिहार में सड़क अवसंरचना और संपर्क को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-119ए के पटना-आरा-सासाराम खंड को चार लेन का बनाने, वाराणसी-रांची-कोलकाता राजमार्ग (एनएच-319बी) और रामनगर-कच्ची दरगाह खंड (एनएच-119डी) को छह लेन का बनाने तथा बक्सर और भरौली के बीच एक नए गंगा पुल के निर्माण सहित विभिन्न सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं राज्य में निर्बाध हाई-स्पीड कॉरिडोर बनाने के साथ-साथ व्यापार और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने में सहायक होंगी। प्रधानमंत्री ने एनएच 22 के पटना-गया डोभी खंड के चार लेन के सड़क निर्माण कार्य का उद्घाटन किया, जिसकी लागत करीब 5,520 करोड़ रुपये है। इसके साथ ही उन्होंने एनएच 27 पर गोपालगंज शहर में एलिवेटेड हाईवे के चार लेन के निर्माण और ग्रेड सुधार का भी उद्घाटन किया। श्री पाण्डेय ने कहा कि इसके एक दिन पूर्व प्रधानमंत्री ने पटना हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया और शहर के बाहरी इलाके में बिहटा हवाई अड्डा पर नए असैन्य परिसर (सिविल एन्क्लेव) की आधारशिला रखी। पटना में जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर नया यात्री टर्मिनल 1,200 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है, जबकि बिहटा हवाई अड्डा पर असैन्य परिसर को 1,410 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जाएगा। विशेष राज्यश के दर्जा की मांग करने वाले विपक्ष को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। प्रधानमंत्री जी व एनडीए की डबल इंजन सरकार की पहल से बिहार विकास की ऊंची उड़ान की ओर तेजी से अग्रसर है, विपक्ष को विरोध की जिद छोड़कर पीएम के सद्प्रयासों का स्वागत करना चाहिए।

मोदी ने 50वीं बार बिहार का दौरा किया : सम्राट

उपमुख्यमंत्री बोले : यह राज्य के प्रति उनके प्यार को दर्शाता है

प्रात:किरण संवाददाता

काराकाट भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 50वीं बार राज्य का दौरा किया। प्रधानमंत्री का राज्य का दो-दिवसीय दौरा शुक्रवार को खत्म हो गया। मोदी ने राज्य की राजधानी से लगभग 140 किलोमीटर दूर काराकाट में शुक्रवार को 48,520 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की शुरुआत की और एक रैली को भी संबोधित किया। भाजपा की बिहार इकाई के पूर्व अध्यक्ष रहे चौधरी ने रैली में अपने संबोधन में कहा, प्रधानमंत्री 50वीं बार बिहार आए हैं। यह राज्य के प्रति उनके प्यार को दर्शाता है। मैं उनसे आग्रह करता हूं कि वह यहां आते रहें। नीतीश कुमार कैबिनेट में वित्त विभाग का जिम्मा संभाल रहे उपमुख्यमंत्री ने केंद्र से मिल रही वित्तीय मदद के बारे में भी बताया। चौधरी ने कहा, हम खाली झोला लेकर दिल्ली जाते थे और हमें पैसों से भरा बोरा देकर वापस भेजा जाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री की बिहार की पिछली यात्राओं और गत वर्ष लोकसभा चुनाव के बाद लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने के बाद राज्य की यात्राओं के बारे में भी विस्तार से बताया।

नीतीश कुमार ने सुशासन का राज स्थापित किया : मधुरेंद्र

पटना। जदयू के प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम एवं प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट डॉ मधुरेंद्र पांडेय ने ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता के बाद बिहार के दो दिवसीय दौरे पर आने का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 48500 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं को सौगात देकर बिहार को प्रगति समृद्धि और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों पर जाने ले जाने की कार्य किया है। जदयू नेताओं ने कहा कि बिहार वासियों को कृषि कार्य के लिए रोडमैप, रोजगार के सुअवसर, शहरी विकास योजना के साथ देहात के विकास के साथ, विमान सुविधा को सचारू रूप से संचालन हेतु पटना जय प्रकाश ना. अं. हवाई अड्डा के टर्मिनल भवन का देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करकमलों से शिलान्यास हो सका। तात्पर्य यह है कि बीते सालों में बिहार ने एनडीए की सरकार ने विकास के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व मे जनता के बीच सुशासन का राज स्थापित किया लेकिन आत्मज्ञान के चलते तथाकथित विपक्षी नेताओं ने एनडीए सरकार को बदनाम करने की नापाक हरकत की, यह भी सच है कि सूबे की जनता इन बयान वीरों के मनसूबे पर पानी फेरते रही और विकासवादी सिद्धांत को स्थापित किया।

जनता की हर आकांक्षा को हकीकत में बदल रही है मोदी-नीतीश की जोड़ी : उमेश

●कहा - नई परियोजनाएं बिहार के लिए मील के पत्थर साबित होंगे

प्रात:किरण संवाददाता

पटना। जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संयुमित नेतृत्व न केवल एनडीए की मजबूती का परिचायक है, बल्कि बिहार के दीर्घकालिक, समग्र एवं सतत विकास की मजबूत आधारशिला भी है। श्री कुशवाहा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा पटना एयरपोर्ट के अत्याधुनिक टर्मिनल का उद्घाटन, बिहटा एयरपोर्ट के नए सिविल एन्क्लेव की आधारशिला एवं 48,520 करोड़ की बहु-क्षेत्रीय विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन बिहार के लिए ऐतिहासिक मील के पत्थर साबित होंगे। इन परियोजनाओं में नवीनगर सुपर थर्मल पावर परियोजना, प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों का चौड़ीकरण, बक्सर - भरौली गंगा पुल तथा सोन नगर - मोहम्मदगंज तीसरी रेल लाइन जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये विकास कार्य न केवल बिहार की आधारभूत संरचना को सशक्त करेंगे, बल्कि औद्योगिक प्रगति और बेहतर कनेक्टिविटी के माध्यम से आम जनता के जीवन स्तर में भी सुधार लाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कुशल, दूरदर्शी और ईमानदार नेतृत्व बिहार को आत्मनिर्भर भारत और समृद्ध बिहार की ओर तेजी से अग्रसर कर रहा है। श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि मोदी-नीतीश की विकासपरक जोड़ी जनता की हर आकांक्षा को हकीकत में बदल रही है। जब भी यह जोडी मंच पर होती है, तो एनडीए कार्यकताओं का उत्साह दोगुना हो जाता है और विकास की गाड़ी तेज गति से चलती है।

समता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष धीरेन्द्र कुमार ने थामा कांग्रेस का हाथ

प्रात:किरण संवाददाता

पटना। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम पटना में आयोजित मिलन समारोह में लोकप्रिय समता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष धीरेन्द्र कुमार उर्फ धीरू शर्मा और वरिष्ठ नेता त्रिलोकी कुमार मांझी ने हजारों समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी की सदस्यता बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम के हाथों ग्रहण किया। बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष ने सदस्यता ग्रहण कराने के बाद कहा कि धीरेन्द्र कुमार उर्फ धीरू शर्मा और त्रिलोकी कुमार मांझी के आने से बिहार में कांग्रेस पार्टी मजबूत होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में भविष्य के दिनों में और भी कई जिलों से महत्वपूर्ण सामाजिक कार्यकर्ता जुड़ेंगे। कांग्रेस संगठन को मजबूती प्रदान करने में दोनों आगत नेताओं और उनके समर्थकों को आज से ही जुटकर काम करने की आवश्यकता है। बिहार में सामाजिक न्याय के लिए राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के संघर्ष का परिणाम है कि विभिन्न क्षेत्रों और दलों के लोग कांग्रेस के प्रति आकर्षित हो रहें हैं। समता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष धीरेन्द्र कुमार उर्फ धीरू शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी के संघर्ष और सामाजिक न्याय की विचारधारा से प्रभावित होकर कांग्रेस से जुड़कर काम करने को इच्छुक हूं। कांग्रेस पार्टी लगातार देशहित में कार्य कर रही है और राहुल गांधी के नेतृत्व पर मुझे बेहद भरोसा है। कांग्रेस पार्टी ने सामाजिक न्याय की जो लड़ाई लड़ी है वो बेहद महत्वपूर्ण है। देश का उज्ज्वल भविष्य कांग्रेस के हाथों में ही संभव है। सदस्यता ग्रहण करने वाले प्रमुख लोगों में लोकप्रिय समता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष धीरेन्द्र कुमार उर्फ धीरू शर्मा के साथ रमशा खां, नाहिद खां, दिनेश शर्मा, अजय शर्मा, मुकुल शर्मा सहित हजारों की संख्या में कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। वहीं त्रिलोकी कुमार मांझी के साथ चंदन राज, मनोज कुमार राम सहित हजारों की संख्या में उनके समर्थक आज कांग्रेस पार्टी की२ सदस्यता ग्रहण की।

बिहार को मोदी सरकार की बड़ी सौगातें विकास की रफ्तार को मिली नई दिशा : दिलीप

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोलें- सरकार में बिहार को मिला विकास का विश्वास

प्रात:किरण संवाददाता

पटना। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि यदि सरकार में इरादा साफ हो और नेतृत्व मजबूत हो तो कोई भी राज्य विकास की दौड़ में पीछे नहीं रह सकता। बिहार को इस बार जो सौगातें मिली हैं, वे राज्य के समग्र विकास को नए पंख देंगी। उन्होंने कहा कि बिजली के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम। 1500 मेगावाट क्षमता वाला नया थर्मल पावर प्लांट, जिससे बिहार को स्थायी बिजली आपूर्ति मिलेगी और औद्योगिक विकास को मजबूती मिलेगी। सड़क और एक्सप्रेसवे परियोजनाएं: नई सड़कें और एक्सप्रेसवे राज्य को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएंगे। इससे व्यापार, पर्यटन और कृषि क्षेत्रों को लाभ होगा।

रेलवे को नई रफ्तार:बिहार में रेलवे नेटवर्क के विस्तार से लोगों की यात्रा सुविधाजनक होगी और नई संभावनाएं पैदा होंगी। डॉ. जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने राज्य में शिक्षा को प्राथमिकता दी है। नई यूनिवर्सिटियाँ, डिजिटल शिक्षा और तकनीकी संस्थान युवाओं के लिए सुनहरा अवसर हैं। कहा कि पटना से ही प्रधानमंत्री ने बिहार को नई एयरपोर्ट परियोजनाएं दीं, जिससे राज्य की कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई मिलेगी। डॉ. दिलीप जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ने आज बिहार के एक युवा क्रिकेटर से मुलाकात की, जिससे यह संदेश गया कि सरकार सिर्फ नीतियों में नहीं, बल्कि व्यक्तिगत रूप से भी युवाओं के सपनों को पहचानती और समर्थन करती है। राजद-कांग्रेस पर हमला बोलते हुए डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि राजद और कांग्रेस की सरकारों ने बिहार को क्या दिया था, यह जनता भूली नहीं है। उन्होंने कहा कि आज गरीब को मुफ्त राशन, हर घर को बिजली, हर गाँव को सड़क और हर युवा को अवसर मिल रहा है यह सिर्फ मोदी के नेतृत्व में संभव हुआ है।

पीएम ने स्वास्थ्य की बदहाली, नौकरी व रोजगार पर कुछ नहीं बोला : तेजस्वी

कहा- बेलगाम अपराध व शिक्षा की बदहाली पर भी चुप रहे प्रधानमंत्री

प्रात:किरण संवाददाता

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी के दो दिवसीय बिहार दौरे में राज्य के मुद्दों पर चुप्पी साधे रखने का आरोप त्लगाया है। उन्होंने इसे लेकर बिहार के जुड़े 11 बिन्दुओं को गिनाकर पीएम मोदी और एनडीए को घेरा है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी से तीखे सवाल किए हैं। उन्होंने कहा, बिहार में 20 वर्षों की एनडीए सरकार द्वारा दिया हुआ रिकॉर्डतोड़ बेरोजगारी, गरीबी और पलायन है। नीति आयोग के अनुसार शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग क्षेत्र में बिहार सबसे फिसड्डी है। विधि व्यवस्था सबसे बदतर है। बिहार की प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति निवेश देश में सबसे कम है। विकास और प्रगति के अधिकांश मानकों में देश में बिहार सबसे नीचे है लेकिन बिहार की 20 वर्षों की ठऊअ सरकार और 11 वर्षों की केंद्र सरकार जनहित के इन ज्वलंत मुद्दों पर कभी चर्चा ही नहीं करती एयर ना ही करना चाहती है। प्रधानमंत्री केवल चुनावी वर्ष में बिहार का दौरा कर 2015 से चलती आ रही परियोजनाओं एवं घोषणाओं का अनेकों बार शिलान्यास और उद्घाटन कर उसी को बारंबार दोहराते रहते है। 2015 से यही सिलसिला चलता आ रहा है। प्रधानमंत्री, यह बिहार है, बिहारी इस तरह के झाँसे में नहीं आते! वो अच्छे से जानते है कि कौन कितना झूठ बोल रहा है? उन्होंने एक पोस्टर भी जारी किया है। आगे उन्होंने 11 बिंदुओं में लिखा है - सीएम के स्वास्थ्य पर, नौकरी व रोजगार पर, स्वास्थ्य की बदहाली पर, बेलगाम अपराध पर, शिक्षा की बदहाली पर, विशेष राज्य का दर्जा पर, व्यापारियों की सुरक्षा पर, उद्योग धंधे न होने पर, नए निवेश की कमी पर, पलायन पर, गरीबी पर. यानी इन तमाम मुद्दों पर पीएम मोदी ने कुछ नहीं बोला।

पलायन, नौकरी व रोजगार पर बात नहीं करते पीएम : महागठबंधन

नेताओं ने कहा- 65 प्रतिशत आरक्षण व्यवस्था को नौवीं अनुसूची में शामिल करने की बात नहीं की

प्रात:किरण संवाददाता

पटना। इंडिया महागठबंधन के नेताओं ने शुक्रवार को संयुक्त रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिहार दौरे को लेकर हमला बोला है। राजद कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता प्रो मनोज कुमार झा ने कहा कि प्रधानमंत्री दो दिवसीय दौरे पर बिहार आये लेकिन तेरे आने और जाने में बिहार के लोगों का फासला दिखा। कल पटना में रोड तो अच्छा नजर आ रहा था लेकिन शो कहीं नहीं दिखा। कल महागठबंधन के द्वारा कुछ सवाल प्रधानमंत्री से किये गये थे लेकिन उन्होंने न तो बिहार में रोजगार की बात की न तरक्की और विकास की और न ही बिहार में लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति पर बात की। जो बातें नरेन्द्र मोदी जी ने कही वो हकीकत से कहीं मेल नहीं खाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 65 प्रतिशत आरक्षण व्यवस्था को नौवीं अनुसूची में शामिल करने की बात नहीं की जबकि आरक्षण में 16 प्रतिशत हकमारी की जा रही है। आगे कहा कि भ्रष्टाचार पर सवाल खड़ा करने वाले प्रधानमंत्री ने ये नहीं बताया कि बिहार में डबल इंजन सरकार के किस पदाधिकारी पर ईडी ने छापेमारी की और उन पर चार्जशीट क्यों किया गया, उसे बताना चाहिए था। भाकपा माले के कॉमरेड के. डी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री से लगातार पटना विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा देने की बात कही जा रही है लेकिन उसे अनसुना करते रहे हैं। सीपीआईएम के केन्द्रीय कमिटी के सदस्य कॉमरेड अवधेश कुमार ने कहा कि बिहार की जनता उनके इस तरह के उबाउ और जुमलेबाजी की बातों से उब चुके हैं। वीआईपी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री वी.के सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री बताएं कि बिहार में श्रमिकों के लिए ट्रेन तो देते हैं लेकिन पलायन रोकने के लिए नौकरी और रोजगार पर कोई बात नहीं करते हैं। सीपीआई के सचिव मंडल के सदस्य निवेदिता झा ने कहा कि जिस दुख से पूरा देश दुखी है उसमें भी आप राजनीति कर रहे हैं। आप किस तरह की बातों को राजनीति के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं ये पूरा देश देख रहा है। प्रदेश राजद के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री बिहार में बढ़ते अपराध और कट्टा राज पर एक शब्द नहीं कहें जबकि बिहार के लोग बढ़ते अपराध और अत्याचार की घटनाओं से अजीज आ चुके हैं। इस अवसर पर पूर्व मंत्री आलोक कुमार मेहता, राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रो नवल किशोर यादव, उत्पल वल्लभ, प्रदेश राजद के प्रवक्ता एजाज अहमद, डॉ उर्मिला ठाकुर, अरूण कुमार यादव, प्रमोद कुमार सिन्हा और वीआईपी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता देव ज्योति, सीपीआईएम के पूर्व केन्द्रीय कमिटी सदस्य अरूण कुमार मिश्रा सहित अन्य गणमान्य नेतागण उपस्थित थे।

राजद के सांगठनिक चुनाव का पहला चरण पूरा : गगन

●दूसरे चरण में प्रखंड कमिटियों और तीसरे चरण में जिला कमिटियों का चुनाव

प्रात:किरण संवाददाता

पटना। प्राथमिक ईकाई और पंचायत ईकाई के चुनाव सम्पन्न होने के साथ हीं राजद के सांगठनिक चुनाव का पहला चरण पूरा हो गया है। 31 मई से शुरू हो रहे दूसरे चरण में प्रखंड कमिटियों का चुनाव होगा जबकि 5 जून से शुरू होने वाले तीसरे चरण में जिला कमिटियों का चुनाव होगा। 14 जून से प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी जबकि राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 24 जून को राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों की सूची के अन्तिम प्रकाशन के बाद शुरू होगी और 5 जुलाई को राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा। उक्त जानकारी देते हुए राजद के राष्ट्रीय सहायक निर्वाचन पदाधिकारी चित्तरंजन गगन ने बताया कि बिहार और झारखंड सहित अन्य सभी राज्यों में पार्टी के प्राथमिक (बूथ) और पंचायत ईकाइयों का चुनाव सम्पन्न हो चुका है। राष्ट्रीय निर्वाचन पदाधिकारी डॉ रामचन्द्र पूर्वे के अनुमोदन के पश्चात आज सभी राज्यों में प्रखंड डेलीगेटों की अन्तिम सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। बिहार के राज्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ तनवीर हसन, सहायक राज्य निर्वाचन पदाधिकारी ई. अशोक यादव, देव किशुन ठाकुर एवं सारिका पासवान एवं झारखंड के राज्य निर्वाचन पदाधिकारी गिरिधारी यादव, सहायक राज्य निर्वाचन पदाधिकारी मो कयामुद्दीन सहीत अन्य राज्यों के राज्य निर्वाचन पदाधिकारीयों द्वारा अपने-अपने राज्यों में प्रखंड डेलीगेटों की सूची आज जारी कर दी गई है। प्रखंड डेलिगेट हीं प्रखंड ईकाइयों और जिला परिषद के सदस्यों का चुनाव करते हैं। श्री गगन ने दावा किया कि राजद हीं एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसका सांगठनिक चुनाव पार्टी संविधान के अनुसार पुरे पारदर्शिता के साथ लोकतांत्रिक तरीके से कराया जाता है।

पूर्व प्रत्याशी राधाकान्त गुप्ता, बबीता देवी दास सहित कई राजद में हुए शामिल

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय के कपूरी सभागार में शुक्रवार को मिलन समारोह प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर भाजपा नेता, शिवहर विधान सभा के पूर्व प्रत्याशी राधाकान्त गुप्ता, राजापाकड़ विधान सभा की पूर्व प्रत्याशी बबीता देवी दास, धर्मदेव राम अपने सैंकड़ों समर्थकों के साथ राष्ट्रीय जनता दल की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर विधान पार्षद फारूक शेख, विनोद जायसवाल, प्रदेश प्रवक्ता सह विधान पार्षद डॉ उर्मिला ठाकुर, एजाज अहमद, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द कुमार सहनी, प्रदेश महासचिव प्रमोद कुमार राम, डॉ प्रेम कुमार गुप्ता, प्रदीप मेहता उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू, विधान पार्षद फारूक शेख, विनोद जायसवाल, डॉ उर्मिला ठाकुर, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द कुमार सहनी, प्रदेश महासचिव प्रमोद कुमार राम, डॉ प्रेम कुमार गुप्ता, प्रदीप मेहता ने शामिल होने वाले नेताओं को राजद की सदस्यता रसीद के साथ प्रतीक चिन्ह गमछा, फूलों की माला और लालू जी के जीवनी पर लिखित पुस्तक गोपालगंज टू रायसीना देकर सम्मानित किया।

सरकारी व्यवस्था पर भीड़ बुलाने की कवायद फेल हो गई: राजेश

प्रात:किरण संवाददाता

पटना। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो दिवसीय दौरे को फेल पॉलिटिकल टूर करार दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि आधे अधूरे कार्यों का उद्घाटन करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ही योजना का पांच से छह बार घोषणा करते हैं और दो तीन बार शिलान्यास करके बिहार से चले जाते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि पटना की सड़कों पर रोड शो करने से पहले पटना की सड़कों पर तिरंगे लगाएं गए लेकिन वो तिरंगे कहीं जदयू के झंडे के नीचे लगे मिले तो कहीं नालियों के ऊपर जो राष्ट्रीय ध्वज का अपमान है। एयरपोर्ट के पास पेड़ों को काट दिया गया तो वहीं टूटी फुटपाथ को रंग रोगन से ठोस दिखाने का प्रयास किया गया। सड़कों पर जिस तरीके से सेना के शौर्य को कम करके प्रधानमंत्री ने केवल अपनी तस्वीरें लगवाई वो बताने के लिए काफी है कि उन्होंने सेना का भी अपमान किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि बिहार आगमन से पूर्व मैंने स्वयं संवाददाता सम्मेलन करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पांच सवाल किए थे लेकिन उन सवालों का जवाब भी अनुत्तरित रह गया और महागठबंधन के सवालों का भी वें जवाब नहीं दिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शाहाबाद में जिस विक्रमगंज में सभा स्थल का चयन किया था वो बाबू कुंवर सिंह की भूमि है और वहां वें सेना का मनोबल तोड़ने वाले अपने कृत्य अमेरिकी दबाव में किए गए सीजफायर पर कोई बयान नहीं दिया। कम से कम अमेरिकी राष्ट्रपति के आठ बार मध्यस्थता वाले बयान का ही विरोध कर देते लेकिन वें वो भी नहीं कर सकें। शाहाबाद से इनका सूपड़ा साफ हो चुका है इसलिए हताश निराश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी अंतिम कोशिश किए जो कि फेल रहा और सरकारी व्यवस्था पर भीड़ बुलाने की उनकी कवायद भी फेल हो गई।

बिहार कैंसर केयर एवं रिसर्च सोसाइटी की स्थापना से होगा गरीबों का बेहतर इलाज : मंत्री

राज्य के 09 प्रमंडलों में कैंसर के ईलाज की सुविधाओं को व्यापक रूप से सुदृढ़ किया जाएगा

प्रात:किरण संवाददाता

पटना। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग के सभागार में बिहार सरकार एवं होमी भाभा कैंसर संस्थान, मुजफ्फरपुर के संयुक्त तत्वाधान में राज्यान्तर्गत कैंसर केयर की सकारात्मक एवं महत्वपूर्ण पहलुओं पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। श्री पांडेय ने बताया कि राज्य के सभी 38 जिलों में कैंसर स्क्रिनिंग कार्यक्रम, 17 जिलों में डे-केयर कीमोथेरेपी कार्यक्रम, 23 जिलों में पैलियेटिव केयर कार्यक्रम, मुफ्त कैंसर की दवाएं जिला अस्पतालों में निरन्तर निर्वाध रूप से वितरित किए जा रहे हैं। श्री पांडेय ने कहा कि 09 से 14 वर्ष की बच्चियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु एच.पी.भी. मुफ्त टीकाकरण जारी है। राज्य में 100 शैय्या का पैलियेटिव केयर अस्पताल की स्थापना हो रही है। स्वास्थ्य विभाग ने इन सकारात्मक प्रयासों को देखते हुए कैंसर प्रीवेंषन एवं कन्ट्रोल को ध्यान में रखते हुए कैंसर केयर एण्ड रिसर्च सोसाइटी का निबंधन करने जा रही है। जो मुख्यतः छः प्रक्षेत्रों में कार्य करेगा। जिनमें कैंसर की रोकथाम तथा जल्दी पता करना, कैंसर जांच, कैंसर उपचार (कीमोथेरेपी, सर्जरी, रेडियोथेरेपी), उपशामक देखभाल सेवाएँ, अनुसंधान एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ एवं कैंसर आधारभूत संरचना का होना प्रमुख है। श्री पांडेय ने बताया कि स्वास्थ्य भवन, षेखपुरा, पटना में बिहार कैंसर केयर एण्ड रिसर्च सोसाइटी का कार्यालय होगा। श्री पांडेय ने 31 मई को आयोजित होने वाले वर्ल्ड नो टोबैको डे हेतू तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में गुणात्मक बढ़ोतरी का आह्वान किया ताकि बिहार में मुंह एवं गले के कैंसर के स्तर को और भी कम किया जा सके।

उन्होंने बतायाकि बिहार कैंसर केयर एण्ड रिसर्च सोसाइटी भी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। राज्य में कैंसर पीड़ितों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने हेतु बेगूसराय तथा नवादा जिलान्तर्गत कैंसर अस्पताल की स्थापना की जाएगी। आगामी 03-05 वर्षों के अन्दर कैंसर के बेहतर ईलाज हेतू बिहार के कुल 09 प्रमंडलों में कैंसर के ईलाज की सुविधाओं को व्यापक रूप से सुदृढ़ किया जाएगा। जिससे आगामी दिनों में बिहार के मरीजों को ईलाज हेतू आगामी दिनों में बिहारवासियों को ईलाज हेतू बिहार से बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे बिहार के स्वास्थ्य प्रक्षेत्र में गुणात्मक एवं सकारात्मक वृद्धि होगी। उक्त बैठक में प्रत्यय अमृत, अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य विभाग; मनोज कुमार सिंह, सचिव, स्वास्थ्य विभाग; धर्मेन्द्र कुमार, प्रबंधन निदेशक, बीएमएसआईसीएल; सुहर्ष भगत, कार्यपालक निदेशक, राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार; शशांक शेखर सिन्हा, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति; अमिताभ सिंह, संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य विभाग; शैलेश कुमार, विशेष सचिव, स्वास्थ्य विभाग तथा डा रविकान्त सिंह, प्रभारी, होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं रिसर्च सेन्टर, मुजफ्फरपुर उपस्थित थे।

राहुल गांधी के सामाजिक न्याय पर आधारित रहा पीएम का भाषण : स्नेहाशीष

पटना/बक्सर। बिहार कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता डॉ स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय ने प्रेस बयान जारी करके कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विक्रमगंज में दिए भाषण की स्क्रिप्ट देश के विपक्ष के नेता राहुल गांधी के सामाजिक न्याय के संघर्ष से प्रभावित रहा। उन्होंने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी के लगातार प्रयासों का ही देन है कि अब भाजपा भी सामाजिक न्याय की बात करने को मजबूर हो गई है। पीएम मोदी का दो दिवसीय दौरा फेल रहा। आधी अधूरी योजनाओं का उद्घाटन करके उन्होंने केवल चुनावी माइलेज लेने का काम किया। जबकि एक भी कार्य 20 प्रतिशत भी पूरा नहीं हुआ है। साथ ही बिहार कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय ने कहा कि पटना में राष्ट्रीय ध्वज का भाजपा और जदयू ने अपमान करके दिखा दिया कि उनके मन में भारतीय राष्ट्रीय प्रतीक के लिए कोई सम्मान नहीं है। बिक्रमगंज वीरों की भूमि है ।

जन शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर त्वरित निष्पादन करें अधिकारी : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के द्वारा शुक्रवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता के दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम में जिले के सुदूर क्षेत्रों से आए हुए परिवादियों से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया गौरतलब हो कि प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार को जनता दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम के आयोजन के मौके पर जिलाधिकारी सभी परिवादियों से मुलाकात करते हैं और उनकी शिकायतो के निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी देते हैं. इस परिप्रेक्ष्य में शुक्रवार, 30 मई 2025 को कुल 69 परिवादी अपनी शिकायतों के साथ जिलाधिकारी से मिले पंचायत-लखनौर पश्चिमी ,जिला मधुबनी निवासी जगदीश कुमार (मुखीया) के द्वारा ग्राम पंचायत लखनौर पश्चिमी के वार्ड-04 में समुदायिक भवण को अतिक्रमण मुक्त कराने से संबंधित आवेदन दिया। मधुबनी जिला निवासी सुधीरा देवी नगर निगम मधुबनी के विस्तारित वार्ड संख्या-01 कलाग्राम जितवारपुर मधुबनी को निगम के अधिकारियों द्वारा विकास कार्य से अनदेखा करने से संबंधित जानकारी सह आवश्यक कार्रवाई करने हेतु अनुरोध किया।प्रखण्ड बेनीपट्टी, ग्राम-नवकरही, के आशीष कुमार झा के द्वारा वार्ड संख्या-10 में हाल ही में निर्मित सड़क की गुणवत्ता जाँच एवं मरम्मत हेतु आवेदन दिया।मधुबनी जिला निवासी मुन्नी कुमारी के द्वारा आग लगी से परिवार के चार लोगों की मृत्यु के मुआवजा दिलाने से संबंधित आवेदन दिया। ग्राम चैनपुर (पासवान टोला), वार्ड न0-37/12, थाना-मधुबनी, प्रखण्ड रहिका के मुकेश कुमार पासवान अनुरक्षक नल-जल के द्वारा सरकारी जमीन पर लगी नल जल योजना वर्ष-2019-20 की टंकी की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने से संबंधित शिकायत किया।जिलाधिकारी द्वारा आए हुए सभी परिवादियों से बारी-बारी से शिकायतें सुनी गई और उनके परिवाद के निवारण हेतु संबधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए.जिलाधिकारी ने कई प्राप्त शिकायतों के आलोक में संबंधित पदाधिकारियों को फोन कर जन शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया।-उक्त अवसर पर डीडीसी दिपेश कुमार एवं अपर समाहर्ता राजेश कुमार उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

अधिकारियों ने किया बकरी पालक प्रोड्यूसर कंपनी का निरीक्षण

मुजफ्फरपुर।भारत फाइनेंस इंडसइंड बैंक के सीएस आर प्रोजेक्ट के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ प्रेमनाथ सिंह, स्टेट टैक्निकल मैनेजर खिरोद चंद्र नायक,जीविका से पशुधन प्रबंधक गुंजन कुमार,मत्स्य विशेषज्ञ प्रियेश तिवारी के द्वारा मेघा महिला बकरी पालक प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड का भ्रमण किया और कंपनी के क्रियाकलाप की जानकारी ली।अभी तक कंपनी से 4400 स्टेक होल्डर्स बकरी पालक जुड़ चुके हैं।मुजफ्फरपुर में कुल 700 पशु सखी कार्यरत हैं,जो एक लाख बीस हजार बकरी पालक को अपनी सेवाएं दे रही हैं।कंपनी का टर्न ओवर अप्रैल 2025 तक का 2.6 करोड़ का है,जिसमें शुद्ध लाभ 21 लाख का हुआ है।कंपनी का अगले वित्तीय वर्ष का लक्ष्य 5 करोड़ टर्न ओवर का है एवं शुद्ध लाभ 50 लाख का है।पशु सखी एवं कंपनी के क्रियाकलाप को देख कर टीम के द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई।कंपनी के भ्रमण के उपरांत टीम के द्वारा बोचहा प्रखंड के जगाही गांव में पशु सखी एवं बकरी पालक दीदी के साथ बैठक कर उनके सामाजिक एवं आर्थिक बदलाव के बारे में भी जानकारी प्राप्त की गई।

विधायक ने कॉलेज की समस्याओं को लेकर अलग अलग स्मार पत्र शिक्षा विभाग एवं कुलपति को भेजा

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड अंतर्गत नरहन में संचालित डीबीकेएन कॉलेज में विषयों को लेकर उत्पन्न हो रही समस्याओं को लेकर स्थानीय विधायक अजय कुमार ने शिक्षा विभाग के निदेशक,अपर मुख्य सचिव, मंत्री,एलएनएमयू के कुलपति, कुलसचिव के नाम अलग-अलग स्मार पत्र भेजकर समस्या निराकरण की मांग किया है।स्मार पत्र के माध्यम से बताया गया कि है कि डीबीकेएन कॉलेज नरहन में उर्दू, गृह विज्ञान, संगीत, अकाउंट एंड फाइनेंस, मार्केटिंग आदि विषयों के शिक्षकों के बहाली के अभाव में नामांकन कार्य बंद है जिसके कारण छात्रों को अपने मानोअनुकूल विषयों की उच्च शिक्षा की प्राप्ति नहीं हो पाती है।विधायक ने स्मार पत्र के माध्यम से संबंधित विभाग को अवगत कराते हुए अभिलंब उपयुक्त विषयों में नामांकन करने का आदेश देने की मांग किया है।विधायक की इस मांग पर भारत का छात्र फेडरेशन विभूतिपुर अंचल कमिटी और भारत की जनवादी नौजवान सभा अंचल कमिटी सहित छात्र युवा नेता प्रिंस कुमार,बबलू कुमार, संजय कुमार, कृष्णमूर्ति,पप्पू कुमार राउत, विजय कुमार, छोटन सहनी, अर्जुन कुमार दास,अंजनी भूषण, ललन सुमन,अजय कुमार,अवधेश कुमार, मारुति नंदन, शीलवन्त कुमार आदि ने धन्यवाद दिया है।

विभिन्न गांव में हुई मारपीट में चार जख्मी

कल्याणपुर समस्तीपुर विभिन्न गांव में आपसी विवाद प्रखंड क्षेत्र में विभिन्न गांवों में आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में चार लोग जख्मी हो गए। जख्मियों को परिजनों के सहयोग से सामुदायिक अस्पताल कल्याणपुर में ईलाज के लिए भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सक ने जख्मियों की पहचान हरिहरपुर गांव के 55 वर्षीय लालचंद सहनी के पुत्र गुलाब सहनी, लदौरा गांव के मोहम्मद वकील के पुत्र अवीव पत्नी जेड़ खातून व कल्याणपुर प्रवीण कुमार को बेहतर ईलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया। जानकारी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर हैदर ने दी। वहीं थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि जख्मी के परिजन द्वारा आवेदन मिलने पर आगे कार्रवाई किया जाएगा।

हत्या के मामले में एक दोषी करार,3 जून को सजा की सुनवाई

दरभंगा।प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संतोष कुमार पांडे की अदालत ने हत्या के एक मामले में नगर थाना क्षेत्र के मिश्रा टोला निवासी अरुण राय के पुत्र विपिन राय को दोषी पाया है। अदालत ने सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए 3 जून की तिथि निर्धारित की है। मामले में अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक विष्णु कांत चौधरी ने बहस किया। अपर लोक अभियोजक श्री चौधरी के अनुसार इस मामले के संबंध में मृतक सुनील कुमार राय के पिता मिश्रटोला नागमन्दिर निवासी राम प्रकाश राय ने डीएमसीएच में बेंता पुलिस पदाधिकारी के समक्ष 30 दिसंबर 2018 को बयान देकर आरोप लगाया था कि उसका बेटा सुनील कुमार राय बाजार समिति में काम करता था और सूचक नाग मंदिर के निकट चाय की दुकान चलाता था। घटना के दिन 9 बजे रात में मृतक सुनील कुमार रॉय उसके दुकान पर आया और बैठ गया।

मोतियाबिंद का गलत आपरेशन करने पर आई हास्पिटल को 5 लाख जुमार्ना, जिला उपभोक्ता आयोग का ऐतिहासिक फैसला

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिला उपभोक्ता आयोग ने मुजफ्फरपुर आई हॉस्पिटल के विरुद्ध कड़ा एक्शन लिया है। मामला सारण जिले के पहलेजाघाट थाना क्षेत्र के खरिका गाँव निवासी नीला देवी का है। नीला देवी ने 14 नवंबर 2017 को उत्तर बिहार के चर्चित मुजफ्फरपुर आई हॉस्पिटल में अपनी दाहिनी आँख के मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराई थी। ऑपरेशन के मद में हॉस्पिटल द्वारा पीड़िता से कुल सात सौ रुपए का शुल्क लिया गया था। ऑपरेशन के पश्चात पीड़िता की हालत दिन -प्रतिदिन बिगड़ती चली गई, लेकिन आई हॉस्पिटल के द्वारा पीड़िता का उचित उपचार नहीं किया गया। फलतः पीड़िता की दाहिनी आँख सदा के लिए चली गई। थक-हारकर पीड़िता, मानवाधिकार मामलों के अधिवक्ता एस.के.झा से मिल कर सारी बातें बताई। उसके बाद पीड़िता ने अधिवक्ता एस.के.झा के माध्यम से 31 मार्च 2022 को जिला उपभोक्ता आयोग ,मुजफ्फरपुर में परिवाद दर्ज कराया। जिसमें आई हॉस्पिटल के आध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव,संयुक्त सचिव ,डॉ. प्रवीण कुमार,एवं ओटी असिस्टेंट कुल 6 पक्षकार बनाये गये।इन सभी के विरुद्ध आयोग के समक्ष सुनवाई शुरू हुई। सुनवाई के पश्चात आयोग ने इस बात को माना कि आई हॉस्पिटल द्वारा उपभोक्ता को सकारात्मक सेवा प्रदान नहीं की गई है, जो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के विरुद्ध है। हॉस्पिटल द्वारा पीड़िता की आंख का आपरेशन त्रुटिपूर्ण तरीके से किया गया। आयोग के आदेश पर सिविल सर्जन मुजफ्फरपुर द्वारा चिकित्सकों की टीम बनाकर भी जाँच कराई गई, जिसमें यह पाया गया की पीड़िता की दाईं आँख की रौशनी सदा के लिए समाप्त हो चुकी है। सुनवाई के पश्चात जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष पियूष कमल दीक्षित एवं सदस्य सुनील कुमार तिवारी की पीठ द्वारा आदेश दिया गया कि आई हॉस्पिटल पीड़िता को उसके शेष बचे जीवन व भरण-पोषण के लिए पाँच लाख रुपये 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से 45 दिनों के अंदर देना सुनिश्चित करें तथा 10,000 रुपये वाद खर्च भी अदा करें। अगर 45 दिनों के अंदर आयोग द्वारा पारित निर्णय का अनुपालन नहीं किया जाता है, तो आई हॉस्पिटल को कुल 5 लाख 10 हजार रुपये का भुगतान 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ अदा करना होगा। यह पूरी राशि पीड़िता नीला देवी को प्राप्त होगी। आयोग द्वारा यह निर्णय 13 मई 2025 को पारित किया गया, जिसकी सत्यापित प्रति 29 मई 2025 को पीड़िता को प्राप्त हुई। विदित हो कि आई हॉस्पिटल ने इस मुकदमे में वकीलों की फौज खड़ी कर दी थी, लेकिन मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के.झा अकेले ही सभी पर भारी पड़े। मामले के सम्बन्ध में मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के.झा ने बताया कि यह पूरा मामला उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के सेवा में कमी की कोटि का मामला था, जिसे आयोग द्वारा काफी गंभीरता पूर्वक अवलोकन किया गया। आयोग द्वारा पारित निर्णय से हम संतुष्ट हैं, यह जीत कानून में आस्था और विश्वास रखने वाले सभी लोगों की जीत है।

स्वर्ण व्यवसायी की संदिग्ध मौत, पानी में उपलाता मिला शव, हत्या या आत्महत्या, पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर थाना क्षेत्र के दाहुचौक से पूरब आलमपुर में मां काली चिमनी परिसर स्थित मां काली मंदिर के निचे बनें तालाब में संदिग्ध अवस्था में स्वर्ण व्यवसायी की लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान कल्याणपुर उत्तर पंचायत के वार्ड 12 निवासी मां काली चिमनी के मालिक अमरेन्द्र ठाकुर के 35 वर्षीय पुत्र स्वर्ण व्यवसायी अविनाश कुमार के रूप में की गई है।घटना गुरुवार रात्रि की बतायी जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार अविनाश दलसिंहसराय अशोक विहार में डेरा लेकर रहता था। दलसिंहसराय में ही थाना के सामने मां काली नामक ज्वेलर्स का दुकान चलाता था। इधर कुछ दिनों से अपने चिमनी स्थित मां काली मंदिर में पूजा करने आते थे। गुरुवार की संध्या भी वह पूजा करने आया था। रात्रि के करीब 11 बजे उसकी लाश मंदिर के निचे पोखर से मिला। वहीं घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं इस संबंध में थाना अध्यक्ष आनंद कुमार कश्यप ने बताया कि प्रथम दृष्टया आत्महत्या प्रतीत होता है। फिलहाल अनुसंधान जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही खुलासा हो पाएगा। बता दें कि मृतक भाई में भी अकेला था। मृतक की पत्नी सुजाता कुमारी शिक्षिका है। उनकी एक पुत्री आयुषी 4 वर्ष व एक पुत्र एक वर्ष का है। वही अविनाश की मौत के की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो रहा था। गांव में मातमी सन्नाटा छाया हुआ है।

ट्रैफिक नियमो का उल्लंघन करने वालों पर होगी कठोर कार्रवाई: जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।सड़क दुर्घटना को रोकने तथा ट्रैफिक नियमों के अनुरूप वाहनों का सुगम, सुरक्षित एवं सुचारू परिचालन सुनिश्चित करने हेतु जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक समाहरणालय सभागार में की तथा आवश्यक निर्णय लिया। मधौल से पहाड़पुर तक जानेवाला नया बाईपास ,एनएच77 पर दुर्घटनाओं को रोकने तथा वाहनों का सुरक्षित गमनागमन हेतु जिलाधिकारी ने अनुमंडल पदाधिकारी पूर्वी एवं पश्चिमी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पूर्वी एवं पश्चिमी, पुलिस उपाधीक्षक यातायात को बाईपास का भ्रमण कर सर्वे करने तथा स्थलों को चिन्हित कर अपेक्षित सुरक्षात्मक उपायों को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। नया बाईपास पर अपराध एवं दुर्घटना को नियंत्रित करने हेतु एक पुलिस आउटपोस्ट बनाने के प्रस्ताव पर विचार किया गया। इसके लिए नियमानुसार उपयुक्त स्थल चिह्नित कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश यातायात डीएसपी को दिया गया।जिलाधिकारी ने ट्रैफिक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित कराने हेतु पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा सतत एवं प्रभावी रूप से सघन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन करनेवालों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत कठोर कार्रवाई करने तथा जुमार्ना कर राशि की वसूली करने का सख्त निर्देश दिया है। तदनुसार पुलिस विभाग द्वारा अप्रैल माह में 3,6224539(तीन करोड़ बासठ लाख) के जुमार्ना राशि की वसूली की गई है।इसके अतिरिक्त परिवहन विभाग द्वारा 449 वाहनों से 12 लाख 90 हजार 500 रुपए के जुमार्ना राशि की वसूली की गई। जिलाधिकारी ने सघन जांच अभियान जारी रखने का निर्देश दिया है। हिट एंड रन मामले में पीड़ितों को ससमय अनुग्रह अनुदान का भुगतान हो। इसके लिए जिलाधिकारी ने थाना स्तर से आवेदन ससमय परिवहन कार्यालय उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।श्रावणी मेला को देखते हुए सकरी चौक तथा संगम घाट पर हाई मास्ट लाइट लगाने हेतु अपेक्षित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जुरन छपरा में जिला परिषद की जमीन को पार्किंग के रूप में विकसित करने का निर्णय समिति द्वारा लिया गया। इसके लिए अनुमंडल पदाधिकारी पूर्वी एवं उपाधीक्षक यातायात को स्थल का निरीक्षण कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।एनएच एवं एसएच पर ब्लैकस्पाट को चिह्नित करने तथा उपयुक्त स्थल पर साइनेज एवं लाइट लगाने का निर्देश दिया गया।जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा हेतु एहतियाती उपायों एवं ट्रैफिक नियमों के बारे में आम लोगों के बीच जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने महत्वपूर्ण सुगोचर स्थलों पर होर्डिंग लगाने तथा आम लोगों को जानकारी देने का निर्देश दिया। साथ ही आडियो वीडियो युक्त जागरूकता रथ प्रखंडवार चलाने का निर्देश दिया ताकि अधिकाधिक लोगों को सड़क सुरक्षा संबंधी तथ्यों से अवगत कराया जा सके।

झौआ बहियार स्वरोजगार करने हेतु कुटिर उद्योग लगाने की मांग महिलाओं ने की

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। मुंगेर जिले में चल रहे महिला संवाद कार्यक्रम से जीविका दीदियों में एक नई उर्जा का संचार हुआ है और इसमें महिलाएं बढ़चढ़ कर हिस्सा ले रहीं हैं और ग्रामीण क्षेत्र में विकास को लेकर नई तस्वीर खींच रहीं हैं। बरियारपुर प्रखंड के झौआ बहियार पंचायत के भारतीय जीविका महिला ग्राम संगठन के द्वारा महिला संवाद कार्यक्रम किया गया। क्षेत्रिय समन्वयक अमित कुमार द्वारा सभी जीविका दीदीयों को महिला संवाद के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी गई। आकांक्षा एवं मुद्दों के सत्र में गीता देवी द्वारा झौआ बहियार में स्वरोजगार करने हेतु कुटीर उद्योग लगाने की मांग की गई। नीलकमल समूह की सदस्य कंचन देवी ने पंचायत में एक लाइब्रेरी खोलने की मांग की। मनीषा देवी ने जैविक खेती करने के लिए सभी जीविका दीदीयों को सरकार द्वारा प्रशिक्षण दिए जाने की मांग की। पशु अस्पताल और सामुदायिक शौचालय की भी मांग की गई। धरहरा प्रखंड के इटवा पंचायत में अंबेडकर जीविका महिला ग्राम संगठन के क्षेत्र में महिला संवाद कार्यक्रम किया गया। संचालन सामुदायिक समन्वयक चन्दन कुमार ने किया। सुनीता देवी ने कहा कि इटवा पंचायत में सभी वार्ड के लिए स्वरोजगार की व्यवस्था करने के लिए सरकार से मांग की। सिंकी देवी द्वारा जन वितरण प्रणाली से उचित गुणवत्तायुक्त राशन की मांग की गयी। बबली देवी द्वारा इटवा पंचायत में रेड क्रॉस अस्पताल में लगातार चिकित्सक की उपस्थिति की मांग की गयी। संग्रामपुर प्रखंड के खम्हार में शांति जीविका महिला ग्राम संगठन के क्षेत्र में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 161 दीदियों ने भाग लिया। संचालन सामुदायिक समन्वयक अमित राज के द्वारा किया गया। कौशल्या दीदी ने बताया कि वो पहले अपने पुराने टूटे हुए घर में रहने को मजबूर थी, फिर उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला जिससे वो अपना घर बना कर रह रहीं हैं। रूना दीदी ने बताया कि सतत जीविकोपार्जन योजना में चयन होने से आज वो अपने परिवार के साथ अच्छे से जीवन यापन कर रहीं हैं। आकांक्षा एवं मुद्दा के सत्र में रीना दीदी, आरती दीदी, रेखा दीदी द्वारा ग्राम संगठन भवन की मांग की गई। कौशल्या दीदी, रुना देवी और गौरी दीदी एवं उपस्थित सभी दीदियों द्वारा वार्ड संख्या पांच, छह एवं सात में नाले की व्यवस्था, हर घर नल का जल की व्यवस्था की मांग की गई।

अध्यक्ष को बूथ सशक्तिकरण पर विशेष जोर देना होगा : डॉ मुरारी मोहन

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।ननौरा पंचायत के दुर्गा मंदिर परिसर में शुक्रवार को भाजपा कार्यसमिति की बैठक आयोजित कि गई । बैठक में संगठन को मजबूत एवं आगामी विधानसभा चुनाव जीतने की रणनीति पर बात की गई । बैठक की अध्यक्षता केवटी पश्चिमी 1 के मंडल अध्यक्ष निर्भय कुमार उर्फ टुन्ना जी ने किया । मौके पर संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक डॉ मुरारी मोहन झा कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए हर एक बूथ अध्यक्ष को बूथ सशक्तिकरण पर विशेष जोर देना होगा। बूथ स्तर पर बैठक कर आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति तय की जाएगी एवं केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी प्रचार प्रसार करना होगा । इस अवसर पर केन्द्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा आतंकवाद के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर केन्द्र की मोदी सरकार एवं भारतीय सेना को बधाई दी गई । इस अवसर पर मुख्य रूप से वरीय भाजपा नेता डॉ विनोद सिंह,श्रवण कुमार मिश्र,देव नारायण यादव,अशोक कुमार ठाकुर,चंदन यादव,सुशील यादव,गणेश यादव,ललित यादव,गोपाल गरेरी,सेवक सहनी,संगीत कुमार यादव,फूल देव यादव,अमरेंद्र कुमार,शशिकांत यादव,सुखदेव दास,रामानंदन ठाकुर,अशोक मंडल,अविनाश कुमार,अजीत कुमार,गायत्री देवी,जितेंद्र प्रसाद, बच्चा बाबू साहू एवं अन्य लोग उपस्थित थे ।

कृषि वैज्ञानिकों की 38 टीम ने किया 200 गांवों का दौरा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय से विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम के दूसरे दिन वैज्ञानिकों की 38 टीम ने विभिन्न जिलों के लगभग दो सौ से अधिक गांवों का दौरा किया। सभी टीम में विभिन्न विषयों के पांच से छह वैज्ञानिक शामिल हुए। वैज्ञानिको ने किसानों की समस्याओं का तत्काल निराकरण किया और रिपोर्टिंग पोर्टल पर सभी जानकारी अपडेट करते रहे। इधर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पी एस पांडेय, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ मयंक राय और नोडल पदाधिकारी डा रत्नेश झा विश्वविद्यालय में स्थापित कंट्रोल रूम के माध्यम से सभी टीम का लगातार अपडेट लेते रहे। ज्यादातक किसानों ने धान की बुवाई, आम और लीची में लगने वाले रोग, पपीता के रोग तथा फसल बीमा योजना से संबंधित सवाल पूछे। वैज्ञानिकों से मिलकर किसानों ने खुशी जताई। उधर कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली समस्तीपुर के दो टीमों के द्वारा कुल 6 स्थान पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।एक टीम के वैज्ञानिकों ने मोहम्मदपुर देवपार दक्षिण हरपुर एवं दिगरा पंचायत में किसानों से मुलाकात की। डॉक्टर विजय सिंह मीणा ,भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केंद्र पूसा के वरीय वैज्ञानिक ने मिट्टी जांच उपरांत फसलों में विभिन्न पोषक तत्वों के प्रयोग तथा प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई । सुमित कुमार सिंह विषय वस्तु विशेषज्ञ कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के द्वारा फसलों में लगने वाले विभिन्न रोग एवं कीट व्याधि के प्रबंधन की जानकारी उपलब्ध कराई गई। डॉक्टर कुमारी सुनीता सह प्राध्यापक सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में विभिन्न फसल उत्पादन के वैल्यू एडिशन के बारे में जानकारी दी। इसके साथ डॉ मुकेश कुमार सिंह ने मछली पालन में आने वाली समस्याओं तथा उसे अधिक लाभ कैसे लिया जा सके इसके बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई। दूसरी टीम डॉक्टर धीरू कुमार तिवारी के नेतृत्व में किसानों को खरीफ मौसम में लगने वाले विभिन्न फसलों की वैज्ञानिक विधि की जानकारी तथा साथ ही साथ सिंचाई प्रबंधन की भी जानकारी उपलब्ध कराई। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय इकाई पूसा के वैज्ञानिक डॉक्टर मोहम्मद हसनैन के द्वारा मिट्टी नमूना लेने की विधि तथा उसके उपरांत फसलों में जांच उपरांत विभिन्न पोषक तत्वों के बारे में जानकारी दी गई। डॉ प्रशांत सहायक निदेशक उद्यान बिहार सरकार के द्वारा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी तथा साथ ही साथ खरीफ प्याज पर विस्तृत जानकारी दी गई। डॉ आरके तिवारी वरीय वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली में किसानों को ड्रोन के प्रयोग तथा प्राकृतिक खेती से संबंधित तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई गई । वैज्ञानिकों की टीम ने चंदौली मोरसंड एवं ठहरा ग्राम में भी कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें सभी 6 स्थान पर 600 से ज्यादा किसान मौजूद रहे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान की हुई शुरूआत

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी विकसित कृषि संकल्प अभियान की हुई शुरूआत। बताते चलें कि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में कृषि विभाग एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा केंद्र एवं राज्य सरकार के कृषि से संबंधित संस्थाओं के द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान की शुरूआत की गई है। यह कार्यक्रम दिनांक 29 मई 2025 से 12 जून 2025 तक दो टीम के माध्यम से एक दिन में एक प्रखंड के तीन स्थानों पर आयोजित किया जाएगा । इस संकल्प अभियान के माध्यम से किसानों को कृषि के क्षेत्र में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के द्वारा किए गए शोध तथा कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओ की जानकारी किसानो को उपलब्ध कराई जाएगी । इस कार्यक्रम के माध्यम से वैज्ञानिको पदाधिकारी एवं किसानों के बीच सीधा संवाद स्थापित किया जाएगा एवं लैब टू लैंड की सार्थकता को सिद्ध किया जाएगा तथा किसानों के द्वारा खेती करने में जो समस्याएं होती है उसे कृषि वैज्ञानिक रूबरू होंगे एवं समस्या के अनुरूप शोध करते हुए नवीनतम तकनीक को किसानों के बीच लाएंगे, जिससे किसानों को लाभ होगा । इस कार्यक्रम के तहत दिनांक 29 मई 2025 को राजनगर प्रखंड के भटसीमर पूर्वी परिहारपुर तथा करहिया पूर्वी पंचायत एवं जयनगर प्रखंड के देवधा दक्षिणी रजौली एवं बेलही पूर्वी पंचायत में आयोजित किया गया । कृषि विभाग तथा कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दो टीम का गठन किया गया है । प्रत्येक टीम में कृषि विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मी सम्मिलित है । प्रथम टीम का नेतृत्व कृषि विज्ञान केंद्र सुखेत के वरीय वैज्ञानिक - सह - प्रधान डॉक्टर एस के गंगवार , डॉक्टर सौरभ चौधरी तथा उनके साथ राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र , दरभंगा के वैज्ञानिक डॉ अशोक शामिल हैं। तथा द्वितीय टीम में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ राहुल सिंह राजपूत, राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र, दरभंगा के डॉक्टर सूर्यकांत बाजीराव , डॉ रीता देवी यादव, इंजीनियर राहुल राउत शामिल है तथा कृषि विभाग से इस कार्यक्रम का अनुश्रवण जिला कृषि पदाधिकारी ललन कुमार चौधरी , उप परियोजना निदेशक राकेश कुमार राहुल, सहायक निदेशक कृषि अभियंत्रण इंजीनियर गौतम कुमार, उपनिदेशक पौधा संरक्षण राम कुमार, सहायक निदेशक, उद्यान डॉ सुजीत कुमार एवं संबंधित अनुमंडल के अनुमंडल कृषि पदाधिकारी तथा संबंधित प्रखंड के प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक , सहायक तकनीकी प्रबंधक, कृषि समन्वयक एवं किसान सलाहकार शामिल होकर किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करा रहे हैं। आज यह कार्यक्रम प्रखंड रहिका के खजूरी, सनौर एवं रहिका पंचायत तथा पंडोल प्रखंड के पंडोल पश्चिम, श्रीपुरहाटी दक्षिणी तथा भौर पंचायत में आयोजित है।

सात सूत्री मांगों को लेकर एनएसयूआई का दूसरे दिन भी अनिश्चितकालीन धरना जारी, पठन पाठन ठप

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड अंतर्गत संचालित डीबीकेएन कॉलेज गेट पर सात सूत्री मांगों को लेकर एनएसयूआई का दुसरे दिन भी अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन जारी है। धरना प्रदर्शन का अध्यक्षता कर रहे विवेक विराट ने कहा कि कॉलेज प्रशासन की ओर से पानी की सुविधा नहीं दिया जा रहा है । एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अभिनव अंशु ने बताया कि अनुमंडल पदाधिकारी रोसड़ा को आंदोलन को लेकर पूर्व में आवेदन दिया जा चुका है लेकिन अभी तक धरना स्थल पर कोई दंडाधिकारी की नियुक्ति नहीं की गई है और न ही विश्वविद्यालय प्रशासन के द्वारा किसी भी प्रकार की कोई वार्ता या पहल की गई है। जिला उपाध्यक्ष राजन कुमार वर्मा ने बताया कि इस आंदोलन में ग्रामीण,जनप्रतिनिधियों, कोचिंग संस्थान के शिक्षको का सहयोग मिल रहा है।आंदोलन के तीसरे दिन कुलपति का पुतना दहन करने का निर्णय लिया गया है।आंदोलन के प्रथम दिन रात 9 बजे तमिलनाडु के पूर्व डीजीपी बी के रवि का आगमन हुआ है उन्होने आंदोलन को जोर शोर और मजबूती से रखने की बात कही है।स्थानीय मुखिया अशोक कुमार साह ने बताया कि आज यदि हम 5 विषयों की पढ़ाई पर चुप रहे हैं तो वो दिन दुर नहीं होगा कि यहा से बीएड की पढ़ाई भी चली जायेगी। समाजसेवी रौशन कुमार गुप्ता ने बताया कि प्रखंड का पहला एक मात्र डिग्री कॉलेज है जिसके साथ किसी तरह के विषयों की पढ़ाई की कटौती कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। मौके पर एनएसयूआई छात्र नेता ललन यादव, हिमांशु शेखर, अजय यादव, सुजीत कुमार,युवा नेता विट्ठू कुमार, छात्र नेता गणपत कुमार, भानू कुमार, केशव कुमार, राजा कुमार, आर्दश कुमार, भरत कुमार, सोनू कुमार, गुलशन कुमार, नीतिश कुमार, पंचायत समिति प्रदीप कुशवाहा सहित कॉलेज के छात्र छात्राएं स्थानीय लोग मौजूद थे।

राज्य आयोग के उपाध्यक्ष बने राजीव रंजन प्रसाद

प्रात : किरण संवाददाता

पटना : बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने अधिसूचना निर्गत कर ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस के ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद को उच्च जातियों के विकास के लिए राज्य आयोग, बिहार, पटना के उपाध्यक्ष बनाया गया है। उक्त जानकारी ग्लोबल उपाध्यक्ष सह बिहार प्रदेश अध्यक्ष सह संपादक घटना चक्र टाइम्स दीपक अभिषेक ने दी। उन्होंने बताया कि श्री राजीव रंजन प्रसाद को राज्य सरकार ने उपाध्यक्ष के पद पर प्रभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्षों के लिए नियुक्त किया है। इस नियुक्ति को लेकर जीकेसी सहित बिहार के कायस्थ समुदाय में खुशी की लहर है। उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। दीपक अभिषेक ने बताया कि ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस ने राजीव रंजन प्रसाद को उपाध्यक्ष पद पर आसीन करने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नितिश कुमार के प्रति तहे दिल से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि उन्हें बधाई देने वालों में 'श्ल्ल्ँ.ल्ल के संपादक जितेन्द्र कुमार सिन्हा, वरिष्ठ अधिवक्ता संजय कुमार सिन्हा, जीकेसी के संजीव कुमार, सुशील कुमार श्रीवास्तव, अनिल दास, राकेश मणि, दिवाकर रविश, सुभाषिनी स्वरूप, शशि भूषण कर्ण, नंदा कुमारी, प्रमोद सिन्हा, अमित प्रकाश, राकेश कुमार, आशुतोष ब्रजेश, सरोज सिन्हा, आलोक वर्मा, निलेश वर्मा, नवीन कुमार, अरविंद कुमार, हर्षवर्धन, राज जितेन्द्र, धनंजय कुमार, दिवाकर कुमार, रविन्द्र किशोर, कुमार अमिताभ निलेश रंजन, रवि सहाय, कमल किशोर, बिन्दु भूषण प्रसाद, राम कुमार प्रसाद, जीकेसी संगठन सचिव बलिराम श्रीवास्तव और राष्ट्रीय प्रवक्ता मुकेश कुमार सिन्हा उर्फ मुकेश महान प्रमुख थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी को साक्षी पोर्टल के लिए दिया गया प्रशिक्षण

एनक्यूएएस सर्टिफिकेशन का कार्य साक्षी पोर्टल के माध्यम से किया जाना है

● स्वास्थ्य सेवा को गुणवत्ता के उच्च मानकों तक पहुंचाने में मदद करेगा साक्षी पोर्टल

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय। स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता को उच्च मानक तक पहुंचाने के लिए जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी को साक्षी पोर्टल का एक दिवसीय प्रसिक्षण दिया गया। ये प्रशिक्षण सिविल -सर्जन डॉ बीपी सिन्हा की अध्यक्षता में सदर अस्पताल के सभागार में पटना से आये हुए पिरामल के प्रशिक्षक डॉ प्रियंका कुमारी एवं सुनील कुमार के द्वारा दिया गया। इस असवर पर डॉ बीपी सिन्हा ने बताया कि साक्षी पोर्टल एक ऐसा वेबपोर्टल है जिसका उपयोग स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है। इसके माध्यम से सभी हेल्थ एंड वेलनेस केंद्र के अधिकारी को एनक्यूएएस, लक्ष्य ,कायाकल्प सर्टिफिकेशन के लिए कार्य करना आसान हो जायेगा। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी को प्रशिक्षण दे रहे पिरामल के डॉ प्रियंका ने बताया की साक्षी पोर्टल पर एनक्यूएएस संबंधित कार्य करने से संबंधित सारा लिस्ट दिया गया है। संबंधित सामुदायिक अधिकारी को इस पोर्टल पर किये गए कार्य को लिस्ट के अनुसार मार्क करना है। जिस कार्य का परिणाम अंक 2 आये तो उसका मतलब है वो कार्य पूरा हो चूका है। साथ ही जिस कार्य का परिणाम अंक 0 एवं अंक 1 करे रूप में आये तो वो उस दिशा में अभी कार्य करना है। प्रशिक्षक सुनील कुमार ने बताया की स्वास्थ्य संस्थान इस पोर्टल का उपयोग अपनी कार्यक्षमता को बेहतर बनाने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कर सकते हैं। जिससे की एनक्यूएएस (राष्ट्रीय गुणवता आश्वासन मानक) सर्टिफिकेशन को पाना और भी आसन हो जायेगा . यह पोर्टल स्वास्थ्य सेवा के बारे में जानकारी प्रदान करता है, जैसे कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, बीमारियों, स्वास्थ्य सेवाओं, स्वस्थ रहने के सुझाव, स्वास्थ्य कार्यक्रमों, बीमा योजनाओं, स्वास्थ्य संबंधी एप्लीकेशन अ ौर विजीट इत्यादि. प्रशिक्षण में डीपीसी सुनील कुमार , प्रभारी जिला सलाहकार गुणवत्ता यकीन गुलशन कुमार के साथ जिले की सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद थी।

संक्षिप्त खबरें

चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सुविधा को सुदृढ़ करने के लिए चुनाव आयोग ने बीते 100 दिनों में शुरू की 21 नई पहलें

सहरसा मतदाता अनुभव को बेहतर बनाने और चुनाव प्रबंधन को अधिक सुगम और दक्ष बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, भारत निर्वाचन आयोग ने पिछले 100 दिनों के भीतर 21 नई पहलें शुरू की हैं। इन पहलों में प्रक्रियागत सुधार, प्रशिक्षण कार्यक्रम और विभिन्न हितधारकों के साथ व्यापक संवाद शामिल हैं। 26वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यभार ग्रहण करने के बाद इन 100 दिनों को उद्देश्यपूर्ण, व्यावहारिक और सक्रिय प्रयासों से चिह्नित किया गया है। मार्च 2025 में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में इस नवीन दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत की गई थी। एक मतदान केंद्र पर अधिकतम मतदाताओं की संख्या 1,500 से घटाकर 1,200 कर दी गई है।

1 देशी राइफल 2 जिंदा कारतूस और 1 मैग्जीन के साथ 1 अपराधी गिरफ्तार

● अपराधिक घटना को अंजाम देने कबीरा धाप जा रहा था राइफल के साथ अपराधी

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा जिला पुलिस टीम को फिर एक बड़ी सफलता मिली। जिसमें बुधवार की देर शाम चिरैया थाना अध्यक्ष और डायल - 112 की टीम को मिली गुप्त सूचना पर की गई कार्रवाई में एक हथियारबंद अपराधी गिरफ्तार हुआ। वे सौंथी गांव से कबीरा गांव की ओर किसी बड़ी अपराधिक घटना को अंजाम देने के लिए जा रहे थे। जिनसे एक देशी राइफल, दो जिंदा कारतूस और एक मैगजीन बरामद हुआ। साइबर डीएसपी अजीत कुमार ने बताया कि मिली गुप्त सूचना के बाद वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर चिरैया थाना अध्यक्ष और डायल - 112 की टीम संयुक्त रूप से कबीरा गांव पहुंची। जहां पुलिस टीम को आते देख एक युवक भागने लगा। जिसे खदेड़ कर पकड़ा गया। उनकी तलाशी लिए जाने पर उनके पास से एक देशी राइफल, उसके 8 एमएम के दो जिंदा कारतूस और एक मैगजीन बरामद हुआ। जिसको लेकर चिरैया थाना कांड संख्या - 25/25 दर्ज की गई थी। गिरफ्तार अपराधी चिरैया थाना क्षेत्र के सौंथी गांव, वार्ड नंबर - 2 निवासी पृथ्वी चौधरी के पुत्र जवाहर चौधरी थे। छापामारी टीम में चिरैया थाना अध्यक्ष इंदल कुमार, चिरैया थाना में नियुक्त डायल - 112 पदाधिकारी दिनेश मंडल और पुलिस बल शामिल थे।

मिनीगन फैक्ट्री का पुलिस ने किया उद्भेदन, हथियार गोली के साथ ढ़ाई लाख रुपए कैश बरामद, महिला गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) उदाकिशुनगंज से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहाँ पुलिस ने मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन किया है। पुलिस ने बड़े पैमाने पर हथियार, अर्धनिर्मित हथियार, जिंदा कारतूस सहित ढ़ाई लाख रुपए बरामद किया है। हथियार के साथ पुलिस ने मौके से एक महिला को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला हथियार तस्करी करने वाले अपराधी मनोज यादव की पत्नी बताई जा रही है। मामले में उदाकिशुनगंज अनुमंडल के एसडीपीओ अविनाश कुमार ने प्रेस वार्ता करते हुए पत्रकारों को बताया की उदाकिशुनगंज थाना क्षेत्र के आनंदपुरा में अवैध हथियार फैक्ट्री का उद्भेदन किया गया है। 29 मई को पुलिस को गुप्त सुचना प्राप्त हुई की आनंदपुरा गाँव अंतर्गत मनोज यादव के घर मे अवैध हथियार का निर्माण किया जा रहा है। सुचना के अलोक में पुलिस अधीक्षक मधेपुरा के निदेर्शानुसार एक टीम का गठन किया गया। टीम में उदाकिशुनगंज थानाध्यक्ष विनोद सिंह, बिहारीगंज थानाध्यक्ष अमित रंजन सहित अन्य पदाधिकारी पुलिस को शामिल किया गया। गठित टीम के पुलिस पदाधिकारी एवं अन्य पुलिस कर्मी के द्वारा हथियार निर्माण करने वाले मनोज यादव के घर को घेराबंदी कर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मनोज यादव के घर से अवैध हथियार देसी मास्केट देसी कट्टा जिंदा कारतूस अर्ध निर्मित हथियार खोखा सहित 230000 रुपए नकद एवं अवैध हथियार निर्माण से संबंधित उपकरण एवं पाठ पूजा आदि बरामद किया। पुलिस ने हथियार के साथ एक महिला को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला की पहचान मनोज यादव की पत्नी सुगाना देवी के रूप मे की गई है। गिरफ्तार महिला के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। गिरफ्तार महिला का आपराधिक इतिहास भी खांगाला जा रहा है। एसडीपीओ अविनाश कुमार ने बताया की अपराधी मनोज यादव के घर से एक लोहे का एक लोहे का बना अनलोडेड देशी मास्केट, एक लोहे का बना अनलोडेड देशी कट्टा, एक अर्द्धनिर्मित पीतल एवं लोहे का बना देशी कट्टा, 70 एम०एम० का पीतल एवं प्लास्टिक का बना बारह बोर का जिंदा कारतूस, कारतूस कुल 10 पीस, एक टूटा जिंदा कारतूस, चार खोखा, उन्नीस जिंदा कारतूस, एक छोटा एवं मोटा जिंदा कारतूस, एक खोखा, 11-01 (एक) लोहे का बना खाली मैग्जीन, चौदह पीस लोहे का बना अर्द्धनिर्मित कट्टा का बट, पाँच पीस लोहे का बना अर्द्धनिर्मित कट्टा का बट प्लेट, तीन पीस लोहे के बना अर्द्धनिर्मित बैरल, चार पीस लोहे के बना बैरल पाईप, ग्यारह पीस लोहे का बना ट्रिगर, पन्द्रह पीस लोहे का बना ठोकर, दो बड़ी लगा गांडर मशीन, सात पीस ग्रांडर मशीन का बना बट्टी, लकड़ी एवं लोहे को दाब कर रगड़ने व काटने वाला मशीन, तीन पीस बट के आकार के लकड़ी, एक छोटा लोहे का डाई, एक लोहे का छेनी, एक प्लास्टिक का बेट लगा हुआ रुखानी, दो पिलास। 25. 02, लोहे का एक छोटा एवं एक बड़ा शुम्भा, एक कील का बना छोटा छेनी, एक लकड़ी का बेट लगा टकुआ, एक लकड़ी का बेट लगा हथौड़ी, एक रड़ का बना सरसी, दो लोहे का वगाकार खोखला पाईप, एक लोहे का टोपन, चार लोहे का मोटा कील, जिसके अग्र भाग पर छेदा हुआ, लोहे के टी आकार का गिरमीट, लोहे के दो एंगल जिसमें छेद बना हुआ।

एसपी ने संग्रामपुर थाना का किया निरीक्षण, दिये कई निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर) । पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद ने गुरुवार को संग्रामपुर थाना का वार्षिक निरिक्षण किया इस दौरान उन्होंने अपराध और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण का निर्देश दिया. वहीं थाना के अभिलेखों के रख-रखाव पर विशेष ध्यान का निर्देश दिया निरीक्षण के दौरान तारापुर डीएसपी सिंधु शेखर सिंह,इंस्पेक्टर विवेक राज,थानाध्यक्ष विनोद कुमार झा सहित थाना में तैनात अन्य पुलिस पदाधिकारी व कर्मी मौजूद थे संग्रामपुर थाना पहुंचने पर एसपी को पुलिसकर्मियों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया. जिसके बाद एसपी ने अभिलेखों का अवलोकन किया और उसे रख-रखाव पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया. उन्होंने जमानतीय, अजमानतीय, वारंट, सम्मन, कुर्की पंजी, स्पष्टीकरण पंजी, लोक शिकायत पंजी, ग्राम अपराध पंजी का अवलोकन किया और लंबित वारंट, इश्तिहार, कुर्की व लोक शिकायत आवेदनों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर करने का निर्देश थानाध्यक्ष को दिया। सीसीटीएनएस पर जहां रियल टाइम इंट्री की कार्रवाई का निर्देश दिया। वहीं महिला हेल्प डेस्क के कार्यों का जायजा लिया उन्होंने कहा कि यहां शिकायत लेकर आने वाले आगंतुकों को पावती रसीद समय रियल टाइम दिया जाय। जबकि असामाजिक तत्वों को चिह्नित कर धारा-126 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई करने का प्रस्ताव भेजे। उन्होंने शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों के शस्त्रों का सत्यापन प्राथमिकता के आधार पर करने को कहा. एसपी प्रभावी गश्ती, बैंक, प्रेटोल पंप, होटल, लॉज, किरायेदारों का सत्यापन करने का निर्देश दिया लंबित कांडों के अनुसंधान में तेजी लाने और भूमि विवाद व लोक शिकायत से संबंधित मामलों का अनुश्रवण व निष्पादन करने का निर्देश दिया उन्होंने संग्रामपुर थाना में रखरखाव, साफ सफाई और 112 पर तुरंत कार्यवाही करने का रिस्पांस ठीक पाया गया।वही महिला पदाधिकारी के नही रहने पर कहा की सावन के शुरू होने के पहले ही आ जायेगें।

बेगूसराय से लापता हम पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष का शव मुंगेर जिला अंतर्गत मुफस्सिल थाना क्षेत्र से बरामद किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर/ बरियारपुर (मुंगेर) पिछले पांच दिनों से बेगूसराय से लापता हम पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष का शव मुंगेर जिला अंतर्गत मुफस्सिल थाना क्षेत्र से बरामद किया गया है। हत्या के बाद शव को बालू में दबा दिया गया था। परिजनों ने स्थानीय सरपंच पति दबंग डब्लू यादव पर मृतक के किडनैप का आरोप लगाया था,और आज शव बरामद हुआ है। डीएनए के लिए सैंपल को संग्रह किया गया है। दरअसल बेगूसराय जिला अंतर्गत साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के संदलपुर में पंचायत के ही सरपंच पति दबंग डब्लू यादव और उसके साथ अन्य बेखौफ हथियारबंद अपराधियों के द्वारा 24 मई 2025 को सरेशाम ताबड़तोड़ करीब 15-16 राउंड फायरिंग करते हुए फिल्मी अंदाज में स्थानीय निवासी 20 सूत्री सदस्य और जीतन राम मांझी की पार्टी हम के प्रखंड अध्यक्ष राकेश कुमार उर्फ विकास का अपहरण कर लिया। जिसके बाद से अब तक अपहत का अब तक कोई सुराग नहीं मिल सका था । जिसके बाद पुलिस के द्वारा इस मामले को ले काफी खोज बिन की गई ओर अपहत का कहीं कोई पता नहीं चल पाया था। इस बीच मुंगेर जिला के मुफ्फसिल थाना के एक चौकीदार ने मुफस्सिल थाना प्रभारी को सूचना दी कि जाफर नगर दियारा क्षेत्र के फूल मल्लिक मौज में बालू के अंदर से कुछ बदबू आ रहा है । जिसके बाद मुफस्सिल थाना के द्वारा वहां बालू हटवा के दिखवाया गया तो बालू के नीचे एक युवक का शव था। जिसके बाद इस बात की सूचना साहेबपुर कमाल को दी गई। वहां से पुलिस और अपहृत के परिजन मुंगेर पहुंचे । और उस शव की पहचान करन में जुटे । पर उसके बाद भी काफी देर तक परिजन भी कंफ्यूजन में पड़े रहे की यह शव उसके अपहृत विकास का है कि नहीं । पर अंततः परिजनों ने उस शव की पहचान कर ली की वह अपहृत विकास का ही शव है। जिसके बाद परिजनों में हाहाकार मच गया । अस्पताल परिसर पहुंचे परिजनों का रोरो के बुरा हाल था। शव की पहचान के बाद पुलिस के द्वारा पोस्टमार्टम करा शव को परिजनों को सौंप दिया गया । इसके बाद अपहरण के बाद हत्या की वारदात से पूरा इलाका दहशत गया । अब पुलिस मामले की तह तक जा जांच करने में जुट गई है। साथ ही पुलिस के द्वारा अपराधियों को पकड़ने के लिए उनके ठिकानों पर छापामारी कर रहा है । इस मामले में सदर एसडीपीओ अभिषेक आनंद ने बताया कि शव के बरामद होने के बाद साहेबपुर कमाल पुलिस को सूचना दी गई । जहां से परिजन और अपहृत पहुंच शव का शिनाख्त किया गया। और डीएनए के लिए भी सैंपल को संग्रह कर लिया गया हैं। वहीं हम पार्टी के प्रदेश सचिव निलेश सिंह ने बताया कि जंगल राज के कुछ अपराधी फिर सर उठाने की कोशिश कर रहे है जिसको कुचल दिया जाएगा। हम के प्रखंड अध्यक्ष के हत्यारे को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा ।

एसएनएस कॉलेज में बीएड परीक्षा कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न, 587 छात्र छात्रा परीक्षा में हुए सम्मिलित

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा सर्व नारायण सिंह रामकुमार सिंह महाविद्यालय में बीएड प्रथम ईयर की परीक्षा कदाचार मुक्त माहौल में शुक्रवार को संपन्न हुई। प्रधानाचार्य डॉ अशोक कुमार सिंह ने बताया की महाविद्यालय में रमेश झा महिला कॉलेज, आर एम कॉलेज,एम एल टी कॉलेज, ईस्ट एंड वेस्ट ट्रेनिंग कॉलेज, राधेश्याम टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के कुल 597 छात्र छात्राओं का परीक्षा का केंद्र इस महाविद्यालय को बनाया गया। जिसमें कुल 587 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। जिसमें 10 छात्र परीक्षा में अनुपस्थित रहे। महाविद्यालय परीक्षा नियंत्रक डॉ संजय कुमार सिंह एबं ड़ॉ अनिरुद्ध कुमार के साथ सहायक डॉ धर्मव्रत चौधरी ने परीक्षा को सुचारू रूप से कदाचार मुक्त लेने के लिए सभी वीक्षकों का आभार व्यक्त किया। परीक्षा में सहयोग करने वालों में डॉ अनिल कुमार सिंह, डॉ महानंद सदा, मनोज कुमार सिंह, नवीन कुमार, अभिनव कुमार, सुधा कुमारी, बबीता कुमारी, नौसीबा खातून, बिंदु कुमारी, सुनीता कुमारी, सत्यम, पुरूषोतम कुमार सिंह, बसंत प्रसाद सिंह, अभिमन्यु कुमार, प्रांजल सुमन, संजय कुमार सिंह, नितेश्वर निर्भय, प्रधान सहायक ओम प्रकाश सिंह, उदय कुमार, ओमप्रकाश पंडित, बब्बन कुमार सिंह ने सहयोग किया।

लखीसराय में विश्व तम्बाकू दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित, नुक्कड़ नाटक का भी किया गया आयोजन

लखीसराय !सदर अस्पताल में शुक्रवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। जिसमें एएनएम और जीएनएम की बच्चियों ने भाग लिया और तंबाकू के सेवन से हानिकारक प्रभावों को दशार्या गया। यह नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को तंबाकू के सेवन से होने वाली बीमारियों जैसे कैंसर, दिल की बीमारी और फेफड़ों की गंभीर समस्याओं के बारे में जानकारी दी गई। नाटक में अंजली, कशिश,अंशु,हर्षिता,नेहा,रजनी तथा नीलम का प्रदर्शन लाजबाब रहा जिसे उपस्थित चिकित्सकों ने पुरस्कृत भी किया। जीएनएम और एएनएम ने हाथों में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर तख्तियों तंबाकू निषेध दिवस के स्लोगन के साथ लोगों को जागरूक किया।इस मौके पर सीएस बीपी सिन्हा,डा अश्वनी कुमार,डा आशिष कुमार समेत कई लोग शामिल रहे।

मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर पिरामल टीम द्वारा वैजनाथपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा सौर बाजार ब्लॉक के माध्यमिक स्कूल बैजनाथपुर में पिरामल टीम के द्वारा शुक्रवार को एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मासिक धर्म स्वच्छता और एचपीवी टीकाकरण पर विशेष जोर दिया गया। इस कार्यक्रम में स्कूली छात्रों और शिक्षकों को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में बताया गया।कार्यक्रम में मासिक धर्म से जुड़े मिथकों और तथ्यों पर चर्चा की गई। छात्रों को बताया गया कि पीरियड्स क्यों होते हैं और इस दौरान क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। साथ ही, सेनेटरी पैड्स के उपयोग और घर पर घरेलू उपचार से साफ-सुथरे तरीके से रहने के तरीकों के बारे में भी जानकारी दी गई। इसके अलावा, कार्यक्रम में एचपीवी टीकाकरण के महत्व पर भी जोर दिया गया। नौ से चौदह साल के बच्चों को एचपीवी का टीका लगाया गया, जो कि गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रेड डॉट कार्यक्रम को भी आगे बढ़ाया गया, जिसमें बच्चों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जागरूक किया गया। सौर बाजार की सीएचसी के बीएचएम और एमओआईसी, स्कूल के प्रिंसिपल और शिक्षक भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। यूनिसेफ, यूएनडीपी और डब्लूएचओ के प्रतिनिधि भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। पिरामल टीम से पूजा सिंह, विभूति युगल और अखिलेश कुमार ने इस कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता, एचपीवी टीकाकरण के महत्व पर जोर, रेड डॉट कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों की जागरूकता बढ़ाना, यूनिसेफ, यूएनडीपी और डब्लूएचओ के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। छात्रों और शिक्षकों में मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता में वृद्धि, एचपीवी टीकाकरण के प्रति जागरूकता में वृद्धि,बच्चों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर प्रदान करना शामिल है।

मुखिया मोना कुमारी की अध्यक्षता में हुई जीपीपीएफएफटी की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा सिरवार वीरवार अंतर्गत पंचायत भवन सिरवार वीरवार में मुखिया मोना कुमारी की अध्यक्षता एवं पिरामल फाउंडेशन की उपस्थिति में जीपीपीएफएफटी की मीटिंग की गई, साथ ही साथ फाइलेरिया रोगी को एक एम. एम. डी. पी. किट का वितरण मुखिया जी के द्वारा किया गया। इस किट का प्रयोग करने पर रोगी खुद को पहले से सहज महसूस करेंगे। अगर फाइलेरिया का कोई मरीज है तो वो निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर कीट का सुविधा ले सकते है, और वैसे मरीज का सरकार के द्वारा विकलांगता प्रमाण पत्र भी देने का प्रावधान है जो निकटतम स्वास्थ्य केंद्र से मिलेगा। सिरवार वीरवार पंचायत को मॉडल पंचायत बनाने हेतु चयन किया गया है और पंचायत को कुपोषण मुक्त पंचायत फाइलेरिया मुक्त पंचायत, एनीमिया मुक्त पंचायत बनाने के लिए विशेष रूप से जीपीपीएफटी समिति को मिलकर काम करना है जिससे हमारा पंचायत एक मॉडल पंचायत के रूप में उभर कर आ सके और पंचायत के सभी लाभार्थी स्वस्थ और जागरूक हो सके। इस कार्य में पीरामल फाउंडेशन का विशेष सहयोग लिया जाएगा। इस मीटिंग में मुखिया मोना कुमारी, पंचायत सचिव, पीरामल फाउंडेशन के प्रोग्राम लीडर आलोक कुमार, भी. बी. डी. एस. संजय कुमार, वार्ड सदस्य, पिरामल फाउंडेशन के पी.ओ. राजेश कुमार, एएनएम, आशा, सेविका और जीविका के सदस्य उपस्थित थे।

बकरीद पर्व को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए : जिलापदाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। आगामी 7 से 9 जून तक मनाए जाने वाले ईद-उल-अजहा बकरीद पर्वको शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर शुक्रवार को संग्रहालय सभागार में जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में पर्व को शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने तथा उससे संबंधित विधि व्यवस्था संधारण पर बिंदुवार चर्चा हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक सैयद ईमरान मसूद, नगर आयुक्त शिवाक्षी दीक्षित, मेयर कुमकुम देवी, सदर अनुमंडल पदाधिकारी कुमार अभिषेक, सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अभिषेक आनन्द, यातायात डीएसपी प्रभात रंजन सहित अन्य पदाधिकारी एवं समिति के सदस्यगण उपस्थित थे।बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ई-उल-अजहा (बकरीद पर्व) 2025 को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिला एवं पुलिस प्रशासन कटिबद्ध है तथा इसके लिए विधि व्यवस्था संधारण पर विशेष ध्यान देने हेतु सभी दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को निदेशित किया गया है। उन्होंने कहा कि बकरीद के दिन आरडी एंड डीजे कॉलेज स्थित ईदगाह में प्रातः 7 से 8 के बीच बकरीद की विशेष नमाज अता की जाएगी। इसके लिए वहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। सफाई एवं पेयजल के लिए नगर निगम की ओर से समुचित व्यवस्था किए जाएंगे। इसके अलावे सुरक्षा के मद्देनजर वहां चारो ओर सीसीटीवी कैमरे भी अधिष्ठापित किए जाएंगे, जिससे हर गतिविधि पर नरज रखी जा सके। इसके अलावे अम्बे चैक से डीजे कॉलेज तथा पांच नंबर गुमटी तक यातायात व्यवस्था को भी सुदृढ़ करने के लिए यातायात डीएसपी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों से कहा कि आपकी सर्तकता एवं सजगता ही पर्व को शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न करा सकती है। इस लिए आप सभी पूरी तरह सर्तक एवं सजग होकर कार्य करेंगे। इसके अलावे किसी भी अफवाह की बिना जांच किए कार्रवाई नहीं करेंगे। अफवाह यदि प्राप्त होती है तो, उस पर तुरत अमल करेंगे और उसकी सूचना सभी वरीय पदाधिकारियों के साथ साथ नियंत्रण कक्ष में भी देंगे, ताकि यदि किसी तरह की कोई अव्यवस्था उत्पन्न हो तो उस पर त्वरित कार्रवाई की जा सकी। इसके अलावे कुबार्नी के बाद जो वेस्टेज वस्तुएं होती है, उसके निस्तारण के लिए बंद डब्बे के प्रयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि वेस्टेज के इधर उधर गिरने या खुले में फेकने से विवाद की स्थिति भी बन सकती है, इस लिए उसे निस्तारित करने के लिए बंद डब्बे का ही प्रयोग करेंगे। उन्होंने सभी पुलिस पदाधिकारियों, दण्डाधिकारियों एवं क्यूआरटी की टीम को पर्व के तीनों दिन लगातार गश्ती करने का निर्देश दिया। साथ ही संवेदनशील अथवा अतिसंवेदनशील स्थलों को चिन्हित कर वहां अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती एवं लगातार पुलिस गश्ती की बात कही। इसके अलावे पर्व के दिन पूरे क्षेत्र में विद्युत एवं पेयजल की निर्बाध आपूर्ति का भी उन्होंने निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सभी थानाध्यक्षों को 126 के तहत बाउंड डाउन की प्रक्रिया शत प्रतिशत करने का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक सैयद ईमरान मसूद ने सभी पुलिस पदाधिकारियों से कहा कि आप आज की बैठक के पश्चात अनुमंडल एवं थाना स्तर पर भी बैठक कर सभी पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दे दें। पर्व के दिन किसी भी तरह की कोई विवाद अथवा समस्या उत्पन्न न हो इसके लिए पूरी सजगता के साथ कार्य करेंगे।

पुल की रेलिंग क्षतिग्रस्त, दुर्घघटना को दे रहा है दावत, लोगों ने बताया विभाग की लापरवाही

शंकरपुर (मधेपुरा) शंकरपुर प्रखंड मुख्यालय से महज सात किलो मीटर दूर सिंहेशवर मुख्य मार्ग से रायभीर जाने वाले एनएच रोड नंबर 18 रायभीर पंचायत के पंचमुखी चौक पर बना पुल निर्माण के कुछ ही दिनों बाद ही रेनिंग टूट गया जिसके चलते गाड़ी चालक के साथ साइकिल चालक सहित पैदल चलते राहगीर को दुर्घघटना का आशंका बना रहता है। गौरतलब हो कि रायभीर पंचायत के भूत पूर्व मुखिया स्वर्गीय सतनारायण प्रसाद यादव के कर कलमों द्वारा पंचमुखी चौक का निर्माण कराया गया था। जहां रविवार ओर बुधवार को साप्ताहिक हाट बाजार भी लगता हैं। वहीं स्थानीय कुछ लोग ओर कुछ दूरदराज से आए लोग पंचमुखी चौक पर दुकान किए हुए हैं। जिससे रोड पर काफी लोगों का आवाजाही होता है। बताते चलें कि कई गांव ओर बाजार को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर बना पुल की रेनिंग टूटने से राहगीर गाड़ी चालक को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

मुंगेर जिले में सड़क दुर्घटनाओं में विगत दिनों 43 लोगों की मौत हुई

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। यूं तो पूरे बिहार में यातायात सुरक्षित नहीं है यातायात को लेकर परिवहन विभाग और यातायात विभाग द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जाता रहा है वाहन चेकिंग अभियान में सख्ती बनी हुई है बावजूद सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। यातायात थाना के अनुसार जनवरी 2025 में जिले भर में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या 61 मामले प्रतिवेदित हो चुके हैं। दुर्घटना में 43 लोगों की मौत हुई है जबकि 25 लोग घायल हो चुके हैं। जिले भर में 20 स्थान को ब्लैक स्टॉप के रूप में चिन्हित कर चिन्हित स्थानों पर दुर्घटना को रोकने के लिए साइन आगे संकट के अलावा ब्रेकर और आईसीडी द्वारा लगाया गया है। श्री कृष्णा सेतु पाथ न0 80 पर फड़ा हेरुहीरा बैंक काली स्थान तेलिया तालाब मस्जिद मोड बरियारपुर जमुई मुख्य मार्ग पथ पर बरियारपुर पुलिया के समीप और घंटा तथा संग्रामपुर में सबसे अधिक सड़क दुर्घटना के मामले प्रतिवेदन होती रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सदर अस्पताल जिला स्कूल किलकारी बल भवन के अलावा अन्य ऐसे स्थान है जहां हमेशा लोगों की आवा जाही होती है वैसे स्थान पर ब्रेकर नहीं लगाया गया है जिस कारण दुर्घटनाएं होती हैं। जिला परिवहन पदाधिकारी एसके अलबेला और ट्रैफिक डीएसपी प्रभात रंजन का मानना है कि यातायात नियमों की अनदेखी और रफ ड्राइविंग सड़क दुर्घटना के बढ़ते मामलों का एक गंभीर कारण है। वर्ष 2000 के 5 महीना में दर्दनाक सड़क दुर्घटनाओं के मामले जनवरी 2025 दुर्घटनाएं 14 प्रतिवेदानित हुई मृतक की संख्या 8 घायलों की संख्या 6 फरवरी 2025 10 दुर्घटना प्रतिवेदित हुई मृतकों की संख्या 7 ल की संख्या चार मार्च 2025 14 दुर्घटनाएं प्रतिवेदन हुई मृतकों की संख्या 10 घायलों की संख्या 5 अप्रैल 2025 14 दुर्घटनाएं प्रतिवेदन हुई जिसमें 11 की मौत हुई 6 घायल हुए मई2025 में 9 दुर्घटनाएं प्रतिवेदित हुई मृतकों की संख्या 7 घायलों की संख्या चार।मुंगेर के यातायात डीएसपी प्रभात रंजन ने बताया कि यातायात थाना द्वारा लगातार अभियान चलाकर हेलमेट सीट बेल्ट की जांच की जाती है। ट्रैफिक नियम का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों से जुमार्ना वसूल किया जाता है। फिर भी रफ ड्राइविंग रोकने के लिए और अभियान के दौरान और शक्ति करने की आवश्यकता है। परिवहन विभाग के अधिकारी चाहे जितना भी हाथ पांव मार लें आज भी सड़कों पर ऐसी सैकड़ो वाहन चलाई जा रही हैं जिन्हें ना तो इंश्योरेंस है और ना ही उन वाहनों का वायु प्रदूषण प्रमाण पत्र है इस तरह के कई वाहन चालकों की आपत्तियां हैं जिसे मुंगेर के जिला परिवहन पदाधिकारी ने नजरअंदाज कर दिया है या फिर विभाग के लोगों के द्वारा प्रतिमा बंदी बधाई रकम विभाग को भेजा जा रहा है जिससे दुर्घटनाएं तो प्रतिवेदन हो ही रही हैं साथ ही वायु प्रदूषण और सरकार को टैक्स का भी चूना लगाया जा रहा है।

बिहार के स्वाभिमानी अउर मेहनती भाई-बहन आप सबै के प्रणाम

आपका ये स्नेह, बिहार का ये प्यार, मैं इसे हमेशा सर-आँखों पर रखता हूँ। और आज बिहार में इतनी बड़ी तादाद में माताओं-बहनों का आना, ये अपने आप में बिहार के मेरे इतने कार्यक्रमों की ये सबसे बड़ी शानदार घटना है। मैं माताओं-बहनों को विशेष प्रणाम करता हूं। मैं आप सभी जनता-जनार्दन का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।सासाराम की इस धरती के तो नाम में भी राम है, सासाराम। सासाराम के लोग जानते हैं, भगवान राम और उनके कुल की रीति क्या थी, प्राण जाए पर वचन न जाई। यानी, जो वचन एक बार दे दिया, वो पूरा होकर के ही रहता है। प्रभु श्रीराम की ये रीति अब नए भारत की नीति बन गई है। अभी पहलगाम में, जम्मू कश्मीर में आतंकी हमला हुआ था, हमारे कितने निर्दोष नागरिक मारे गए, इस जघन्य आतंकी हमले के बाद, एक दिन के बाद मैं बिहार आया था, और मैंने बिहार की धरती से देश को वादा किया था, वचन दिया था, बिहार की धरती पर, आंख में आंख मिलाकर हमने कह दिया था, आतंक के आकाओं के ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया जाएगा, बिहार की इस धरती पर मैंने कहा था, उन्हें कल्पना से भी बड़ी सजा होगी। आज जब मैं बिहार आया हूं, तो अपना वचन पूरा करने के बाद आया हूं। जिन लोगों ने पाकिस्तान में बैठकर हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था, हमारी सेना ने उनके ठिकानों को खंडहर में बदल दिया है। भारत की बेटियों के सिंदूर की शक्ति क्या होती है, ये पाकिस्तान ने भी देखा, और दुनिया ने भी देखा। जिस पाकिस्तानी सेना की छत्रछाया में आतंकी खुद को सुरक्षित मानते थे, हमारी सेनाओं ने एक ही झटके में उनको भी घुटनों पर ला दिया। पाकिस्तान के एयरबेस, उनके सैन्य ठिकाने, हमने कुछ ही मिनट में तबाह कर दिए, ये नया भारत है, ये नए भारत की ताकत है।ये हमारा बिहार वीर कुंवर सिंह जी की धरती है। यहाँ के हजारों नौजवान देश की सुरक्षा के लिए सेना में, इरत्र्में अपनी जवानी खपा देते हैं। ऑपरेशन सिंदूर में, दुनिया ने हमारी इरत्र्का भी अभूतपूर्व पराक्रम और अदम्य साहस देखा है।हमारी सीमाओं पर तैनात जांबाज सुरक्षा की अभेद्य चट्टान है, मां भारती की रक्षा हमारे इरत्र्के जवानों के लिए सर्वोपरि है। और यही मातृभूमि की सेवा का पवित्र कर्तव्य निभाते हुए, 10 मई को सीमा पर सब इंस्पेक्टर इम्तियाज शहीद हो गए थे। मैं बिहार के इस वीर बेटे को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि देता हूँ। और मैं आज बिहार की धरती से फिर दोहराना चाहता हूँ, ऑपरेशन सिंदूर में भारत की जो ताकत दुश्मन ने देखी है, लेकिन दुश्मन समझ लें, ये तो हमारे तरकश का केवल एक ही तीर है। आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई न रुकी है, न थमी है। आतंक का फन अगर फिर उठेगा, तो भारत उसे बिल से खींचकर कुचलने का काम करेगा।हमारी लड़ाई देश के हर दुश्मन से है, फिर वो चाहे सीमा पार हो, या देश के भीतर हो। बीते वर्षों में हमने हिंसा और अशांति फैलाने वालों का कैसे खात्मा किया है, बिहार के लोग इसके साक्षी हैं। आप याद करिए, कुछ साल पहले तक सासाराम, कैमूर, और आसपास के इन जिलों में क्या हालात थे? नक्सलवाद कैसे हावी था, मुंह पर नकाब लगाए, हाथों में बंदूक थामे, नक्सली कब-कहाँ सड़कों पर निकल आयें, हर किसी को ये खौफ रहता था। सरकारी योजना आती थी, पर नागरिकों तक पहुंचती ही नहीं थी। नक्सल प्रभावित गांव में न तो अस्पताल होता था, न मोबाइल टावर। कभी स्कूल जलाए जाते थे, कभी सड़क बनाने वालों को मार दिया जाता था। इन लोगों का बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान पर कोई विश्वास नहीं था।

नीतीश जी ने उन परिस्थितियों में भी यहां विकास की पूरी कोशिश की। 2014 के बाद से हमने इस दिशा में और तेजी से काम किया। हमने माओवादियों को उनके किए की सजा देनी शुरू की। हम युवाओं को विकास की मुख्यधारा में भी लेकर आए। 11 सालों की दृढ़ प्रतिज्ञा का फल आज देश को मिलना शुरू हुआ है। 2014 से पहले देश में सवा सौ से ज्यादा ज़िले नक्सल प्रभावित थे, अब सिर्फ, सवा सौ से ज्यादा, अब सिर्फ 18 जिले नक्सल प्रभावित बचे हैं। अब सरकार सड़क भी दे रही है, रोजगार भी दे रही है। वो दिन दूर नहीं जब माओवादी हिंसा का पूरी तरह से खात्मा हो जाएगा, शांति, सुरक्षा, शिक्षा और विकास गाँव-गाँव तक बिना रुकावट के पहुंचेंगे।

आजादी के इतने दिनो बाद भी राजभाषा हिन्दी राष्ट्र भाषा न बन सकी, क्यो?

रवीन्द्र कुमार रतन

आजादी के इतने वर्षो बाद भी हिन्दी राज भाषा बनी, वाट जोह रही है कि कौन सरकार आयेगी, जो इसे राष्ट्र. भाषा के सिंघासन पर आरूढ़ करेगी ? सच पूछिये तो अंग्रेजी विचार धारा के लोग इसे राष्ट्रभाषा बनाने के प्रति गम्भीर नही है ।जरुरत है आज हिन्दी को सौतन होने से बचाने की । राष्ट्र की अस्मिता के प्रश्न पर सब एक होकर दिखलाईये ।सोचिये, विचारिये शीघ्र अब हिन्दी को सौतन होने से बचाइए अन्ग्रेज चले गए मगर अंग्रेजियत छोड़ गए ।हम आज भी हीन भावना से ग्रस्त हैं। बस में चलें,ट्रेन में चले तो धोती- कुरता पहने कोई विद्वान भी सामने आ जाये तो कोई उसे जगह नहीं देगा,मगर वहीं पर कोई सूट -बूट ,टाई लगाए अन्ग्रेज टाईप का अज्ञानी आदमी भीआजाये तो लोग तुरत उसे अपनी जगह देकर खड़े हो जाते हैं ।इससे लगता है आज की हिन्दी तो अपनो से ही हारी है ।हम सभी भाषा को सीखे , जानें समझें मगर हिन्दी को ही अपनाएं और उसे ही राष्ट्र भाषा अब बनाएँ।

राजभाषा हिन्दी को ही राष्ट्रभाषा अब बनाएँ।. औ हिन्दी दिवस को हम सबराष्ट्रीय उत्सव सा मनाएं ।?विवेकानंद ने हिन्दी में बोल कर विदेश में भारत और भारत की भाषा हिन्दी का झन्डा लहरा दिए थे ।अटल बिहारी वाजपेयी जी ने विदेश में हिन्दी में भाषण देकर भारत केभाल पर हिन्दी की विन्दी लगा कर भारत माँ का शृंगार किया। आज हिन्दुस्तान की युवा पीढी आइटी सेक्टर और मेडिकल की पढाई के कारण भी हिन्दी से बिमुख हो रहे हैं।जबकि एसी बात नही है ।अब तो प्राद्योगीकि के पढाई की व्यवस्था भी हिन्दी मे भी हो रही है। 14 सितम्बर 1949 कोभारत की संविधान सभाने हिन्दी को राजभाषा के रुप मे स्वीकार किया।उसी समय से हमलोग इस तिथि को हिन्दी-दिवस के रुप में मनाते आ रहे है। हिन्दी एक जीवन्त भाषा है देश काल और परिस्थिति के अनुसार इसने अपने आप को बदला है,यही कारण है कि आज हिन्दी विश्व व्यापी भाषा के रुप में प्रचारित और प्रसारित हो रही है। हम जानते हैं कि किसी भी भाषा का विकास या उसकी उन्नति उस देश के नेतृत्व की इक्षा शक्ति पर निर्भर करती है ।हिन्दी दिवस को छोड़ कर बकिये दिन सरकार द्वारा हिन्दी के विकास प्रचार और प्रसार से लोग इतना ज्यादा निरास हो चुके प्रतीत होते है ।ऐसे लोगो के कारण यह भाषा राष्ट्र भाषा के पद पर आरूढ़ नही हो पाती देश अपने आजादी का अमृत महोत्सव मना चुकी है इसके बाबजूद भी आज हिन्दी राष्ट्र भाषा के सिंघासन पर बैठ नहीं पाई ।देश है आजाद जब तो क्यों यहां परतंत्र हिन्दी ? राष्ट्र भाषा के सिंघासन क्यों नही आसीन हिन्दी? जब कि आज विश्व में सब से ज्यादा बोली जाने वाली भाषा का गौरव हिन्दी को ही प्रप्त है ।समाज में यह भ्रम फैला है कि रोजगार और प्रतिष्ठा की भाषा अन्ग्रेजी ही है, इसका परिणाम यह हुआ कि भारत में एक भाषाईआभिजात्य वर्ग पैदा हुआ जोअन्ग्रेजी के माध्यम से अपने हितों का दोहनकर शेषभाषा समाज का शोषण करतारहा ।इस प्रवृत्तिने हमारी मानसिक्ता को बीमार बना दिया है।जाने अनजाने में हम इस भावना के शिकार होने से उवर नहीं पा रहे है । हिन्दी हमारीजान-माल,मान सम्मानऔरशानहीनहीअपितु अन्तर्राष्ट्रिय स्तर पर यह हमारी पहचान तथा परिभाषा है। भारत की आत्मा में हिन्दी का निवास है, इसके विकास और विस्तार के बिनाभारत का विकास विस्तार सम्भव नहीं है ।ह्यहिन्दी दिवस मना लेने से,कविता-कहानी पढ़ लेने सेअगर समझते हो गेल हिन्दी तो न होगी माथे की विन्दी ।

मोदी : दुर्लभ संकल्प-शक्ति के अतुल्य नायक

अखंड पराक्रम के महायात्री मोदी

26 मई 2014 को नरेंद्र मोदी जी के भारत के प्रधानमंत्री बनते ही यह धारणा टूट गई। साल 2016 में उरी में हमारे सैन्य टुकड़ी पर हुए आतंकी हमले का भारतीय सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक करके मुंहतोड़ जवाब देकर अपने जवानों की मौत का बदला लिया। वहीं, 2019 में पुलवामा अटैक के बाद एयर स्ट्राइक करके भारतीय सैन्य बलों ने डंके की चोट पर पाकिस्तान में घुसकर आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूत किया। इन दोनों कार्रवाई ने पाकिस्तान सहित दुनिया की सभी आतंकी ताकतों को यह संदेश दे दिया था कि यह नया भारत है

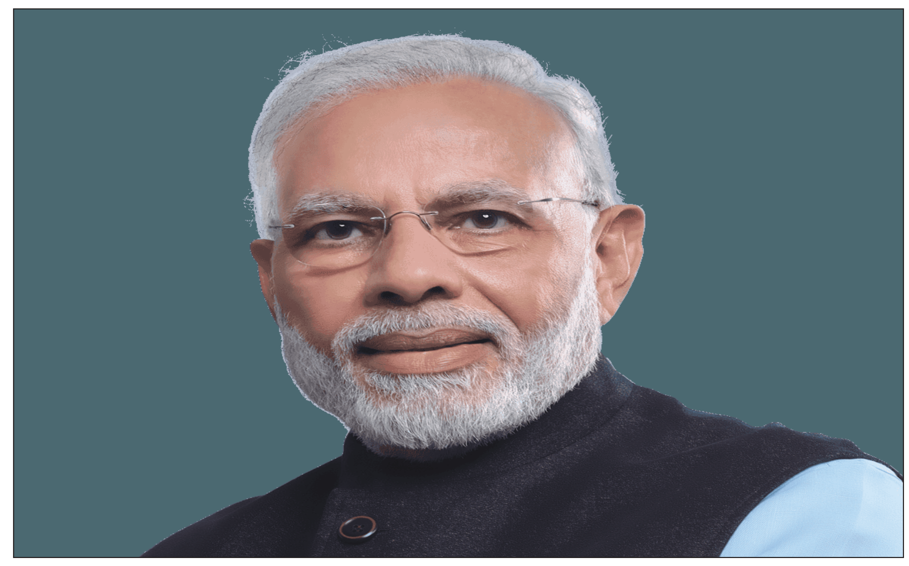

विष्णुदत शर्मा
लेखक

सन 2014 के पहले भारतीय जनमानस ने धीरे-धीरे यह मान लिया था कि आतंकवादी हमले हमारी नियति हैं और इसके बदले में कुछ किया नहीं जा सकता। यह धारणा तब और प्रबल हो गई जब मुंबई में 26/11 का हमला हुआ। पाकिस्तान से आये आतंकियों ने हमारे देश की आर्थिक राजधानी का सरेआम सीना छलनी कर दिया था। सारा देश आक्रोश से भर गया था, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री की लाचार चुप्पी ने देश की जनता और सेना दोनों का मनोबल धराशायी कर दिया था। उसके बाद भी आतंकी घटनाएँ होती रहीं, लेकिन केंद्र सरकार ने प्रतिकार नहीं किया और न ही उन निर्मम कुकृत्यों के प्रति भारतीय नेतृत्व में कभी बेचैनी देखी गई। उलटे पाकिस्तान से शांति की गुहार लगाते हुए कश्मीर के अलगाववादी संगठनों और आतंकियों के आकाओं की खुशामद होती रही। फलतः भारतीय जनमानस में यह हीनता पैठ कर गई थी कि आतंक के खिलाफ अब ठोस कार्रवाई एक दिवास्वप्न है। यह धारणा और बलवती होती गई कि आतंकवाद से हमारे निर्दोष नागरिक मारे जाते रहेंगे और दोषियों का कुछ नहीं किया जा सकता।

26 मई 2014 को नरेंद्र मोदी जी के भारत के प्रधानमंत्री बनते ही यह धारणा टूट गई। साल 2016 में उरी में हमारे सैन्य टुकड़ी पर हुए आतंकी हमले का भारतीय सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक करके मुंहतोड़ जवाब देकर अपने जवानों की मौत का बदला लिया। वहीं, 2019 में पुलवामा अटैक के बाद एयर स्ट्राइक करके भारतीय सैन्य बलों ने डंके की चोट पर पाकिस्तान में घुसकर आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूत किया। इन दोनों कार्रवाई ने पाकिस्तान सहित दुनिया की सभी आतंकी ताकतों को यह संदेश दे दिया था कि यह नया भारत है, जो सिर्फ बयानबाजी नहीं करता, बल्कि छेड़ने पर बमबारी करने में भी नहीं हिचकता है। पिछले एक दशक से पूरे विश्व। को ज्ञात है कि भारत अब पीड़ितों की तरह मुंह मोड़कर नहीं बैठता, अपितु वह घर में घुसकर जवाब भी देता है। यह अपने हिसाब से आतंकी अड्डों को मिट्टी में मिलाता है। इसकी सेनाएँ कोई सजावटी सामान नहीं हैं, यह साहस, शौर्य, सामर्थ्य की वैश्विक मिसाल हैं।

दुर्भाग्य से 22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकियों ने एक बार फिर हमारी छाती को छलनी किया, लेकिन वे भूल गए थे कि नया भारत अभी भी नरेंद्र मोदी के हाथों में ही है और दस साल में हमारी सेना का सामर्थ्य भी कई गुना बेहतर हो चुका है। इस कल्पना से ही रूह काँप जाती है कि 22 अप्रैल की नृशंस व बर्बर आतंकी घटना (जिसमें धर्म पूछकर लोगों को मारा गया) के समय यदि केंद्र में कांग्रेस की सरकार होती तो क्या होता? निंदा, विलाप और बयानबाजी के वही पुराने राग गाये जाते जो पिछले कई दशकों तक सुनाए जाते रहे, लेकिन देश की माटी का यह सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री की कुर्सी पर नरेंद्र मोदी जी जैसा निर्णायक, निर्भीक एवं निडर नेतृत्व है, जिसने देश को न झुकने देने की सौगन्ध खायी हुई है, जिसने भारत की बेटियों की लाज बचाने का संकल्प लिया है, जिसने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना सारा जीवन मां भारती को सौंप दिया है। जिसकी आतंकी देशों से निरर्थक बातचीत में कोई रुचि नहीं है। जिसने पाक अधिकृत कश्मीर को भारत में लाने का सपना पाला हुआ है। जिसका मत एकदम स्पष्ट है, आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं हो सकती, आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते और पानी व खून भी एक साथ नहीं बह सकता। जिसने देश की सीमाओं को अभेद्य बनाने का बीड़ा उठाया है। सौभाग्य से आज देश के पास ऐसा प्रधानमंत्री है, जिसने समूचे विश्वज के समक्ष भारत का ह्यन्यू नार्मलह्व रख दिया है, जिसमें आतंकवाद पर घड़ियाली आँसू नहीं बहेगा, बल्कि आतंकियों और उनके आकाओं का खून बहेगा एवं उनके फन उनकी माँद में घुसकर कुचले जाएँगे।

पहलगाम की बर्बरता से सारा देश आहत हुआ, उसका बदला लेने के लिए संकल्पित प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया और आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने के लिए भारतीय सेनाओं को पूरी छूट दी। अपने संकल्प को सिद्ध करते हुए मोदी सरकार ने भारत की ओर आँख उठाने का अंजाम आज हर आतंकी और उनके संगठनों को बता दिया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने अदम्य साहस दिखाते हुए पाकिस्तान के उन अड्डों का नामो-निशान मिटा

लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होल्कर, वीरता, त्याग, राष्ट्रभक्ति की प्रतीक

अहिल्याबाई होल्कर का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। देश में जब भी किसी महिला का जीवन आदर्श, वीरता, त्याग , राष्ट्रभक्ति के लिए सदा याद किया जाता है, उनमें रानी अहिल्याबाई होल्कर का नाम जेहन में आता है। वे 18वीं शताब्दी की एक ऐसी प्रेरणादायक महिला थी जिनका पूरा जीवन आज समाज के लिए बड़ी प्रेरणा का स्रोत है

हर्षवर्धन पांडे
लेखक

लोकमाता की 300वीं जयंती

भारत देश अपनी गौरवशाली संस्कृति, इतिहास और परंपराओं के लिए दुनिया में जाना जाता है। यहाँ अनेक ऐसे योद्धा, शासक, शासिकाओं ने जन्म लिया है जिनका नाम लोककल्याण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में आज भी गर्व के साथ लिया जाता है। इनमें से अहिल्याबाई होल्कर का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। देश में जब भी किसी महिला का जीवन आदर्श, वीरता, त्याग , राष्ट्रभक्ति के लिए सदा याद किया जाता है, उनमें रानी अहिल्याबाई होल्कर का नाम जेहन में आता है। वे 18वीं शताब्दी की एक ऐसी प्रेरणादायक महिला थी जिनका पूरा जीवन आज समाज के लिए बड़ी प्रेरणा का स्रोत है। होल्कर राजवंश का इतिहास जितना समृद्ध रहा है, उतनी ही अहिल्याबाई होल्कर की विरासत लोककल्याण के कार्यों के लिए जानी जाती है। कुशल प्रशासन एवं कर्तव्यपरायणता जैसे अपने अनेक मानवीय गुणों के कारण अहिल्याबाई होल्कर के द्वारा कराये गए अनेक कार्य देश में आज भी याद किये जाते हैं । उन्होंने अपने जीवनकाल में कभी कहीं कोई समझौता नहीं किया। पूरी कर्तव्यनिष्ठा व अनुशासन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए लोककल्याण एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति संकल्पबद्ध होकर हर पल का सदुपयोग ही किया शायद यही वजह थी कि समाज के बीच उनकी एक अलग ही विशिष्ट पहचान और प्रतिष्ठा थी। भारतीय संस्कृति एवं लोककल्याण के कार्यों के प्रति उन उनका सम्मान का भाव उनके द्वारा किए गए अनेकानेक कार्यों में देखा जा सकता था। हमारी संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन हेतु जन -जन को प्रेरित व प्रोत्साहित करना उनका स्वाभाविक गुण था। सचमुच उनका जीवन आज समाज के लिए प्रेरणा व प्रोत्साहन का अविरल स्रोत है। अहिल्याबाई होलकर का जन्म 31 मई, 1725 को अहमदनगर, महाराष्ट्र के गाँव छौंदी में एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। एक साधारण से किसान परिवार में जन्मीं अहिल्याबाई होलकर छोटी उम्र से ही अपनी संस्कृति पर गर्व करती थी, साथ ही प्रजा में रह रहे आमजनों की पीड़ा की अनुभूति भी करती थी। इनके पिता मनकोजी राव शिन्दे शिवभक्त थे। पिता के संस्कार बालिका अहिल्या पर भी पड़े। उनके पिता मानकोजी शिंदे खुद धनगर समाज से थे, जो गांव के पाटिल की भूमिका निभाते थे। अहिल्याबाई का जीवन भी बहुत साधारण तरीके से गुजर रहा था लेकिन एकाएक किस्मत ने पलटी खाई और वह 18वीं सदी में मालवा प्रांत की रानी बन गईं। अहिल्याबाई होल्कर ने मालवा प्रांत की महारानी बनकर राजमाता के रूप में बड़ी लकीर खींची। अहिल्याबाई का 30 वर्षों का शासनकाल सुशासन का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करता है। उनकी प्रजा केंद्रित नीतियां, जैसे प्रतिदिन जन-सुनवाई करना और गरीब व्यक्ति के दुःख , दर्द और समस्याओं की शिकायत सुनना उनका निवारण करना एक आदर्श शासन की नीव रखता है। उनकी निष्पक्षता और पारदर्शिता ने उन्हें न्याय की देवी बनाया। अहिल्याबाई का शासन हमें याद दिलाता है कि नेतृत्व में ईमानदारी और जवाबदेही कितनी महत्वपूर्ण है। उन्होंने व्यापार और उद्योग को बढ़ावा दिया। विशेष रूप से महेश्वर में हथकरघा उद्योग की स्थापना की जो आज भी महेश्वरी साडिनों के लिए प्रसिद्ध है।

अहिल्याबाई ने 18वीं शताब्दी में विधवा उत्पीडन और जातिगत भेदभाव जैसी कुरीतियों के खिलाफ कदम उठाए। उन्होंने विधवाओं को सम्मानजनक जीवन दिया और महिलाओं को शिक्षा व प्रशासन में शामिल किया। अहिल्याबाई की भक्ति और धार्मिक कार्य आज के भारत के सन्दर्भ में भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया, सोमनाथ, अयोध्या और अन्य तीर्थस्थानों पर मंदिर और धर्मशालाएं बनवाईं। यह भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म के संरक्षण का प्रतीक था। आज जब भारत अपनी सांस्कृतिक विरासत को मजबूत कर रहा है, अहिल्याबाई के कार्य हमें याद दिलाते हैं कि आस्था और संस्कृति समाज को जोडने का काम करती हैं। उन्होंने नर्मदा नदी के तट पर घाट और कुएं बनवाए, जो पर्यावरण संरक्षण और तीर्थयात्रा को आसान बनाने का प्रतीक थे ।युवा अहिल्यादेवी का चरित्र और सरलता ने मल्हार राव होल्कर को भी प्रभावित किया। वे पेशवा बाजीराव की सेना में एक कमांडर के तौर पर काम करते थे। उन्हें अहिल्या इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने उनकी शादी अपने बेटे खांडे राव से करवा दी। इस तरह अहिल्याबाई एक दुल्हन के तौर पर मराठा समुदाय के होल्कर राजघराने में पहुंची। उनके पति की मौत 1754 में कुंभेर की लड़ाई में हो गई थी। ऐसे में अअहिल्याबाई पर जिम्मेदारी आ गई। उन्होंने अपने ससुर के कहने पर न केवल सैन्य मामलों में बल्कि प्रशासनिक मामलों में भी रुचि दिखाई और प्रभावी तरीके से उन्हें अंजाम दिया। शादी के बाद उनका एक पुत्र और एक पुत्री हुई। वहीं कुछ सालों बाद ही अहिल्याबाई के पति का देहांत हो गया। इसके कुछ समय बाद ही 1766 में उनके ससुर मल्हारराव होल्कर की भी मृत्यु हो गई। जिसके बाद उन्होंने सत्ता को संभालने का भार अपने ऊपर ले लिया। शासन संभालने के कुछ दिनों बाद ही साल 1767 में उनके जवान पुत्र मालेराव की भी मृत्यु हो गई। पति, पुत्र , पुत्री, पुत्रवधू और पिता समान ससुर को खोने के बाद भी उन्होंने जिस तरह साहस और धैर्य से अपने कर्तव्यों का निर्वाहन किया से काम किया वो सराहनीय है। इस संकटकाल में एक तपस्विनी की तरह से श्वेत वस्त्र धारण कर राजकाज चलाया और परिवार पर भीषण वज्राघात के बाद भी रानी अविचलित रहते हुए अपने कर्तव्यपथ पर हमेशा डटी रहीं। अहिल्याबाई एक विनम्र एवं उदार वीरांगना थी जिनके अंदर गरीबों और असहाय व्यक्ति के लिए दया और परोपकार की भावना भरी हुई थी। उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया था। मल्हारराव के निधन के बाद उन्होंने पेशवाओं की गद्दी से आग्रह किया कि उन्हें क्षेत्र की प्रशासनिक बागडोर सौंपी जाए। मंजूरी मिलने के बाद 1766 में रानी अहिल्यादेवी मालवा की शासक बन गई।

भ्रष्टाचार और व्यक्तिगत स्वार्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था पर खड़ा करता है संकट

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

भारतीय लोकतंत्र की सबसे सशक्त पहचान उसकी विधायिकाएं हैं- संसद और विधानसभाएं। इन्हीं के अंदर जनता की आवाज गूंजती है, जनता की समस्याएं उठती हैं और जवाबदेही तय होती है। लेकिन जब यही मंच भ्रष्टाचार और व्यक्तिगत स्वार्थ के अड्डे में बदलने लगे, तो पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था पर संकट खड़ा हो जाता है। राजस्थान में भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के विधायक जयकृष्ण पटेल की घटना लोकतांत्रिक व्यवस्था पर संकट खड़ा करता है।

भारतीय विधायिकाओं में प्रश्नकाल को लोकतंत्र की आत्मा कहा जाता है। यह वह समय होता है जब जनप्रतिनिधि सरकार से प्रश्न करते हैं, जनता की परेशानियों को सीधे-सीधे मंत्रियों और अधिकारियों के संज्ञान में लाते हैं। लेकिन अगर यह मंच व्यक्तिगत स्वार्थ में बदल जाए तो इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था का हत्या करना ही कहा जायेगा। चूकि राजस्थान के बीएपी विधायक जयकृष्ण पटेल को, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रंगे हाथ पकड़ा है और आरोप है कि उन्होंने विधानसभा में खान विभाग से जुड़े सवाल को वापस लेने के लिए एक खनन कारोबारी से करोड़ों रुपये की मांग की थी। इससे स्पष्ट होता है कि यह केवल भ्रष्टाचार नहीं है बल्कि सत्ता की ताकत का दुरुपयोग भी है। जबकि विधायिका का दायित्व होता है कि जनता के प्रति जवाबदेही तय करना, लेकिन जब वही विधायक सवाल उठाने या न उठाने के एवज में पैसे मांगे, तो यह सीधा लोकतंत्र पर हमला ही कहा जायेगा। जबकि विधायिका का प्रश्नकाल का उद्देश्य होता है जनता की समस्याओं को सामने लाना। मंत्रियों को जवाब देना होता है, जिससे नीतियों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ती है। कई बार उठाए गए सवालों के चलते सरकारों को अपनी नीतियों में बदलाव करना पड़ता हैं। प्रश्नकाल से ही पता चलता है कि सरकार जनता के प्रति कितनी संवेदनशील है। लेकिन इन सभी उद्देश्यों पर तब पानी फिर जाता है जब कोई सवाल धन के बदले में बनाया या हटाया जाता है।

देखा जाय तो यह कोई पहला मामला नहीं है। क्योंकि 2005 में संसद में स्टिंग ऑपरेशन हुआ था, जिसमें 11 सांसदों को कैमरे पर पैसे लेकर सवाल पूछने का वादा करते हुए पकड़ा गया था। संसद ने इन्हें निष्कासित कर दिया था। यह भारत के संसदीय इतिहास का पहला बड़ा नैतिक झटका था। उसी प्रकार 2023 में महुआ मोइत्रा प्रकरण हुआ था, जिसमें तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा पर एक कारोबारी से प्रश्न पूछने के लिए लॉगिन क्रेडेंशियल साझा करने और पैसे लेने के आरोप लगा था। लोकसभा की एथिक्स कमेटी की सिफारिश पर उन्हें संसद से निष्कासित कर दिया गया था। भारतीय संसद और विधानसभाओं में आचरण समिति का गठन इसीलिए किया गया है कि वह माननीय सदस्यों के आचरण पर निगरानी रखे। लेकिन वास्तविकता यह लगता है कि इन समितियों की सक्रियता केवल चचाओं तक सीमित रहती है। जब तक यदि सख्त कार्रवाई और पारदर्शी जांच नहीं होगी, ऐसे कृत्य दोहराए जाते रहेंगे ।जब कोई जनप्रतिनिधि भ्रष्टाचार में लिप्त पाया जाता है, तो संबंधित दल का रवैया भी जांच के घेरे में आना चाहिए ।क्योंकि संबंधित दल क्या उस विधायक को तुरंत पार्टी से निलंबित करता है? क्या उससे जवाब मांगता है? अफसोस की बात है कि ज्यादातर दल या तो चुप्पी साध लेता हैं या फिर जांच को राजनीतिक साजिश करार देकर मामले को भटका देता हैं।

जनता को चाहिए कि वह सोच समझकर वोट करें ताकि ईमानदारी, पारदर्शिता और काम करने की इच्छा वाले उम्मीदवार ही चुनाव जीत सके, न कि अपना आदमीह्व या जाति-धर्म वाले। ऐसा करने पर ही जनप्रतिनिधि खुद को राजा नहीं समझेंगे। विधानसभाओं और संसद की कार्यवाही में लगातार गिरावट देखी जा रही है। कभी-कभी तो प्रश्नकाल पूरा ही स्थगित हो जाता है। कई बार माननीय अनुपस्थित रहते हैं या सवाल पूछने के बाद खुद ही मौजूद नहीं होते।

जब कोई विधायक या सांसद पैसे लेकर सवाल पूछे या वापस ले, तो जनता के मन में एक ही सवाल उठता है, क्या हम इन्हें अपना प्रतिनिधि मानें या दलाल? यह सिर्फ सवालों की खरीद-फरोख्त नहीं है, यह भरोसे की हत्या है।

जिलाधिकारी के जनता दरबार में 98 मामलों की हुई सुनवाई

कई मामलों का हुआ ऑन-द-स्पॉट समाधान

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। जिलाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों को बारी-बारी से सुना। जनता दरबार में कई समस्याओं एवं शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट समाधान कराया गया। साथ ही कई मामलों में संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को फोन कर समस्याओं का समाधान करने के लिए शीघ्र समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी के जनता दरबार में 98 मामले आए। जिन मामलों का समाधान आज नहीं हो सका, उसे संबंधित विभाग/अधिकारियों को भेजते हुए त्वरित गति से नियमानुकूल समाधान कराने हेतु निर्देशित किया गया। जनता दरबार में कई तरह के मामले आए। जिसमें खेल, राजस्व, शिक्षा, आपूर्ति, आवास, स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या आदि शामिल हैं। जिलाधिकारी ने हर मामले को बहुत गौर से सुना और नियमानुसार समाधान की दिशा में आवेदन को आगे बढ़ाया। जिन लोगों ने अपनी समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया उनमें सीमा देवी, रमेश राम, हरिहर हरिजन, चन्दा देवी, जवाहर दास, देवनाथ प्रसाद, उमेश यादव, अर्जुन चौरसिया, अमृता कुमारी, मीना देवी, सुमन देवी, अनिल कुमार आदि के नाम शामिल हैं। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सुमित कुमार, अपर समाहर्ता राजीव कुमार सिंह, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार, वरीय उप समाहर्ता रोचना माद्री विशेष कार्य पदाधिकारी जिला गोपनीय शाखा सुजीत कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

30 करोड़ की राशि से थरूहट क्षेत्र में होगा विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन : जिला पदाधिकारी

थरूहट क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सरकार एवं जिला प्रशासन लगातार कर रही है कार्य

बेतिया(घनश्याम)। जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय की अध्यक्षता में गुरूवार को समेकित थरूहट विकास अभिकरण योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु प्रस्तावित योजनाओं के चयन से संबंधित प्रबंधनकारिणी समिति की बैठक सम्पन्न हुयी। इस अवसर पर सांसद सुनील कुमार विधायक राम सिंह,धीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह विरेन्द्र गुप्ता थारू विकास मंच चम्पारण आदिवासी उरांव संघ के अध्यक्ष/सचिव एवं सदस्य सहित उप विकास आयुक्त, वन प्रमंडल पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी, समेकित थरूहट विकास अभिकरण, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में समेकित थरूहट विकास अभिकरण के माध्यम से ली जाने वाली योजनाओं के लिए विषयवार बजट प्राप्त हो गया है। कुल-3000.00 लाख रुपए प्राप्त हुए हैं। जिसमे सहायक अनुदान-वेतन के लिए 35 लाख, सहायक अनुदान-परिसंपतियों के निर्माण हेतु 2365 लाख तथा सहायक अनुदान-गैर वेतन के लिए 600 लाख रुपए शामिल हैं। प्रबंधनकारिणी समिति की बैठक में माननीय जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों से प्राप्त प्रस्तावित विभिन्न योजनाओं यथा-थरूहट क्षेत्र में रोड, पुल-पुलिया का निर्माण, सभी बगहा-02, गौनाहा, रामनगर एवं मैनाटांड़ के थरूहट क्षेत्र में अलग-अलग एंबुलेंस की व्यवस्था, निविदा में थरूहट क्षेत्र के लोगों की सहभागिता, कला संस्कृति भवन का निर्माण, होम स्टे की व्यवस्था, पर्याप्त शिक्षकों एवं समुचित चिकित्सा व्यवस्था आदि पर विचार-विमर्श किया गया। इसके साथ ही उपस्थित माननीय जनप्रतिनिगण द्वारा थरूहट क्षेत्र के समेकित विकास के लिए अपने-अपने सुझाव व्यक्त किये गये। जिलाधिकारी, श्री दिनेश कुमार राय ने कहा कि राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन थरूहट क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कृतसंकल्पित है तथा इस हेतु लगातार कार्रवाई की जा रही है। वर्तमान वितीय वर्ष में 3000 लाख रुपए की राशि से विभिन्न विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं को क्रियान्वयन किया जाना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि थरूहट विकास अंतर्गत योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वित किया जाना है। योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवता का पूरा ख्याल रखा जाय। चल रही योजनाओं को ससमय पूरा करना है तथा चयन की जाने वाली योजनाओं को भी निर्धारित समयावधि में गुणवतापूर्ण तरीके से क्रियान्वित कराना है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि समय पर कार्य पूर्ण नहीं करने वाले तथा कार्य के प्रति लापरवाही एवं कोताही बरतने वाले संवेदकों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई करें। थरूहट क्षेत्र में विभिन्न आधारभूत संरचनाओं के निर्माण हेतु जमीन की उपलबधता प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करें। इस हेतु संबंधित अधिकारी समन्वय स्थापित कर कार्य करें।

संक्षिप्त खबरें

बॉडी वारंट के निष्पादन हेतु 02 से 07 जून तक वारंट सप्ताह

बेतिया(घनश्याम)। अध्यक्ष-सह-सदस्य राजस्व पर्ष बिहार पटना की अध्यक्षता में नीलाम पत्र वाद की समीक्षा के क्रम में नीलाम पत्र वाद के त्वरित निष्पादन में बॉडी वारंट के निष्पादन हेतु 02 जून से आरंभ होने वाले सप्ताह को वारंट सप्ताह के रूप में घोषित किये जाने का निर्णय लिया गया है। उक्त आलोक में जिला पदाधिकारी दिनेश कुमार राय द्वारा जिला नीलाम पत्र पदाधिकारियों को सबंधित बैंक से लॉजिस्टिक्स सपोर्ट आदि प्राप्त कर अपने अधीनस्थ क्षेत्रान्तर्गत जन जागरूगता अभियान, थाना द्वारा कैम्प अथवा अन्य कार्यक्रम आयोजित कर लंबित नीलाम पत्र वाद का निष्पादन सुनिश्चित कराने हेतु निदेश दिया गया है। उन्होंने निर्देश दिया कि दिनांक 02.06.2025 के शुरू होने वाले सप्ताह को वारंट सप्ताह के रूप में मनाते हुए नीलाम पत्र, वाद का त्वरित निष्पादन कराना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही संबंधित मामले में प्राप्त प्रतिवेदन प्रतिदिन अपराह्न 03.00 बजे तक जिला नीलाम पत्र शाखा, बेतिया को निश्चित रूप से उपलब्ध कराने की कृपा की जाए।

ट्रेन से कटकर एक व्यक्ति की मौत पुलिस प्रशासन मौका ए वारदात पर पहुंची

बगहा। बगहा के नौरंगिया थाना अंतर्गत मदनपुर स्थित हनुमानगढ़ी ढाल के समीप पोल संख्या 300/23 के पास ट्रेन से कटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है।सिर धड़ से अलग रेलवे ट्रैक के बीच पीडीए हुआ बरामद किया गया है।नौरंगिया थाना अध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि एसआई प्रिया कुमार एएसआई धर्मेंद्र कुमार के साथ घटनास्थल पर पहुंचा। शव के पास से मिले आधार कार्ड से शव की पहचान उत्तरप्रदेश के कुशीनगर पडरौना नुनिया पट्टी निवासी तपेश्वर गुप्ता के रूप में हुई है।परिजनों को इसकी सूचना दिया जा रहा है।

माधोपुर की बहु प्रियंका के एएनएम पद पर चयनित होने पर दी बधाई

प्रात : किरण संवाददाता

रसूलपुर।थाना क्षेत्र की चनचौरा पंचायत के माधोपुर गांव की बहू प्रियंका का चयन बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग में एएनएम के पद पर हुआ है जिनका योगदान सिवान जिले के भगवानपुर हाट प्रखंड स्वास्थ्य केंद्र पर हुआ है।प्रियंका की इस सफलता पर ग्रामीणों ने बधाई देते हुए कहा है कि इससे उनका गांव गौरवान्वित हुआ है। प्रियंका बताती है कि तीन बच्चो की माँ होने के साथ परिवार की सभी ज़िम्मेदारियों को निभाते हुए परीक्षा की तैयारी कर के सफलता हासिल करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। पर यह सफलता उनके पति अतुल उपाध्याय ,ननद सविता - प्रदीप मिश्रा ,श्वसुर शिक्षक हृदयानंद उपाध्याय , सास सावित्री देवी के सहयोग के बिना संभव नहीं था।परिवार से जुड़े समाजसेवी अवधेश उपाध्याय व प्रकाश -सरोज उपाध्याय ने बताया कि निश्चित रूप से प्रियंका की इस सफलता से हम सभी प्रफुल्लित हैं और आशा है कि प्रतियोगिता की तैयारी कर रहीं क्षेत्र बहु -बेटियां प्रियंका से प्रेरणा लेंगी।

ये है नए भारत का असली चेहरा नेटवर्क के लिए चिन्हित जगह पर एकत्रित होते हैं ग्रामीण

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नए भारत का असली चेहरा अगर देखना हो तो बिहार का थरुहट बहुलता वाले अतिपिछड़ा क्षेत्र दोन चले जाइए।जी हां आपको नए भारत का बदलता हुआ चेहरा दिख जाएगा। बुनियादी सुविधाओं की बाट जोह रहे दोन क्षेत्र के ग्रामीण आज भी मूलभूत सुविधाओं से बहुत दूर अपना जीवन व्यतीत कर रहे है।जब आप दोन के किसी इलाके में चले जाएंगे तो आपको कहीं कहीं कुछ ग्रामीण महिला और पुरूष एक जगह इकठ्ठे दिखाई देंगे।ये कोई ग्रामीण समस्याओं के निदान पर चर्चा केलिए नहीं बल्कि नेटवर्क के लिए। स्थानीय निवासी धर्मेंद्र प्रसाद ने बताया कि इस क्षेत्र में बिजली और दूरसंचार की सुविधा नहीं के बराबर है।कहीं कहीं चिन्हित की हुई जगहें है जहां पर नेटवर्क आता है या पकड़ता है।ऐसे जगहों पर गांव के लोग इकट्ठा होकर अपने मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं। 299 और 209 रुपये का रिचार्ज कराते है जो यूंही जाया हो जाता है।कहीं कहीं नेटवर्क मिलता है लेकिन उस जगह से थोड़ा इधर उधर होने पर नेटवर्क गायब हो जाता है।ये है आज के दौर में अविकसित दोन क्षेत्र के आजाद के 70 साल के बाद की तस्वीरे

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में एक और बाघ की मौत, वन विभाग में मचा हड़कंप

प्रात : किरण संवाददाता

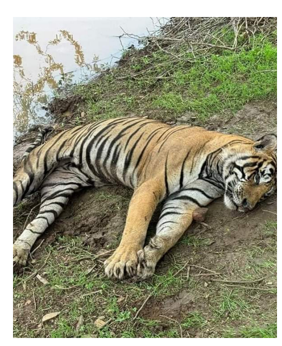

बेतिया मोहन सिंह। **VTR** में गुरुवार 29 मई 25 को एक बाघ की मौत हो गई ठोरी वन क्षेत्र के कंपार्टमेंट संख्या 56 में नर बाघ का शव बरामद किया गया। इससे पहले 21 मई को दोन क्षेत्र में भी एक युवा बाघिन की संदिग्ध मौत हुई थी। लगातार हो रही इन ममौतोंने **VTR** में बाघों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं जो एक चिंता का विषय है। आपसी संघर्ष में मौत की आशंका प्रमंडल 2 के **DFO** पियूष बरनवाल ने बताया कि सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि यह मौत दो बाघों के आपसी संघर्ष का नतीजा हो सकता है। बीते सालों में कई बाघों की गई जान **VTR** में बाघों की मौत कोई नई बात नहीं है। बीते एक दशक में दर्जनों बाघ आपसी संघर्ष, शिकार और हादसों में अपनी जान गंवा चुके हैं। प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं: 2013: मदनपुर वनक्षेत्र में और नौरंगिया दोन में दो बाघों की मौत (आपसी संघर्ष)। 2014: दो बाघों की मौत, एक आपसी भिड़ंत में। 2015: वाल्मीकिनगर-पनियहवा रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटकर बाघिन की मौत। 2013: मदनपुर वनक्षेत्र में और नौरंगिया दोन में दो बाघों की मौत (आपसी संघर्ष)। 2014: दो बाघों की मौत, एक आपसी भिड़ंत में। 2015: वाल्मीकिनगर-पनियहवा रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटकर बाघिन की मौत। 2016: दो बाघों की खाल शिकारियों से बरामद; फरवरी में एक बाघ का शव मिला। 2018-2019: दो बाघों की आपसी संघर्ष में मृत्यु। 2021: 31 जनवरी: गोबर्धना वन रेंज में बाघ की मौत (वर्चस्व की लड़ाई)। 13 अक्टूबर: मांगुराहा रेंज में बाघ का शव मिला (संघर्ष में मौत)। 12 दिसंबर: चकरसन मानपुर में खेत में मृत पाई गई बाघिन । 2022: 5 जनवरी: कालेश्वर मंदिर परिसर में आठ माह की मादा शावक की मौत। एक महीने में 2 बाघों की मौत पिछले कुछ सालों में श्ळफमें बाघों की संख्या भले बढ़ी हो, लेकिन मौतों की दर भी चिंता का विषय बन चुकी है। वन्यजीव विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर एक ही महीने में दो बाघों की मौत हो रही है, तो यह सिर्फ प्राकृतिक घटना नहीं हो सकती है। कहीं न कहीं मानव हस्तक्षेप, सीमित टेरिटरी या निगरानी की कमी इसका कारण बन सकती है।

घर मे घुसे रसैल वाइपर सांप का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकिनगर के करमाबारी गांव के एक घर मे घुसे रसैल वाइपर सांप का सफलतापूर्वक रेस्क्यू वनकर्मियों द्वारा कर लिया गया है।रेंजर श्रीनिवासन ने बताया कि सूचना मिली कि करमाबारी के शर्मा जी के घर मे एक रसैल वाइपर घुसा हुआ है।तत्काल वनकर्मियों की टीम को उक्त स्थल पर भेजा। बतादें की रसैल वाइपर सांप भारतीय उपमहाद्विप में पाए जाने वाले 5 सबसे जहरीले सांपों में से एक है।जिसके बाइट करने के कुछ देर में समुचित उपचार फौरन नहीं मिलने से मरीज की मौत हो जाती है। बरसात और गर्मी की वजह से ये जीवजन्तु रिहायशी इलाके की तरफ चले आ रहे है।रेंजर ने बताया कि ऐसा कहीं कोई मामला सामने आए तो जीवजंतुओं को कोई नुकसान पहुंचाए बिना आप तुरंत हमे यानी कि वन विभाग को सूचित करें और इनसे दूरी बनाकर रहें।

नगर निगम बजट का बहिष्कार के बाद आरोप -प्रत्यारोप का दौरा हुआ शुरू

पार्षदों के साथ-साथ उप मेयर रागिनी कुमारी का भी सुर बदला

- सशक्त अस्थाई समिति सदस्य छोड़, सभी पार्षद हुए गोल बंद

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। मेयर लक्ष्मी नारायण गुप्ता नगर निगम बोर्ड को अपनी मर्जी से चलाना चाहते हैं, पार्षदों के बातों को नजरअंदाज किया जाता है, यही कारण है कि गुरुवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट को लेकर आयोजित बैठक का पार्षदों ने जमकर विरोध किया। डिप्टी मेयर रागिनी कुमारी ने भी पाषर्दो के साथ बजट का विरोध करते हुए सदन से बाहर निकल गई। रागिनी कुमारी के अनुसार बजट उपस्थापन ही नहीं हुआ, आम सभा की जानकारी भी डिप्टी मेयर को नहीं दी गई। इधर लक्ष्मी नारायण गुप्ता एवं पार्षद एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। एक तरफ पार्षद मेयर पर मनमानी करने का आरोप लगाने की बात कह रहे हैं। मेयर के पास केवल सशक्त अस्थाई समिति को छोड़कर सभी पार्षद एकजुट हो गए हैं। दूसरी तरफ मेयर का कहना है कि 19 मई की बैठक में सभी पार्षदों ने कार्रवाई पुस्तिका पर हस्ताक्षर किया है। पार्षद शहर के विकास में बाधक बन रहे हैं, यही कारण है कि बजट को पास नहीं होने दे रहे हैं। मेयर लक्ष्मी नारायण गुप्ता का कहना है कि पार्षदों को योजना पर विस्तार से चर्चा करने की जरूरत है। वित्तीय वर्ष 2024- 25 में सभी वार्डों में 33 करोड रुपए में से प्रत्येक वार्ड में 30 से 80 लाख के बीच सड़क एवं नाला निर्माण के लिए राशि आवंटित किया जा चुका है, जिस पर कार्य भी हो रहा है। पार्षदों द्वारा विरोध के मामले पर वार्ड नंबर 30 के पार्षद नाजिया सुल्तान के प्रतिनिधि एवं नगर निगम के जानकार सुल्तान हुसैन इदरीसी ने कहा कि हर वार्ड में एक करोड रुपए का कार्य पार्षदों के माध्यम से होना था, जिसमें 90% वार्ड में कार्य नहीं हो पाया है, मामला अधर में है, चाहे कारण जो भी हो। हर वार्ड में 100 लाइट लगाने का भी निर्णय हुआ था। वाड पार्षदों से चयनित स्थल भी ले लिया गया, लेकिन कार्य लंबित है। सुल्तान हुसैन इदरीसी का यह भी कहना है कि बजट से पहले हर वार्ड में आम सभा कर चयनित योजनाओं को लेना है, और नगर निगम के बजट में देना है। लेकिन 95 प्रतिशत वार्ड में आमसभा ही नहीं हुआ है। विकास योजनाओं पर कार्य नहीं हो पाया है,स्पैरो सफाई एजेंसी को हटाया गया था, लेकिन मेयर द्वारा नहीं लेना दुर्भाग्यपूर्ण है। वहीं पिछला बैठक का बोर्ड के प्रोसिडिंग देना था, जिसे नहीं दिया गया। बोर्ड की बैठक में हंगामा के बीच मेयर ने पार्षदों से यह भी कहा कि नगर निगम का वित्तीय वर्ष 2025- 26 का बजट 4 अरब 8 करोड़ 58 लाख से अधिक रुपए का है, जिसे वेतन सहित विभिन्न विकास मदों में खर्च किया जाना है, जिसमें विज्ञापन,होल्डिंग टैक्सएवं जुमार्ना से भी आय होगा, इसे पास करने की अपील की गई। जबकि पार्षदों का कहना था कि 19 में को उप स्थापन की बैठक का बहिष्कार किया गया था। वित्तीय वर्ष 2024- 25 के बजट पर पहले चर्चा की जाय, इसके बाद वित्तीय वर्ष 2025 -26 का बजट पास होगा। इसके अलावा बोर्ड की बैठक में पार्षद ने एक करोड़ रुपए के वार्ड में काम करने के लिए नाला और सड़क निर्माण का नापी करने की भी मांग कर रहे थे। हंगामा के बीच पार्षदों ने वित्तीय वर्ष 2025- 26 का बजट को सदन में पास से पहले वित्तीय वर्ष 2024- 25 के बजट की राशि के बारे में जानकारी मांग की गई। पार्षदों द्वारा अपनी आपत्ति कार्यवाही पुस्तिका में बैठक बहिष्कार करने की बात को अंकित कराई गई। हालांकि सभी पार्षद वार्डों में एक करोड़ के काम के लिए योजना बनाने के बाद ही बजट पर चर्चा करने का तैयार थे।

विद्यार्थियों ने किया संग्रहालय भ्रमण पेंटिंग में लिया हिस्सा

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के उपलक्ष्य में आज दिनांक को छपरा संग्रहालय, छपरा (सारण) द्वारा विद्यार्थियों को संग्रहालय के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शुक्रवार को संग्रहालय भ्रमण, चित्रांकन एवं शिल्प प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे बी. सेमिनरी, छपरा, किलकारी बाल भवन, छपरा; सारण एकाडमी, छपरा; आदर्श मध्य विद्यालय, छपरा; राजकीय मध्य विद्यालय, शिव बाजार; राजकीय मध्य विद्यालय, मौना दालदली, आदि विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया चित्रांकन प्रतियोगिता में किलकारी बाल भवन की रिशिका गुप्ता, सिमरन कुमारी तथा राजलक्ष्मी कुमारी को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय तथा बी. सेमिनरी के राजा कुमार, भागीरथी कुमारी, अनुष्का कुमारी तथा किलकारी बालभवन की आरुशी कुमारी एवं आरती कुमारी को सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया शिल्प प्रतियोगिता में किलकारी बाल भवन की दीक्षा कुमारी, माही सिंह एवं प्रिंस कुमार को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय तथा विभा गुप्ता, दीक्षा सिंह एवं अनमोल कुमार को सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया ` छपरा संग्रहालय के सहायक संग्रहालयाध्यक्ष डॉ. विमल तिवारी ने सभी विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के आयोजन से अवगत कराते हुए संग्रहालय की उपयोगिता के बारे में बताया` उपस्थित अतिथियों तथा सहायक संग्रहालयाध्यक्ष द्वारा पुरस्कृत प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया, साथ ही, प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया इस अवसर पर विद्यर्थियों के अतिरिक्त राजकीय मध्य विद्यालय के शिक्षक मंटू कुमार एवं शोभानाथ प्रसाद यादव, बी. सेमिनरी, छपरा के शिक्षक श्री मयंक जायसवाल, किलकारी बाल भवन के शिक्षक अखिल राज सिंह, मो. आरिफ, प्रकाश कुमार , कंचन कुमारी सहित संग्रहालय कर्मी रजनीश कुमार सिंह एवं अन्य उपस्थित रहे

बृजेश कुमार मालवीय बने स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कोर्ट। माननीय उच्च न्यायालय पटना के आदेश पर स्थाई लोक अदालत छपरा के अध्यक्ष के रूप में ब्रजेश कुमार मालवीय ने पद भार ग्रहण किया है।

पूर्व में वे प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश भोजपुर के पद पर कार्यरत थे। छपरा में स्थाई लोक अदालत का पद जुलाई 2022 से रिक्त था। अब स्थाई लोक अदालत के माध्यम से जन उपयोगी मामलों की सुनवाई की जाएगी। जिसमें बिजली, पानी अस्पताल एवं अन्य विभागों से संबंधित मामलों की सुनवाई की जाएगी। इसमें ऐसे ही वादी अपना केस दाखिल कर सकेंगे। जिन्होंने पूर्व में किसी भी न्यायालय में कोई मुकदमा दाखिल नहीं किया है। तत्कालीन अध्यक्ष श्री मालवीय ने कहा कि मेरी प्रथम प्राथमिकता होगी कि पूर्व से अगर कोई लंबित मामले हैं ।

तो उनका निष्पादन अति शीघ्र किया जाए और नए मामलों की भी अति शीघ्र सुनवाई करके इसका निष्पादन किया जाए। उन्होंने बताया की स्थाई लोक अदालत के दो गैर न्यायिक सदस्य भी अति शीघ्र पदभार ग्रहण कर लेंगे।

जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में शौर्य संवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

- वीरांगनाओं,भूतपूर्व सैनिक के विधवाओं एवं उनके आश्रितों को सम्मानित भी किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सैनिक कल्याण निदेशालय के निर्देश के आलोक में शुक्रवार को जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के सभागार में शौर्य संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला के वीर वीरांगना, भूतपूर्व सैनिक के विधवाओं, उनके आश्रितों एवं भूतपूर्व सैनिक आदि बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर नव पदस्थापित अवकाश प्राप्त कर्नल मनीष कुमार ने शौर्य संवाद कार्यक्रम का नेतृत्व किया। बता दें कि हाल ही में अवकाश प्राप्त कर्नल मनीष कुमार का पदस्थापन हुआ है, सैनिक कल्याण निदेशालय द्वारा इन्हें गोपालगंज एवं सिवान का भी अतिरिक्त प्रभार दिया गया है । इस अवसर पर सैनिक कल्याण पदाधिकारी को गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया। शौर्य संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से उपस्थित सैनिक परिजनों को अवगत कराते हुए निष्पादन की दिशा में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया। इस कार्यक्रम में डीएसपी स्वीटी कुमारी ने कहा कि थाना से संबंधित मामले की सूची उपलब्ध कराया जाए,ताकि जांच कर कर त्वरित कार्रवाई की जाए। कार्यक्रम में स्पर्श केंद्र सारण के अशोक कुमार ने संबोधित करते हुए पेंशनधारियों को पेंशन में समस्या आने पर कैसे निष्पादन की जाए इस संबंध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी कर्नल संतोष कुमार द्वारा उत्कृष्ट का कार्य करने वाले भूतपूर्व सैनिकों को सम्मान पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया गया। शौर्य संवाद कार्यक्रम में भूतपूर्व सैनिक 10 विधवाओं को अंतिम संस्कार अनुदान की राशि उपलब्ध कराया गया। इसके अलावा 25 वीरांगनाओं को कल्याणकारी योजनाओं का पुस्तक कैलेंडर देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पांच भूतपूर्व सैनिकों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा 50 भूतपूर्व सैनिक विधवाओं, वीर नारियों तथा उनके आश्रितों को कल्याणकारी योजनाओं का पुस्तक एवं कैलेंडर देकर उन्हें भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सैनिक कल्याण कर्मी के रूप में विमल कुमार राम, कन्हैया कुमार सिंह, राकेश खलखो, भीमसेन भारती, धीरज कुमार ठाकुर, अशोक कुमार, भूतपूर्व सैनिक के रूप में रमेश प्रसाद सिंह,अमित प्रियदर्शी, राम नारायण यादव, प्रेमचंद यादव, अशोक कुमार, सिंह संतोष एवं कुमार तिवारी सहित वीर वीराना, पूर्व सैनिक के विधवा एवं उनके परिजन आदि उपस्थित थे।

महिला संवाद कार्यक्रम ने पकड़ी गति अब तक 1534 जगहों पर सफल आयोजन

छपरा कार्यालय। सारण जिले में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने और उनकी आकांक्षाओं को राज्य की विकास प्रक्रिया से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित महिला संवाद कार्यक्रम अब अपने चरम पर है। जिले भर में कुल 2115 स्थानों पर इस कार्यक्रम का आयोजन निर्धारित है, जिनमें से अब तक 1534 जगहों पर सफलता पूर्वक आयोजन संपन्न हो चुका है। कार्यक्रम का संचालन जागरूकता वैन के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें बिहार सरकार की महिला केंद्रित योजनाओं पर आधारित वीडियो फिल्में दिखाई जाती हैं और उपस्थित लोगों के बीच योजनाओं से संबंधित लिफ्लेट्स का वितरण भी किया जाता है। इन लिफ्लेट्स में महिलाओं से जुड़ी योजनाओं की जानकारी बेहद सरल भाषा में दी गई है, ताकि हर महिला आसानी से इन्हें समझ सके और इनसे लाभान्वित हो सके। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बिहार सरकार की विभिन्न योजनाओं, विशेषकर महिलाओं से संबंधित योजनाओं का जमीनी स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करना है, साथ ही गांव, पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर महिलाओं की राय, सुझाव और विकास की आकांक्षाओं को एकत्र कर राज्य के सतत विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। अब तक जिले के सभी 20 प्रखंडों से कुल 41951 आकांक्षाएं संकलित की जा चुकी हैं। इस अभियान का नेतृत्व जिलाधिकारी सारण श्री अमन समीर कर रहे हैं। इसी क्रम में आज उप विकास आयुक्त सारण की अध्यक्षता में शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण और पंचायती राज विभाग के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें विभागवार प्राप्त आकांक्षाओं का विश्लेषण करते हुए उनकी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। महिला संवाद कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रखंडों में महिलाओं ने जो सुझाव और मांगे रखीं, वे ग्रामीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अमनौर प्रखंड की संजू देवी ने तरवार गांव चैनपुर में 24 घंटे संचालित स्वास्थ्य उपकेंद्र की मांग की, जिससे लगभग 1000 से अधिक ग्रामीणों को लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र में जांच की सुविधाएं भी उपलब्ध होनी चाहिए।

श्री राम जानकी प्रतिष्ठात्क यज्ञ को लेकर ग्रामीण श्रद्धालु हर्षोल्लास और तन मन धन से तैयारियों मे जुटें

प्रातः किरण संवाददाता

गडहनी। प्रखण्ड क्षेत्र के काउप पंचायत अन्तर्गत ग्राम बालबाँध धाम (गड़हनी) की पवित्र धरातल पर नव निर्मित श्रीराम जानकी मंदिर मे मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को लेकर श्री श्री 1008 बैकुण्ठवासी काशी पीठाधीश्वर जगद्गुरू रामानुजाचार्य स्वामी गोपालाचार्य के विशेष कृपापात्र शिष्य श्री श्री 1008 श्री श्री माधवाचार्य त्रिदण्डी स्वामी तोताद्री मठ पीठाधीश्वर (बिहटा) के सानिध्य में श्री राम जानकी प्राण प्रतिष्ठात्मक यज्ञ का भव्य शुभारंभ आगामी 04 जुन 2025 (बुधवार) को जलभरी शोभायात्रा के साथ होगा जो 08 जुन 2025 (रविवार) तक चलेगा।आयोजन समिति के द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष नवमी बुधवार 04 जुन 2025 को शोभायात्रा एवं जलहरण, वहीं गुरूवार दशमी तिथि 05 जुन को पंचांग पूजन, मण्डप प्रवेश एवं संध्या समय आरणी मंथन, अग्नि स्थापना, एकादशी तिथि दिन शुक्रवार 06 जुन को मण्डप पूजन एवं जलाधिवास, अन्नाधिवास, मिष्ठानाधिवास, धृतधिवास इत्यादि, द्वादशी तिथि दिन शनिवार 07 जुन को मण्डप पूजन स्नपन एवं नगर भ्रमण इत्यादि और ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी तिथि दिन रविवार 08.06.2025 को मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा, पूणार्हुति एवं महाप्रसाद का वितरण होना सुनिश्चित है।इस अवसर पर कथावाचक पंडित राम शंकर जी महाराज उर्फ डिजिटल बाबा, आचार्य श्री सुदामा तिवारी जी महाराज, श्री महन्त सोमेश्वर गिरी जी महाराज, प्रवचनकर्ता श्री आदित्य जी महाराज, श्री माधवाचार्य त्रिदण्डी स्वामी जी महाराज के द्वारा मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा, पूजार्चन, कथा पाठ, प्रवचनादि कार्य सम्पन्न किया जायेगा।वहीं आयोजन समिति ने कहा कि हृतुलसी पंक्षी के पीये, घटे न सरिता नीर। दान दिये धन ना घटे, जो सहाय रघुवीर ॥ह्व इस उक्ति के आलोक मे सभी भक्तजनों का परम कर्त्तव्य होता है कि पवित्र हृदय से यज्ञ नारायण भगवान की उपासना आराधना कर अपने जीवन को कृतार्थ करें एवं यज्ञ में तन-मन-धन से दान देकर परलौकिक ऐश्वर्य के भागी बनें।

किसान आंदोलन को कुचलने के लिए नेताओं को मुकदमों में फंसाने की साजिश बेनकाब

➤ जिला समाहर्ता से मिलकर किसानों ने 6 सूत्री मांग-पत्र सौंपा

➤ चौसा थर्मल प्रबंधन और पुलिस प्रशासन के मेल से अपराध में हो रही है वृद्धि

प्रात : किरण संवाददाता

बक्सर। चौसा थर्मल में ठीकेदारों के बीच लूट की होड़ में हो रही हत्याएं। इन तमाम हत्याओं के पलीते का एक छोड़ प्रशासन और कंपनी से जुड़े अधिकारियों के हाथ में। किसान उत्पीड़न से जुड़े तमाम नामजद आरोपी पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को सरकार यहां से हटाएं।उच्च क्षमता के सी सी कैमरा के बीच दिन के उजाले में थर्मल गेट के पास बेखौफ हत्यारे ठीकेदार की हत्या कर इतमिनान से चले गए।मगर पुलिस की निष्क्रियता के कारण हत्यारों तक पुलिस नहीं पहुंच पा रही है।सुनियोजित और सुविचारित ढंग से निर्दोष किसान और मजदूर नेताओं को मुकदमों में फॅसाकर पुलिस हत्यारों का मनोबल बढा रही है।पुलिस और प्रशासन की संलिप्तता के चलते दोषी खुलेआम घूम रहे हैं। थर्मल प्रबंधन किसान आंदोलन को दबाने के लिए उनके नेताओं को इन मुकदमों में फॅसा रही है। बक्सर पुलिस प्रशासन के इस रवैया से चौसा के किसान आक्रोशित है। उक्त बातें बक्सर जिला समाहर्ता से मिलकर किसान नेता अशोक प्रसाद सिंह ने कही।

पूर्व निर्धारित समयानुसार 5 बजे संध्या जिला समाहर्ता कार्यालय में 5 सदस्यी प्रतिनिधिमंडल जिला समाहर्ता से मिलकर 6 सूत्री मांग-पत्र लेकर वार्ता की। प्रतिनिधि मंडल में अशोक प्रसाद सिंह, सुरेंद्र सिंह, विजय नारायण राय, शैलेश राय, नंदकुमार राम शामिल थे। वार्ता में ग्राम विकास सलाहकार समिति का अविलंब गठन की माँग की गई, ताकि प्रभावित गांवों का समुचित विकास हो सके। भूमि अधिग्रहण विधेयक 2013 की धारा 3 की उपधारा (सी) एवं (एम) के अनुसार प्रभावित परिवार के प्रत्येक व्यस्क व्यक्तियों को 5 लाख रुपया की एक मुस्त राशि दिया जाए। वासगीत परचाधारी परिवारों की जमीन जो (एस टी पी एल) परियोजना में अधिग्रहित की गई है। उसके बदले उन्हें विकसित भूमि देने का प्रावधान था, जो अभी तक नहीं दिया गया है। उन्हें तुरंत समतुल्य विकसित भूमि उपलब्ध कराई जाए। प्रभावित किसान खेतिहर मजदूर एवं पौनी पसारीआदि को मुख्य प्लांट हेतु अर्जित भूमि के अनुपात में 750 दिनों की मजदूरी का एक मुस्त राशि भुगतान किया जाए।फसल इनपुट सहायता के लिए नबीनगर एनटीपीसी परियोजना के तहत प्रभावित किसानों को प्रति एकड़ 40000 रुपया प्रति वर्ष दिया जा रहा है। (एस टी पी एल) चौसा द्वारा किसानों को अभी तक वह सहायता राशि नहीं मिला है।

उसे तत्काल भुगतान करवाया जाए। चौसा किसान आंदोलन से जुड़े साथियों को फर्जी मुकदमों में फंसा कर उनका मनोबल तोड़ा जा रहा है, जो अत्यंत ही निंदनीय है।इस पर तत्काल रोक लगे तथा घटना की सीबीआई से जांच कराकर निर्दोष किसानों को मुक्त किया जाए।जिला समाहर्ता ने सभी माँगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार कर आगे कार्यवाई का आश्वासन दिया। इधर चौसा थर्मल निर्माण से प्रभावित 23 गांवों के किसानों ने जुटान स्थल बनारपुर पंचायत भवन पर पहुंचकर अपना रोष व्यक्त किया।

पीएम मोदी की सभा को ले गड़हनी ईओ सीओ सहित पुलिस प्रशासन बाजार पर दिखे एलर्ट मोड में

प्रातः किरण संवाददाता

गडहनी। रोहतास जिले के बिक्रमगंज दुगार्डीह मे आयोजित पीएम मोदी की सभा को लेकर गडहनी बाजार पर ईओ सीओ सहित चरपोखरी थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह एवं गडहनी थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक रणवीर कुमार दल बल के साथ बाजार पर एलर्ट मोड मे दिखे।इस दौरान ईओ सीओ गडहनी मे दुकानो को बन्द कराया तो वहीं पुलिस प्रशासन मुख्य मार्ग से वाहनो व पथिको को हटाते नजर आये।

शुक्रवार की अहले सुबह छः बजे से ही गडहनी बाजार पर हुटर सायरन की आवाज आमजनता सहित दुकानदारो की कानो मे गुंजती रही।इस दौरान पटना से बिक्रमगंज जाने वाले मंत्रियों, विधायको व सांसदो को सडक मार्ग प्रशस्त करने को लेकर प्रशासन का सायरन बजती रही।वहीं आरा सदर एसडीओ रश्मि सिन्हा एवं एएसपी परिचय कुमार द्वारा दल बल के साथ गडहनी मे बिधि ब्यवस्था का जायजा लिया गया।वहीं दुकानदारो की माने तो जहां मोदी राज्य मे विकास की बाते की जाती है वहीं इस सभा से प्रशासन द्वारा बन्द कराये गए दुकानो से करोडो का नुकसान हुआ।

प्रधानमंत्री की जनसभा में सैकड़ों गाडियों के काफिले के साथ पहुंचे राघवेन्द्र प्रताप सिंह

प्रातः किरण संवाददाता

आराः/बड़हराः आँपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का शाहाबाद की धरती बिक्रमगंज में ऐतिहासिक जनसभा में बड़हरा विधायक सह पूर्व मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व मे लगभग तीन सौ गाड़ियों का काफिला भाजपा जिला कार्यालय से रवाना हुआ।

प्रधानमंत्री जी के जनसभा में शामिल होने के लिए एक सप्ताह से बड़हरा विधानसभा के विभिन्न गाँवो में प्रचार-प्रसार हो रहा था। आरा से बिक्रमगंज तक बड़हरा विधायक का पैस्टल बैनर लगा हुआ था। जनसभा की सफलता के लिए लगातार विधायक द्वारा बैठके की जा रही थी।

बड़हरा विधायक ने विधानसभा के सभी छह मंडलो से आए हजारों आम जनता और कार्यकताओं का भाजपा जिला कार्यालय बामपाली में स्वागत किया और सभी को जलपान करवा कर बिक्रमगंज के लिए रवाना किया।

बिक्रमगंज मे. बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रधानमंत्री जनसभा को संबोधित करते अपने चिर परिचित अंदाज भोजपुरी मे ऐतिहासिक जनसभा में आए सभी जनता का अभिवादन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व नेता है और पाकिस्तान को आँपरेशन सिंदूर से मुँहतोड़ जवाब देने के बाद पहली बार बिहार आगमन पर शाहाबाद की जनता से रूबरु हुए।यह हम सभी भोजपुर वासियों के लिए गर्व की बात है।

कार्यक्रम में बड़हरा विधानसभा प्रभारी संजय कुमार सिंह, विधानसभा संयोजक धीरज सिंह, जिला उपाध्यक्ष धनंजय तिवारी, बड़हरा मंडल अध्यक्ष शुभम पांडेय, सरैया मंडल अध्यक्ष करोड़पति सिंह, कोईलवर उतरी मंडल अध्यक्ष संजय कुशवाहा, बबुरा मड़ल अध्यक्ष टुनटुन बिंद, दीपक तिवारी, उज्जवल सिंह, पप्पू सहि, मुन्ना सिंह, संतोष सहि संटु, रंजीत गुप्ता, सौदागर बिंद, मुकुल कुमार सहित हजारो कार्यकर्ता और आम लोग शामिल हुए।

भोजपुर से लाखो लोग पीएम मोदी की जनसभा में शामिल हुए

प्रात : किरण संवाददाता

आराः बिक्रमगंज में आयोजित देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक जनसभा को सफल बनाने में भोजपुर जिला की महती भूमिका रही। भोजपुर जिला के सभी चौदह प्रखंड एवं चालीस मंडलो से भाजपा सहित एनडीए कार्यकर्ता और आम जनता विभिन्न वाहनों से बिक्रमगंज पहुंच कर जनसभा को ऐतिहासिक बनाया।

जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने ऐतिहासिक जनसभा की सफलता पर कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री विश्व नेता नरेन्द्र मोदी जी का आँपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद बिहार आगमन पर शाहाबाद की धरती पर जनसभा होना हम सभी भोजपुर वासियों के लिए सौभाग्य की बात है। प्रधानमंत्री जी को सुनने और दर्शन करने के लिए जिले के लोगो में गजब का उत्साह दिख रहा था।लोग स्वतः बिक्रमगंज की ओर खिंचते जा रहे थे।आरा से बिक्रमगंज तक लोगो का हुजूम दिखाई दे रहा था।उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री जी का भाषण की शुरूआत भोजपुरी भाषा मे होने से हम सभी शाहाबाद के लोग अति उत्साह थे।उन्होने भोजपुर की जनता और कार्यकताओ को कार्यक्रम को ऐतिहासिक सफलता दिलाने के लिए धन्यवाद दिया।कार्यक्रम में सातो विधानसभा के जनप्रतिनिधि, नेतागण, पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता सहित लाखो लोग शामिल हुए।

पीएम मोदी का भव्य स्वागत, ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार बिहार आगमन पर कार्यकर्ताओं में उमड़ा जोश

➤ आरा नगर निगम की महापौर इंदु देवी के सौजन्य से सैकड़ों वाहनों के काफिले के साथ हजारों समर्थक कार्यक्रम में पहुंचे

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज ।देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार बिहार की धरती पर बिक्रमगंज पहुंचे, जहां उन्होंने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। उनके स्वागत में लाखों की संख्या में कार्यकताओं और आम जनों की भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे पूरा इलाका जनसैलाब में तब्दील हो गया।प्रधानमंत्री के भाषण को सुनने के लिए आरा से भी बड़ी संख्या में समर्थक बिक्रमगंज पहुंचे। आरा नगर निगम की महापौर इंदु देवी के सौजन्य से सैकड़ों वाहनों के काफिले के साथ हजारों समर्थक कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे । समर्थकों के साथ आरा शहर के कई व्यवसायिक कार्यकर्ता भी मौजूद थे, जिनका नेतृत्व भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के सह संयोजक आलोक अंजन उर्फ छोटे कर रहे थे।वही आरा नगर निगम की महापौर इंदु देवी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्व चलाकर देश की महिलाओं के सिंदूर और सम्मान की रक्षा की है। यह हर भारतीय नारी के लिए गर्व की बात है।भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक आलोक अंजन उर्फ छोटे ने कहा कि ह्यऑपरेशन सिंदूरह्व चलाने के बाद देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार बिहार की पावन धरती पर पधारे। उनके स्वागत में कार्यकताओं में जबरदस्त जोश और उत्साह देखने को मिला।

उनका भाषण प्रेरणादायक और जनभावनाओं से जुड़ा हुआ था।कार्यक्रम में शामिल प्रमुख नेताओं और कार्यकताओं में अशोक गुप्ता, सनी सहबादी, राजीव रंजन, विशाल गुप्ता, भाजपा जिला मंत्री प्रतीक राज, युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष प्रदुम कुमार सिंह, आनंद कुमार, नंदन कुमार, अनिल सिंह, यीशु आनंद, अंजनी चौधरी, भोला शर्मा, मंटू सिंह, पिंटू यादव, सुनील सिंह, अजीत सिंह, अमित कुमार रंजन यादव, अजय कुमार ,संजय कुमार, शैलेश मिश्रा, श्री भगवान प्रसाद, आलोक रंजन, धर्मेंद्र सिंह, पुतुल कुमार, अजय आकाश, अभिजीत आनंद, मुना सोनी, सहित कई अन्य गणमान्य लोग शामिल रहे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में बिहार के विकास, राष्ट्र सुरक्षा और आने वाले समय में सरकार की योजनाओं पर चर्चा की।

जनसभा में जोश और उल्लास का माहौल देखने लायक था, जहां हर ओर मोदी-मोदी के नारों की गूंज सुनाई दे रही थी।यह आयोजन न केवल भाजपा की राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन था।

हक व अधिकार की आवाज करेंगे बुलंद : अरुण कुमार साह

अपने अधिकार के लिए सरकार को अपनी संख्या की ताकत दिखाना जरूरी : अनिल वैद्य

➤ 8 जून को भारतीय सुढ़ी वैश्य संगठन समाज के बैनर तले पटना सम्मेलन में भाग ले : ज्योति वैध

अभय आर्या

मुंगेर। असरगंज शुक्रवार को असरगंज नगर पंचायत के श्री सरस्वती सेवा समिति के प्रांगण में आगामी 8 जून को पटना के बापू सभागार में अखिल भारतीय सुढी वैश्य संगठन द्वारा सुढी जाति का अधिकार महासम्मेलन का आयोजन शुक्रवार को पूर्व प्रत्याशी अरुण कुमार साह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश महिला प्रभारी ज्योति वैध, प्रमंडल संयोजक अनिल वैध, जिला संयोजक प्रो, दिलीप कुमार रंजन, असरगंज नगर पंचायत के संयोजक सुधांशु साह फंटूश राणा, सहसंयोजक मुनेश्वर प्रसाद साह, गुंजन मांझी, चंदन पूर्व, प्रदीप मंडल, संजय नायक कोषाध्यक्ष प्रमोद साह, कोषाध्यक्ष मनोहर प्रसाद साह मुख्य रूप से उपस्थित थे। पूर्व प्रत्याशी ने कहा कि सुढी जाति आर्थिक रूप से कमजोर होने के बावजूद पिछड़ा जाति में शामिल नहीं किया गया है और नहीं राजनीतिक में हिस्सादारी दी गई है । प्रदेश महिला प्रभारी ज्योति वैध ने कहीं की जाति को सरकार एवं हमेशा नजर अंदाज करते रहे अब समय आ गया है हम लोग को एकजुट होकर अपने अधिकार लाने का इसके लिए सुढी जाति के लिए आगामी 8 पजून को बापू सभागार पटना में इक्तित होकर अपनी आवाज को बुलंद करें और अपने हक व अधिकार के लिए सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाई जाएगी।

फिर भी इस जाति को अति पिछड़ा वर्ग में शामिल और राजनीतिक में हिस्सेदारी नहीं दी गई है तो आने वाले चुनाव में इसका जवाब दिया जाएगा। जिला संयोजक प्रो, दिलीप कुमार रंजन ने कहा कि बिहार में इस जाति की 40 लाख वोटर हैं जो लगभग 25 से 30 विधानसभा क्षेत्र में बहुमूल्य स्थिति में है और 15 सीटों पर निर्णयक स्थिति में होती है अगर हम लोगों परिणाम सरकार को भुगतना पड़ेगा।

इस मौके पर अरविंद पजियारा, फुलेश्वर मंडल, धनंजय कुमार पंकज कुमार दास, अनिल साह वीरेंद्र साह, प्रमोद साह, गोविंद नायक, रजनीश कुमार प्रहलाद मांझी, संजय साह राणा, ओम पजियारा, राजकुमार पूर्व, महेश साह, विजय कुमार, प्रमोद साह, दीनानाथ , संदीप साह , नरेश साह ,मनोहर चौधरी मधुरिमा देवी, संयुक्त देवी, सावित्री देवी, मीरा देवी, बीणा देवी, उषा देवी, लक्ष्मी देवी, सहित असरगंज नगर पंचायत के विभिन्न वार्ड से कई बुद्धिजीवी सुढी समाज उपस्थित थे।

आगामी 8 जून को पटना में महासम्मेलन को ले मुजफ्फरपुर, मधुबनी, रोसड़ा में अभियान हुआ तेज

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। आगामी 8 जून को पटना में होने वाले सूढ़ी महासम्मेलन की तैयारी समीक्षा बैठक मुजफ्फरपुर जिला के गायघाट विधानसभा के सोनपुर, सकरी, बखरी में किया गया । कार्यक्रम में ससमय पहुचने एवं कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विशेष बिंदुवों पर चर्चा किया।बैठक में मुख्य रुप से तिरहुत प्रमंडल संयोजक चितरंजन महतो , जिला संयोजक मोहन कुमार , मुजफ्फरपुर जिला अध्यक्ष सूढ़ी समाज उत्थान मंच बीरेंद्र कुमार , मनोज अहियापुर, अहियापुर सूढ़ी समाज उपाध्यक्ष विनय कुमार साह , दिनेश महतो एवं अनेकों लोग उपस्थित हुए ।

वहीं मधुबनी के नगर निगम क्षेत्र गांधी चौक पर आगामी 08 जून को पटना के बापू सभागार में आयोजित होने वाले ह्रसुंडी अधिकार महासम्मेलनह्व के निमित तैयारी बैठक आयोजित की गई।कार्यक्रम में सभी महानुभाव सूढ़ी युवा शक्ति मधुबनी की अगुआई में यहां से पटना चलने के लिए संकल्पित हुए।कार्यक्रम का संचालन दरभंगा प्रमंडल के संयोजक प्रहलाद कुमार पूर्वे द्वारा किया गया।शिक्षक लालाबाबू नायक को गांधी चौक मधुबनी क्षेत्र का संयोजक नियुक्त किया गया।कार्यक्रम में - घनश्याम महतो , शिवकुमार प्रधान, श्रवण नायक, सुनील महतो, गन्नी प्रसाद, बैजू महथा , दीपक राउत, पवन कापड़ी, बंटी राउत, प्रमोद नायक, सतीश कुमार, अशोक पूर्वे, संजीव पूर्वे, ' ललन प्रसाद सहित अन्य महानुभाव मौजूद रहे।वही रोसड़ा में भी पटना चलो अभियान को लेकर लगातार बैठक की जा रही है। सतेन्द्र नायक, रमेश गामी, रामेश्वर पूर्वे , एवं , अजय महतो 8 जून की रेली के लिए समाज को प्रेरित करने पहुंचे।

चन्द्र भूषण यादव तीसरी बार बने राजद प्रखंड अध्यक्ष

उदवंतनगर - जीरो माइल स्थित लाइब्रेरी कैंपस में राजद के प्रखण्ड ईकाई का सांगठनिक ईकाई का चुनाव सम्पन्न हुआ। निर्वाचन पदाधिकारी हरिचरण सिंह व जगनारायण सिंह की उपस्थिति में लगातार तीसरी बार प्रखंड राजद के अध्यक्ष बने चन्द्र भूषण यादव। चन्द्र भूषण के तीसरी बार अध्यक्ष बनने पर कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। बधाइयों का तांता लग गया।कार्यकताओं ने चन्द्र भूषण यादव में विश्वास जताते हुए कहा कि चन्द्र भूषण पार्टी के संदेश को जन जन पहुंचा रहे हैं। उनके नेतृत्व में प्रखंड राजद मजबूत होगा।तीसरी बार अध्यक्ष बनने पर चन्द्र भूषण यादव ने पार्टी के वरिष्ठ और स्थानीय नेताओं के साथ ही कार्यकताओं का आभार जताया।कहा कि पार्टी जो भी काम देंगी उसे पूरी निष्ठा के साथ निभाउंगा । वे पूर्व में सोनपुरा पंचायत के मुखिया भी रह चुके हैं।बधाई देने वालों में श्याम सिंह, रंग बहादुर यादव, लालू लालू यादव, अजय सिंह, राजदेव यादव मुख्य थे।

प्रखंड अध्यक्ष के पद के लिए मदन राय को निर्वाचित किया गया

आरा। शुक्रवार को स्थानीय गंगहर गांव में आरा सदर प्रखंड राजद के अध्यक्ष पद के लिए एक निर्वाचन सभा आयोजित कर के प्रखंड अध्यक्ष के पद के लिए श्री मदन राय जी को निर्वाचित किया गया । उक्त सभा की अध्यक्षता प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुनील कुमार सिंह जी के द्वारा किया गया। निर्वाचन प्रक्रिया में आरा सदर प्रखंड के नव निर्वाचित पंचायत अध्यक्ष और पंचायत निवार्ची पदाधिकारी शामिल हुए। उपस्थित सभी पंचायत अध्यक्षों की ने सर्व सम्मति से प्रखंड अध्यक्ष पद के लिए श्री मदन राय जी को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया। उक्त सभा में मुख्य रूप से श्री तेज नारायण सिंह ,श्री धनजीत यादव, लाल बाबू राय, विजय यादव, राजा बाबू यादव ,मोहन पासवान, विक्रम कुमार सहित सभी लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

पटना, शनिवार, 31 मई 2025

डीएम ने सुनी 100 से अधिक फरियादियों के मामले

संबंधित पदाधिकारियों को दिया समाधान करने का निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

गया।आज शुक्रवार को आयोजित जिला पदाधिकारी का जनता दरबार स्थगित रहने के बाद भी समाहरणालय में अनेकों आवेदक आने की सूचना पर जिला पदाधिकारी स्वयं समाहरणालय पहुंचकर लोगों की समस्याओं को सुना है। जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम ने लगभग 100 से अधिक व्यक्तियों के मामले को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को जांच यथाशीघ्र कराते हुए जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। आवेदकों के कई मामलों में जिला पदाधिकारी द्वारा जिले के वरीय पदाधिकारी यथा उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी संबंधित प्रखंड के नामित जिला स्तरीय पदाधिकारी आदि द्वारा मामले को जांच करने का भी जिम्मा दिया गया है। प्रधानमंत्री आवास, मुख्यमंत्री आवास योजना से संबंधित आए मामलों को जिला पदाधिकारी ने उप विकास आयुक्त,डीआरडीए को संबंधित आवेदनों को यथाशीघ्र जांच करते हुए पात्रता रखने वाले व्यक्तियों को प्रधानमंत्री,मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ देने हेतु अग्रेतर कार्य करने का निर्देश दिया है।कई व्यक्तियों ने भूमि विवाद, आपसी बटवारा, अतिक्रमण, जमीन संबंधी दिक्कते आदि से संबंधित आवेदन दिए।उन सभी आवेदन के आलोक में जिला पदाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारी तथा थानाध्यक्ष एवं अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के अध्यक्षता में थाना स्तर एवं अनुमंडल स्तर पर हर शनिवार को आयोजित होने वाले जनता दरबार में दोनों पक्षों के व्यक्तियों को बुलाकर संबंधित मामलों को प्राथमिकता देते हुए निराकरण कराने का निर्देश दिए है।जमीन से संबंधित अत्यधिक मामले को देखते हुए,जिला पदाधिकारी ने आए आवेदनों को सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता को निर्देश दिया कि अच्छे तरीके से आए आवेदनों को जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमानुसार उचित कार्रवाई करने हेतु आदेशित करें। इसके साथ ही प्राप्त कई आवेदनों के विरुद्ध वरीय पदाधिकारी नामित कर जांच हेतु निर्देशित किया है। इसके साथ ही जांच पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि प्राप्त आवेदन को अधिकतम सात दिनों में जांच करते हुए दोषी कर्मी, पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई हेतु प्रेषित करे।कई व्यक्ति परिमार्जन के संबंध में आवेदन दिए जिसपर जिला पदाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारी एवं राजस्व पदाधिकारी को सख्त निर्देश दिया कि परिमार्जन हेतु लंबित आवेदनों को तेजी से निष्पादन करें। जमीन से संबंधित आये मामलों में डीएम ने सभी अंचलाधिकारी को कहा कि ये आम जनता ज्यादातर गाँव के ही होते हैं और किसान होते है, इन्हें सरकारी कागजी प्रक्रिया के बारे में हर तरह से मदद करें। जरूरत पड़े तो ग्रामीणों की जो उनकी समस्या है, उसके आलोक में उन्हें आवेदन लिखवाने में मदद करें, किसी को बेवजह दौड़ना न पड़े इसका पूरा ख्याल रखें। मुख्यमंत्री पारिवारिक लाभ योजना संबंधित वंचित आवेदक आये देख, डीएम ने अपर समाहर्ता राजस्व को निर्देश दिया है कि आवेदनों को जांच करते हुए पात्रता रखने वाले आवेदकों को मुख्यमंत्री पारिवारिक लाभ योजना का लाभ दिलवाए।

लम्बित परिक्षा परिणाम प्रकाशित करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने माँगा 15 दिन का समय

प्रातः किरण संवाददाता

गया। गया स्थित कुलपति आवास पर आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद) के प्रतिनिधिमंडल ने मन्तोष सुमन, सूरज सिंह और धीरज केसरी उपस्थित थे। प्रतिनिधिमंडल ने मगध विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक एवं छात्र कल्याण अध्यक्ष से मुलाकात कर छात्रों की शिक्षा, परीक्षा तथा बुनियादी समस्याओं को लेकर एक 43 सूत्रीय विस्तृत मांग पत्र सौंपा छात्र प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों के भीतर इन मांगों पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो वे चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे। पेंडिंग परिणामों का अंबारः सत्र 2018 21 से लेकर 2024 28 तक के हजारों छात्र-छात्राओं के परिणाम अब तक लंबित हैं। इनमें स्नातक, स्नातकोत्तर, वोकेशनल और डब्ल्यू पैटर्न के सभी पाठ्यक्रम शामिल हैं। छात्रों का कहना है कि लंबित परिणामों के चलते न तो वे उच्च शिक्षा में नामांकन ले पा रहे हैं और न ही नौकरी के लिए आवेदन कर पा रहे हैं। अंक पत्र और टी.आर. की समस्याः कई सत्रों 2018ड्ड21, 202023, 202124, 202225 और 2023 27 के छात्रों को अब तक टी. आर. और अंक पत्र उपलब्ध नहीं कराए गए हैं।

प्रणाली में भारी गड़बड़ियाँ: सत्र 2023 27 और 2024 28 के छात्रों का परिणाम या तो पेंडिंग है या अनुपस्थित दिखाया गया है। इसी तरह, हाल ही में जारी पीजी सत्र 2022 24 के द्वितीय सेमेस्टर के परिणाम में भी गंभीर त्रुटियाँ सामने आई हैं।वोकेशनल एवं प्रोफेशनल कोर्सों की दुर्दशाः छात्रों ने मांग की कि इन कोर्सों की गुणवत्ता सुधारने के लिए पृथक परीक्षा नियंत्रक और विशेष पदाधिकारी की नियुक्ति की जाए। साथ ही, इन पाठ्यक्रमों के लिए की गई शुल्क वृद्धि को तुरंत वापस लिया जाए।गया कॉलेज और अन्य कॉलेजों में छात्रावासों की जर्जर स्थिति का समाधान किया जाए।अनुग्रह महाविद्यालय में चारदीवारी का निर्माण शीघ्र किया जाए, ताकि असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके।जगजीवन कॉलेज, मानपुर में जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए।टेकारी कॉलेज में स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा स्थापित की जाए।सभी महाविद्यालयों में स्वच्छ पेयजल, शौचालय, सेनेटरी पैड मशीन तथा पुस्तकालयों में नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराई जाए।

पीजी स्पॉट नामांकन की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए।परीक्षा में कदाचार रोकने के लिए प्राचार्य एवं केंद्र अधीक्षकों पर कार्रवाई की जाए।पंजीयन कार्ड व रजिस्टर की प्रविष्टियाँ सार्वजनिक की जाएं।प्रोस्पेक्टस और ऑनलाइन प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर हो रही अवैध वसूली बंद की जाए।विश्वविद्यालय की ऑनलाइन प्रक्रिया में सुधार के लिए संबंधित कंपनी का टोल-फ्री नंबर सार्वजनिक किया जाए।

प्राचार्य व सभी कर्मचारी नशा मुक्त बिहार अभियान का पालन करें।दक्षिण बिहार प्रांत सह मंत्री मंतोष सुमन ने कहा, छात्रों को प्रमाणपत्र, अंक पत्र, पंजीयन कार्ड और परीक्षा परिणाम के लिए महीनों तक भटकना पड़ रहा है, जो शिक्षा व्यवस्था की विफलता को दशार्ता है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र में तंबाकू निषेध पर कार्यक्रम आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

गया। पारिवारिक, सामाजिक व प्रशासनिक दबाबों के बीच कार्य करते हुए मानव आज असंतोश तनाव और कुंठा में घिरा हुआ है। कुछ लोग इससे मुक्त होने के लिए बीड़ी, सिगरेट, तम्बाकू आदि का प्रयोग करने लग पड़ते हैं, लेकिन वास्तव में तनाव का इलाज तम्बाकू नहीं है अपितु तंबाकू सिगरेट आदि एक धीमा जहर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा घोषित ह्लतम्बाकु निषेध दिवसह्व के उपलक्ष्य में प्रजापिता बह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्थानीय सेवाकेन्द्र सिविल लाइन के तत्वाधान में तम्बाकू व नशीले व्यसन विरोधी सुस्वास्थ्य प्रदर्मनी का दीप जलाकर उद्घाटन करते हुए श्री सुधीर व्यास , कार्यालय अधीक्षक आयकर विभाग गया ने अपने विचार अभिवयक्त किये। उन्होंने कहा बचपन में भी कई बच्चे बुरी संगति के कारण इस लत के शिकार हो जाते हैं। जो भी व्यक्ति इस लत के वळा में एक बार जाने-अनजाने फॅस जाता है वह समय से पूर्व ही काल क ग्रास बन जाता है। राजयोग के अभ्यास से कठिनाईयों का सामना करने की शक्ति में बढोतरी होती है। इस बढी हुई इच्छा शक्ति से मन को स्वच्छ बनाकर मानव मलीन विचारों से मुक्त होता है। स्वास्थ्य और मानसिक समृद्धि के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान की राजयोग रूपी प्रयोग का अनुभव करना चाहिए जिससे रोग प्रतिकारक शक्ति में अभूतपूर्व वृद्धि होती है।सेवाकेंद्र की संचालिका वरिष्ठ राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शीला बहन ने कहा की धुम्रपान व तम्बाकू का व्यसन एक बुरी चीज है। देह रूपी मंदिर से धुआं निकालते व अग्नि को मुख से निगलते मूर्ख मनुष्य गर्व का अनुभव करते हैं। सिगरेट के धुएं में 400 प्रकार के खतरनाक रसायन रहते हैं। सिगरेट पीने से खून की मात्रा में निकोटीन की मात्रा अधिक होने से ऑक्सीजन वहन की क्षमता बहुत कम हो जाती है वे हृदयरोग, कैंसर के आसानी से शिकार हो जाते है। आठ सिगरेट एक दिन में जेब से निकालकर सुलगाने में 16 मिनट लगते हैं जबकि 15 मिनट के राजयोग अभ्यास से वह आदत छूट सकती है।इस कार्यक्रम में उपस्थित ब्रह्माकुमारी सुमन बहन ने कहा कि विडम्बना इस बात की है।

नेत्र चिकित्सक डॉ हनुमान राम को पत्नी शोक

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद के महाराणा प्रताप चौक के समीप सिद्ध पीठ के पास जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन, समकालीन जवाबदेही परिवार, बतकही परिवार के संयुक्त तत्वावधान में औरंगाबाद जिले के प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ, जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन एवं समकालीन जवाबदेही परिवार के संरक्षक डॉ हनुमान राम जी के धर्मपत्न ी के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह के अध्यक्षता में आयोजित शोकसभा में डॉ हनुमान राम के धर्म पत्नी के सम्मान में सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखा एवं मृतक के आत्मा के शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। कहा कि इस संकट की घड़ी में ईश्वर उनके परिवार को संबल प्रदान करें। समकालीन जवाबदेही के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा,अवकाश प्राप्त प्रोफेसर डॉ शिवपूजन सिंह ने कहा कि उनकी पत्नी एक धर्म परायण महिला थी कर्मठी एवं शिक्षा के प्रति दृढ़ संकल्पित,सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाली महिला थी। गरीब एवं असहायों को हमेशा मदद किया करती थी। माध्यमिक शिक्षक संघ के नेता राम भजन सिंह,पूर्व डीएसपी उदय प्रताप सिंह,नारायण सिंह,प्रसिद्ध कवि लवकुश प्रसाद सिंह,इंजीनियर अर्जुन सिंह,पूर्व दारोगा सिंहेश सिंह एवं अशोक कुमार सिंह,शिव शिष्य पुरुषोत्तम पाठक, प्रो रामविलास सिंह, पूर्व हेड मास्टर राम सुरेश सिंह,अलखदेव सिंह,अर्जुन सिंह सहित अन्य लोगों ने अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके आकस्मिक निधन से सामाजिक एवं साहित्यिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है।

महारानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर भाजपा ने किया शोभायात्रा का आयोजन

गया । महारानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा द्वारा एक भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया है। यह शोभा यात्रा नूतन नगर स्थित भाजपा किसान मोर्चा कार्यालय से प्रारंभ होकर प्रसिद्ध विष्णुपद मंदिर परिसर तक पहुंची है। इस यात्रा का नेतृत्व भाजपा किसान मोर्चा के सह प्रभारी डॉ. मनीष पंकज मिश्रा के द्वारा किया जाएगा विष्णुपद मंदिर पहुंचकर महारानी अहिल्याबाई होलकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए हैं।

इस अवसर पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इस शोभा यात्रा में राणा रणजीत सिंह संतोष ठाकुर, अधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद, गोपाल प्रसाद यादव, दीपक पांडे, सुनील रविदास, हीरा यादव, मंटू कुमार एवं अभिषेक कुमार सहित अनेक कार्यकताओं ने भाग लिया है। यात्रा के दौरान देशभक्ति एवं सामाजिक समर्पण के गीतों के साथ अहिल्याबाई होलकर जी के योगदानों को याद किया जाएगा।

एआइएमआइएम के द्वारा गया में की गई बैठक आयोजित

गयाजी। एआइएमआइएम के द्वारा गया के गांधी मैदान मंडप में बैठक आयोजित की गई जिसमें गया के तमाम कार्यकर्ता शामिल हुए। इस बैठक में वक़्फ़ बोर्ड शेरघाटी को जिला बनाने सहित कई मुद्दों पर चर्चा की गई। वहीं बैठक में कार्यकताओं ने बताया। आगामी विधानसभा को लेकर हमारी पार्टी के सीटों पर चुनाव लड़ने का निर्णय ले रही है। और बहुत जल्द पार्टी के वरीय अधिकारियों के द्वारा इसकी घोषणा भी की जाएगी। वही बताया गया बहुत जल्द एआइएमआइएम के द्वारा तिरंगा यात्रा हर जिले में निकल जाएगा। मौके पर उपस्थित जफरुल बारी जिला अध्यक्ष, एहसान अख्तर खान जिला महासचिव, फसीहज्जाम युवा जिला महासचिव, इरफानऊर रहमान उप जिला प्रभारी, समीम निजामी जिला सचिव, आसिफ हसन नगर अध्यक्ष, जावेद अली संयुक्त सचिव, रूपेश पासवान संयुक्त सचिव, खुशनुड आलम बोधगया शहजाद ओवैसी डोभी, डॉ मोहम्मद जावेद, जाऊरेज हसन, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद साबिर, सद्दाम हुसैन, सैयद मीनू, आतिफ रसूल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष के रूप में लोलार्क दुबे एवं अन्य सदस्य ने पदभार ग्रहण किया

गया।जिला विधिक सेवा प्राधिकार गया के अंतर्गत स्थापित स्थाई लोक अदालत लोक उपयोगिता सेवा गया में बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार पटना के द्वारा जारी अधिसूचना के आलोक में अध्यक्ष के रूप में लोलार्क दुबे सेवानिवृत्ति प्रधान न्यायाधीश एवं अन्य सदस्य के रूप में अनिल आशुतोष एवं राजेश चंद्रा ने योगदान देकर पदभार ग्रहण किया है ।तत्पश्चात अध्यक्ष ने गया जिला के आमजन से अपील की है कि इस अदालत के माध्यम से बिजली ,पानी, बीमा, डाक , टेलीफोन एवं अन्य जन उपयोगी सेवाओं से संबंधित विवादों का निस्तारण करा सकते हैं इस बात की जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अरविंद कुमार दास ने बताया कि वर्ष 2021 से यह सुविधा बंद हो गई थी यह सुविधा चालू हो गई है इसका लाभ उठाएं।

हिंदी पत्रकारों का योगदान न केवल पत्रकारिता के क्षेत्र में, बल्कि समाज के समग्र विकास में भी अद्वितीय है: मनीष पकंज

प्रातः किरण संवाददाता

गया।हिंदी पत्रकारिता दिवस के शुभ अवसर पर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा, बागवानी प्रकोष्ठ के सह संयोजक डॉक्टर मनीष पंकज मिश्रा ने समस्त पत्रकार बंधुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं है उन्होंने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की आत्मा, संस्कृति और पहचान है। पत्रकारिता, विशेष रूप से हिंदी पत्रकारिता, हमारे लोकतंत्र का वह मजबूत स्तंभ है जो जनमानस की आवाज को नीति निर्धारकों तक पहुंचाने का कार्य करती है।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज तक, हिंदी पत्रकारिता ने सत्य, न्याय और जनहित की आवाज बुलंद की है। ग्रामीण भारत, किसान, मजदूर, और समाज के वंचित वर्गों की समस्याओं को यदि किसी ने प्रमुखता से उठाया है, तो वह हिंदी पत्रकारिता है। ऐसे में हिंदी पत्रकारों का योगदान न केवल पत्रकारिता के क्षेत्र में, बल्कि समाज के समग्र विकास में भी अद्वितीय है।

हिंदी दिवस पर उन्होंने आह्वान किया कि हम सब मिलकर हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए प्रयास करें। आधुनिक तकनीक और डिजिटल युग में भी हिंदी पत्रकारिता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लें। पत्रकार बंधु सत्यता, निष्पक्षता और जनहित को प्राथमिकता देते हुए समाज के मार्गदर्शक बने रहें हैं।

डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने आशा व्यक्त की कि हिंदी पत्रकारिता आने वाले समय में भी लोकतंत्र की रीढ़ बनी रहेगी

शब्द वीणा औरंगाबाद द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस पर विचार संवाद

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। राष्ट्रीय स्तर की साहित्यिक-व- सांस्कृतिक संस्था शब्द वीणा जिला इकाई औरंगाबाद के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस के मौके पर विचार संवाद के क्रम में कहा कि आज ही के दिन 1826 ई0 में हिंदी भाषा का पहला समाचार पत्र उदंत मार्तंड का प्रकाशन हुआ था जिस समय इस अखबार का प्रकाशन हुआ था उस समय पूरे हिंदुस्तान में दूर-दूर तक अंग्रेजी,फारसी,ऊर्दू एवं बांग्ला भाषा में समाचार पत्र छपते थे उस समय हिंदुस्तान की राजधानी कोलकाता थी। उत्तर प्रदेश कानपुर के एक वकील पंडित युगल किशोर शुक्ल ने फिरंगियों के नाक के नीचे हिंदी पत्रकारिता के इतिहास की आधारशिला रखी और उदंत मार्तंड नाम से हिंदी समाचार पत्र प्रकाशित कराया यह समाचार पत्र सप्ताह में एक बार छपती थी सप्ताह में मंगलवार को इसका प्रकाशन किया जाता था इसी दिन से हिंदी पत्रकारिता की शुरूआत मानी जाती है। हालांकि यह समाचार पत्र डेढ़ वर्ष तक ही चली। लेकिन,इन डेढ़ वर्षो में उसने अंग्रेजी सरकार की नींव हिला दी। अंग्रेजों की सरकार ने डाक शुल्क पर प्रतिबंध लगाया और इसका 79 संस्करण ही छप सका। दिसंबर 1827ई0 में इसकी अंतिम प्रति छपी लेकिन इसने एक लकीर खींच दी जो आज भी दो शताब्दी के पश्चात इसकी चर्चा हो रही है लोकतंत्र का चौथा स्तंभ पत्रकारिता को माना जाता है। आज हिंदी पत्रकारिता ने कितने उतार-चढ़ाव देखे इतने वर्षों में न जाने कितनी परेशानी आई होगी हिंदी पत्रकारिता को।लेकिन यह लगातार उत्कर्ष की ओर बढ़ता गया और आजादी के बाद से तो हिंदी पत्रकारिता ने नई छाप छोड़ी है।वर्तमान परिदृश्य में ध्रुवीकरण के दौर में डिजिटलाइजेशन के जमाने में औरंगाबाद जैसे ग्रामीण जिले में भी हिंदी की दो अखबार प्रतिदिन निकलती है।नव बिहार टाइम्स और सोनवर्षा वाणी। आज पत्रकारिता एक बड़ा ही दुरुह कार्य है पत्रकारिता का जॉब मुश्किलों भरा होता है। इतना के बावजूद भी हमारे पत्रकार अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं।

शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने वाले मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया

गया।शिक्षाशास्त्र विभाग गया कॉलेज गया के बीएड प्रशिक्षुओं द्वारा प्राचार्य कॉलेज गया प्रोफेसर सतीश सिंह चंद्र के दिशा निर्देश परचलाए जा रहे हैं इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत आज एक माह से चले आ रहे इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत आज शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने वाले मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया विभाग अध्यक्ष डॉक्टर धनंजय धीरज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का एकमात्र लक्ष्य जीविकोपार्जन नहीं है शिक्षा का मूल उद्देश्य जीवन की परीक्षा में सफल होना है कक्षा में प्राप्त सिद्धांत या ज्ञान को व्यवहारिक जीवन से जोड़कर देखना है और जहां कक्षा का सिद्धांत असफल हो जाए वहां व्यवहारिक जीवन के दांव पेंच को आजमाना चाहिए और जीवन के संघर्ष को आगे बढ़ना चाहिए । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020-20 के आलोक में शिक्षा के उद्देश्यों की चर्चा किया।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर एमयू में संगोष्ठी का आयोजन

बोधगया।एमयू पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा शुक्रवार को हिन्दी पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। पत्रकारिता के बदलते स्वरूप और हिन्दी पत्रकारिता के समक्ष उपस्थित चुनौतियों पर एमयू पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रभारी प्रो. ब्रजेश कुमार राय ने पिछले पचास वर्षों में हिन्दी प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विकास का तुलनात्मक चित्र प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि प्रिंट मीडिया गम्भीर होने के साथ ही एक पाठक की स्थायी संपत्ति हो सकती है लेकिन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में ऐसा दुर्लभ है। उन्होंने हिन्दी भाषा के प्रचार प्रसार में पत्रकारिता की महती भूमिका को रेखांकित किया गया है। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद दैनिक जागरण गया के वरिष्ठ पत्रकार विनय मिश्र ने अखबारों के विभिन्न पृष्ठों का विस्तृत विवरण श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय, स्थानीय, आर्थिकी, खेल, विज्ञान और तकनीक, अध्यात्म, साहित्य आदि विभिन्न प्रकार के पृष्ठों और स्तम्भों का उल्लेख कर उन्होंने श्रोताओं से अनुरोध किया कि वे संपादकीय पृष्ठ अवश्य पढ़ें।

पोषण भी पढाई भी प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटी।प्रखंड कार्यालय सभागार भवन में पोषण भी ,पढ़ाई भीकार्यक्रम के तहत आंगनबाड़ी सेविकाओं का 3 दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन।

उक्त दौरान प्रारंभिक शिक्षा व पोषण पर केंद्रित है इसके लिए तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण दिया गया।उक्त कार्यक्रम के तहत कार्यक्रम के तहत तीन दिवसीय आंगनबाड़ी सेविकाओ प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों की देखभाल, पोषण और प्रारंभिक शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया।प्रशिक्षण सत्र का संचालन प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के जिला कार्यक्रम समन्वयक अर्चना कुमारी के द्वारा किया गया। उन्होंने सेविकाओं को प्रारंभिक बाल्यावस्था की ग्रहणशीलता, नवचेतना गतिविधियाँ (0-3 वर्ष के लिए) और आधारशिला गतिविधियाँ (3-6 वर्ष के लिए) की जानकारी दी गई। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के द्वारा निर्मित नवचेतना गतिविधि विडियो और आधारशिला गतिविधि वीडियो प्रस्तुति व अभ्यास के माध्यम से सेविकाओं को इन गतिविधियों को प्रभावी ढंग से लागू करने का प्रशिक्षण दिया गया।माता समूह और बच्चों के देखभाल पर आधारित गतिविधि पर चर्चा और अभ्यास कराया गया।

सेविका खेल-खेल में कई गतिविधि का अभ्यास भी की ।सभी सेविका को नवचेतना और आधारशिला का गतिविधि मार्गदर्शिका पुस्तिका दी गई। उक्त कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिकाएं भी उपस्थित थी। प्रतिभागी सेविकाओं ने नवचेतना, आधारशिला, ईसीसीई डे, माता समूह बैठक और स्कूल रेडिनेस मेला जैसी गतिविधियों पर आधारित प्रशिक्षण को उपयोगी बताया और बच्चों के समग्र विकास में इसके महत्व को स्वीकार किया।प्रशिक्षण के तीसरे दिन के अंत में सेविकाओं ने उत्साहपूर्वक अपने अनुभव साझा किए और भविष्य में इन गतिविधियों को बेहतर ढंग से लागू करने की प्रतिबद्धता जताई।शेरघाटी प्रखंड से कुल 127 सेविकाओ प्रशिक्षण व ट्रेनिंग दिया गया जिसमेंमें भाग लिए। इस प्रशिक्षण में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी भवना सिंह, महिला पर्यवेक्षिका,छ.रः-नीतू आजाद ,गीता सिंहा,संगीता कुमारी प्रथम सदस्यः-अर्चना कुमारी,नीतू कुमारी,पुष्पा कुमारी आदि लोग शामिल थी।

गया जी में केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे आज करेंगे अहिल्याबाई जयंती समारोह का उद्घाटन

गया जी। विष्णुपद मंदिर की जीर्णोद्धारिणी, पुण्य श्लोक देवी, लोकमाता, धर्म परायण महिला, अनन्य शिव भक्त महारानी अहिल्याबाई होलकर जी की 300वीं जयंती आज शनिवार को मनाई जाएगी। महारानी अहिल्याबाई होल्कर विचार मंच की ओर से सिजुआर भवन में संध्या 6:30 बजे से त्रिशताब्दी जयंती समारोह बृहद तरीके से मनाया जाएगा।शाम 5:00 बजे संवास सदन समिति कार्यालय एवं अहिल्याबाई धर्मशाला परिसर में स्थित उनकी प्रतिमा पर विशेष पूजा और माल्यार्पण के बाद बैंड बाजे के साथ एक आकर्षक शोभा यात्रा निकाली जाएगी, शोभा यात्रा में महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होंगी। शोभा यात्रा विष्णुपद से निकलकर रामसागर रोड, नवागढ़ी, नादरागंज, दिग्गी तालाब मोड़,राजेंद्र आश्रम, पश्चिमी टिल्हा धर्मशाला होते हुए वापस कार्यक्रम स्थल पहुंचकर सभा में विसर्जित हो जाएगी।मंच के संरक्षक जगद्गुरु रामानुज मठ के महंत श्री वेंकटेश प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने बताया कि इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर का गया जी से खास नाता रहा है। उन्होंने 1787 में गया जी में भव्य विष्णुपद मंदिर का जीर्णोद्धार कराया था।उन्होंने मंदिर का पुनर्निर्माण कर गयावासियों पर उपकार किया है। मंच के अध्यक्ष डॉ सच्चिदानंद प्रेमी ने बताया कि जयंती समारोह की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी है। इसमें महिला स्वयंसेवी संगठनों से जुड़ी महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। समारोह के उद्घाटन कर्ता केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे, मुख्य अतिथि मगध विश्वविद्यालय बोधगया के कुलपति प्रो (डॉ) एसपी शाही, विशिष्ट अतिथि मुंगेर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो रंजीत कुमार वर्मा सहित मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया जाएगा।इस वर्ष साहित्य एवं नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नवादा में प्रयास संस्था की संचालिका बीणा मिश्रा एवं अप्रतिम गौ सेवा एवं गायों के संरक्षण और संवर्धन में उत्कृष्ट सेवा के लिए ऋषभ आदि को सम्मनित किया जायेगा।

शेरघाटी वन प्रक्षेत्र में प्रभातफेरी कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

गया।विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2025 को प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करने और एकल उपयोग प्लास्टिक से राज्य को मुक्त करने का अभियान 22 मई से 5 जून तक चलाया जा रहा है।जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन आज दिनांक 30 मई 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार के तत्वावधान में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। गया वन प्रमंडल के शेरघाटी वन प्रक्षेत्र के अंतर्गत प्लास्टिक मुक्त अभियान कार्यक्रम का आयोजन वन प्रमंडल पदाधिकारी गया ,श्री शशिकांत कुमार के मार्गदर्शन में किया गया है।

इस अवसर पर वनों के क्षेत्र पदधिकारी श्रीमती प्रियंका श्यामल, वनपाल, वनरक्षी एवं अन्य कर्मियों की उपस्थिति में शेरघाटी वन प्रक्षेत्र में प्रभातफेरी कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में उच्च माध्यमिक विद्यालय महुआवां के शिक्षक और विद्यार्थी विशेष रूप से आमंत्रित किए गए थे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के महत्व, एकल उपयोग प्लास्टिक का उपयोग बंद करने के उपायों के प्रति जागरूक करना था। वन प्रमंडल पदाधिकारी ने कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण से संबंधित ऐतिहासिक और वैज्ञानिक तथ्यों पर प्रकाश डाला। उनके द्वारा इस वर्ष के पर्यावरण दिवस के थीम को भी बताया गया है ।इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को एवं महिलाओं को संरक्षण के सरल और प्रभावी उपायों के बारे में बताया गया है। इस कार्यक्रम में आसपास की जीविका दीदियों एवं महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं आसपास के पंचायतो में जागरूकता अभियान के दौरान प्रभातफेरी में भाग लिया है।

इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस 2025 का थीम वन नेशन वन मिशन इंड प्लास्टिक पोलुशन रखा गया है। इस थीम का उद्देश्य प्रकृति को प्रदूषण रहित रखना है ।प्लास्टिक प्रदूषण आज के समय में एक गंभीर वैश्विक समस्या बन चुका है, जो न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुँचा रहा है बल्कि मानव जीवन, वन्यजीवों और समुद्री जीवों के लिए भी घातक सिद्ध हो रहा है। प्लास्टिक एक ऐसा कृत्रिम पदार्थ है जो प्राकृतिक रूप से बहुत धीमी गति से विघटित होता है। इसका अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग, विशेष रूप से एकल-प्रयोग प्लास्टिक, जैसे कि थैलियाँ, बोतलें, स्ट्रॉ, और पैकेजिंग सामग्री, हमारे चारों ओर कचरे के रूप में इकट्ठा हो जाता है। यह कचरा मिट्टी की उर्वरता को घटाता है और जल स्रोतों को प्रदूषित करता है। समुद्री जीव जैसे कि कछुए, मछलियाँ और पक्षी अक्सर प्लास्टिक को भोजन समझकर खा लेते हैं, जिससे उनकी मृत्यु हो जाती है। इसके अलावा, जब प्लास्टिक छोटे-छोटे टुकड़ों माइक्रोप्लास्टिक में टूट जाता है, तो वह जल और खाद्य श्रृंखला के माध्यम से मानव शरीर में प्रवेश कर सकता है और स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएँ उत्पन्न कर सकता है, जैसे हार्मोन असंतुलन, कैंसर और पाचन तंत्र की परेशानियाँ। प्लास्टिक जलाने पर यह वायुमंडल को भी प्रदूषित करता है और विषैली गैसें छोड़ता है। इस संकट से निपटने के लिए हमें तीन आर के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही, सरकारों को सख्त कानून बनाकर प्लास्टिक के उत्पादन और उपयोग पर नियंत्रण लगाना चाहिए। आम लोगों को भी जागरूक होकर कपड़े या जूट की थैलियों का उपयोग करना चाहिए और प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनानी चाहिए। यदि हम सभी मिलकर प्रयास करें, तो इस खतरनाक प्रदूषण पर काबू पाया जा सकता है और धरती को भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित बनाया जा सकता है।

विष्णु नगरी में आए तीर्थ यात्रियों को कल से कराया जायेगा निशुल्क भोजन, कल होगा शुभारंभ : प्रमोद भदानी

प्रात : किरण संवाददाता

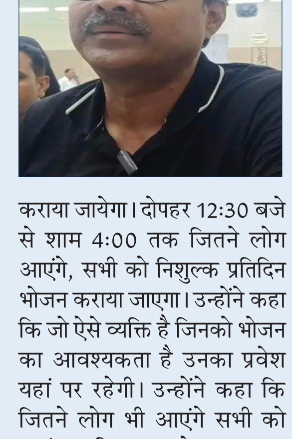

गया ।गया जी में विष्णुपद रोड, बंगाली आश्रम के समीप शुक्रवार को प्रमोद मल्टी फूड प्राइवेट लिमिटेड के प्रोपराइटर प्रमोद भदानी ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया है। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रोपराइटर प्रमोद भदानी ने कहा कि देश-विदेश से आने वाले तीर्थ यात्री, रिक्शा चालक और असहाय लोगों को निशुल्क भोजनालय का शुभारंभ कल 31 मई को किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि हमने भी गरीबी को अच्छी तरीका से देखा है। इसलिए हमें इच्छा रहती है कि गरीब और असहाय लोगों को जितना हो सके उनका उतना मदद कर सकूं। गयाजी में देश ही नहीं बल्कि विदेशों से तीर्थ यात्री पिंडदान करने के लिए आते हैं और रिक्शा चालक व असहाय लोगों को खाना खिलाने के उद्देश्य से यहां पर कल से निशुल्क भोजन कराया जायेगा। दोपहर 12:30 बजे से शाम 4:00 तक जितने लोग आएंगे, सभी को निशुल्क प्रतिदिन भोजन कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो ऐसे व्यक्ति है जिनको भोजन का आवश्यकता है उनका प्रवेश यहां पर रहेगी। उन्होंने कहा कि जितने लोग भी आएंगे सभी को यहां पर निशुल्क भोजन कराया जाएगा किसी तरह का कोई टारगेट नहीं है। सभी लोगों से अनुरोध किया गया है कि कल शुभारंभ होने के बाद से सभी आये और निशुल्क भोजन करें। कल से ही सभी लोगों को प्रतिदिन निशुल्क भोजन कराया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

पिकअप के चेंबर से विदेशी शराब जब्त

छपरा।सारण जिला अंतर्गत मध निषेध के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन के क्रम में प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर मध निषेध एवं उत्पाद विभाग द्वारा की गई कारवाई में शीतलपुर फोरलेन मार्ग पर एक मैजिक पिकअप वाहन को जप्त किया गया। जप्त पिकअप के सीक्रेट चैंबर से अवैध विदेशी शराब बरामद किया गया। परिवहन जप्त करने के साथ दो अभियुक्त की गिरफ्तारी की गई ।

प्रेम सिंह मीणा ने दिघवारा अंचल कार्यालय का किया निरीक्षण

छपरा। प्रेम सिंह मीणा भारतीय प्रशासनिक सेवा के अपर सदस्य राजस्व पर्षद बिहार द्वारा 30 मई को सोनपुर अनुमंडल अंतर्गत दिघवारा अंचल कार्यालय एवं राजस्व न्यायालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में जिलाधिकारी अमन समीर,अपर समाहर्ता , उप समाहर्ता भूमि सुधार सोनपुर तथा अंचलाधिकारीसोनपुर उपस्थित थे। अपर सदस्य द्वारा निरीक्षण के दौरान पाई गई त्रुटियों पर अविलंब आवश्यक कार्रवाई करते हुए त्रुटि निराकरण कर अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

सेवा कुटीर ने चार वर्षों से बिछड़े को परिजनों से मिलवाया

छपरा। लगभग 4 वर्षों से घर से बिछड़े कुटीर सेवा के सहयोग से आवासित लाभार्थी मनोज गिरी को छोटे भाई संतोष गिरी ने उन्हें अपने साथ घर लेकर गए। बता दें कि मनोज गिरी, पिता प्रसाद गिरी पानापुर गांव अखियारपुर,थाना- करजा,जिला -मुजफ्फरपुर के निवासी बताए गए हैं। मनोज गिरी 4 जुलाई 2024 को छपरा बायपास में भिक्षावृत्ति करते हुए पाए गए थे। फोल्ड कोऑर्डिनेटर और केयर टेकर की मदद से उन्हें सेवा कुटीर में आवासित किया गया। सेवा कुटीर के माध्यम से डॉक्टर से दिखाया गया। डॉक्टर के द्वारा दिए गए दवा का नियमित सेवन कराया गया, जिससे धीरे-धीरे उनके मानसिक और स्वास्थ्य में सुधार हुआ। सुधार होने के उपरांत पूर्व में उनसे साथ हुई घटना के बारे में बताना शुरू किया। मालूम हो कि मनोज गिरी के तीन भाई और एक बहन है। पिछले लगभग 4 वर्ष से मनोज गिरी घर वापस नहीं आए। लेकिन सेवा कुटीर के क्षेत्र समन्वयक के द्वारा लगातार उनके परिजन के खोजबीन जारी रही और अंत में उनके छोटे भाई संतोष गिरी से संपर्क हुआ। अपने भाई को संतोष गिरी खुशीपूर्वक अपने घर ले जा रहे हैं।

प्रखंड सब्जी उत्पादक सहकारी समिति लिमिटेड की प्रथम बैठक आयोजित

बनियापुर । प्रखंड परिसर स्थित व्यापार मंडल भवन मे अध्यक्ष कृष्ण मोहन सिंह की अध्यक्षता मे सरकार प्रायोजित किसानो के लिए, इस महत्वकांक्षी कार्यक्रम के लिए नव गठित सब्जी उत्पादकता समिति लिमिटेड के अध्यक्ष श्री सिंह की अध्यक्षता समिति की गठन के उपरांत पहली बैठक आयोजित कर कई अहम फैसले लिए गए,खासकर समिति की कार्यालय, खाता खोलने,पैड मोहर,प्रबंधक नियुक्त करने जैसे कई निर्णय लिए गए।जहा बताया गया कि समिति के माध्यम से किसानो को सरकार की महती योजनाओं को आसानी पहुंचाया जाएगा मौके पर बीसीओ रामनंद यादव उपाध्यक्ष संजय सहाय नवल किशोर कुशवाहा अजित सिंह सुरजभान सिंह मुखिया अरुण दास अरुण महतो पिंटू सिंह बिक्रम कुशवाहा उर्फ लोहा सिंह सहित अन्य समिति के पदाधिकारी शामिल थे।

युवक के खाते से 29 हजार रुपये की अवैध निकासी

दिघवारा।थाना क्षेत्र के मानूपुर निवासी अजय कुमार श्रीवास्तव के पुत्र मनीष कुमार श्रीवास्तव के खाते से अवैध रूप से 29 हजार रुपए की निकासी हो गई इस संबंध में पीड़ित व्यक्ति द्वारा प्राथमिकी दर्ज करने के लिए थाने में आवेदन दिया गया है दर्ज प्राथमिकी में उक्त व्यक्ति ने बताया कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा से उनके खाते से बीते दिनों 29 हजार रुपए की निकासी हो गई और खाता से मोबाइल नंबर नहीं जुड़े होने के कारण उनको उक्त घटना की जानकारी नहीं मिल सकी।बाद में घटना की जानकारी मिलने पर 1930 ग्राहक सेवा नंबर पर सूचना दी गई इसके बाद प्राथमिकी दर्ज करने के लिए थाने में आवेदन दिया गया।

अमनौर में हथियार और लूटी हुई ट्रैक्टर के साथ पांच गिरफ्तार, तीन फरार

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। ये सभी अवैध हथियार और चाकू के साथ लूट की वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। पुलिस ने इनके पास से एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, दो मोबाइल फोन, एक चाकू और मशरक से लूटी गई एक स्वराज ट्रैक्टर बरामद की है। गिरफ्तार अपराधियों की निशानदेही पर ट्रैक्टर के इंजन और डाला को भी अलग-अलग स्थानों से बरामद किया गया है। थाना अध्यक्ष कुंदन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि थाना अंतर्गत मणिसिरिसिया स्थित ब्रह्म स्थान के पास चार अपराधी कट्टा, गोली और चाकू के साथ किसी बड़ी लूट की योजना बना रहे हैं। साथ ही, यह भी पता चला कि 16 मई 2025 को मशरक थाना क्षेत्र से लूटी गई एक ट्रैक्टर को ठिकाना लगाने की भी योजना बनाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस एक टीम गठित कर रात 12:50 बजे मणिसिरिसिया स्थित ब्रह्म स्थान पहुंची तो देखा कि चार युवक आपस में बातचीत कर रहे थे। पुलिस को देखते ही वे इधर-उधर भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर दो युवकों, आशुतोष कुमार तिवारी उर्फ चुन्नु कुमार (25 वर्ष) और पिंटू कुमार (26 वर्ष) को दबोच लिया। झाड़ियों का फायदा उठाकर बिट्टू कुमार और अभिषेक कुमार नामक दो अन्य अपराधी भागने में सफल रहे। गिरफ्तार किए गए आशुतोष कुमार तिवारी उर्फ चुन्नु कुमार की दाहिनी कमर में एक लोडेड देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस (के०एफ० 12, 00 अंकित), और दाहिने पॉकेट से एक फोल्डेड चाकू बरामद हुआ। उसके बाएं पैंट के पॉकेट से एक नोकिया कीपैड मोबाइल भी मिला। वहीं, पिंटू कुमार के दाहिने पॉकेट से एक रेडमी स्मार्टफोन और एक जिंदा कारतूस (ऋक्ष्ण्ड्ड12 ड्डल्ड्डश्च अंकित) बरामद किया गया। पूछताछ में आशुतोष कुमार तिवारी उर्फ चुन्नु कुमार ने बताया कि वे चारों जिगरी दोस्त हैं और 16 मई 2025 को रात 10:30 बजे मशरक थाना क्षेत्र के दुमदुमा पोखरा के पास एक ट्रैक्टर चालक को चाकू मारकर उसकी स्वराज ट्रैक्टर लूट ली थी। लूटी हुई ट्रैक्टर को तरैया के रास्ते मढ़ौरा लाया गया और उनके मित्र पिंटू कुमार को छिपाने के लिए दे दिया गया। अगले दिन, वे सभी मिलकर लूटी हुई स्वराज ट्रैक्टर के इंजन और डाला को ठिकाने लगाने के लिए अपने मित्र विशाल कुमार सिंह उर्फ कल्लू (32 वर्ष) को दे दिया। विशाल सिंह मढ़ौरा खुर्द के रहने वाले हैं। आशुतोष ने यह भी बताया कि आज भी वे इसी स्थान पर कट्टा, गोली और चाकू के साथ किसी ट्रक या चारपहिया वाहन को लूटने की योजना बना रहे थे, की निशानदेही पर पुलिस ने मढ़ौरा खुर्द में विशाल कुमार सिंह उर्फ कल्लू के घर छापेमारी की और उसे हिरासत में लिया। विशाल ने बताया कि आशुतोष ने उसे मशरक से लूटी हुई ट्रैक्टर को ठिकाने लगाने के लिए दिया

न्यायिक कार्य से विरत रहे अधिवक्तागण

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के अधिवक्ता नीरज रंजन सिन्हा के मृत्यु हो जाने पर जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के केन्द्रीय कक्ष में जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय के अध्यक्षता और महासचिव जगनरायण सिंह के संचालन में एक शोक सभा आयोजित किया गया और दो मिनट के मौन रखकर उनकी आत्मा के शांति की प्रार्थना किया गया अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि वक्ताओं ने कहा कि वे सरल स्वभाव, मधु भाषी, हमेशा प्रसन्नचित्त रहने वाले थे,59 वर्षीय नीरज रंजन सिन्हा 1990 से विधि व्यवसाय में थे, उनके मृत्यु के खबर से जिला विधिज्ञ संघ में शोक की लहर दौड़ गई,शोकसभा कर अधिवक्ताओं ने अपने आप को न्यायिक कार्य से विरत रखा,इस अवसर पर उपस्थित थे, पूर्व अध्यक्ष रसिक बिहारी सिंह, पूर्व सचिव नागेन्द्र सिंह, एपीपी महेंद्र प्रसाद सिंह, स्पेशल पीपी परवेज अख्तर, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार, प्रमोद कुमार सिंह, मधुसूदन प्रसाद सिन्हा,सरोज रंजन सिन्हा, संदीप कुमार,अनील कुमार सिन्हा, कामता प्रसाद सिंह, बागेश्वरी प्रसाद, सिद्धार्थ, नवीन कुमार, कमलेश द्विवेदी, क्षीतिज रंजन,अरूण पाठक, अशोक पासवान,अनील कुमार सिंह,अजय कुमार, सुनील कुमार सहित अन्य उपस्थित थे

मनरेगा पीओ की सराहनीय पहल से मजदूरों को मिल रहा रोजगार

रोजगार मिलने से मजदूर दे रहे जिला प्रशासन को साधुवाद

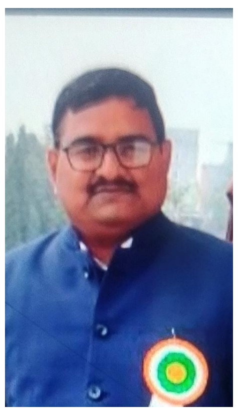

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया।पश्चिमी चंपारण जिले के बैरिया में पदस्थापित और चनपटिया प्रखंड के प्रभारी मनरेगा पीओ देवकांत कुमार की सराहनीय पहल से दोनो प्रखंड में हजारों जॉबकार्ड धारी मनरेगा मजदूरों को रोजगार मिल रहा है।दोनो प्रखंड के लगभग सभी पंचायतों में नहर सफाई,पईन सफाई,बांध जीर्णोद्वार योजना,आदि योजनाओं में इन मजदूरों को लगाया गया है।बैरिया प्रखंड के तुमकड़िया पंचायत में पईन सफाई में लगे मनरेगा मजदूर मंसूर गद्दी,इदरीश मियां, बेदमिया देवी,लालमती देवी आदि मजदूरों ने और चनपटिया प्रखंड के भैसही पोखरिया पंचायत में पईन सफाई में लगे मनरेगा मजदूर उषा देवी,इंदु देवी,किशुन राम आदि ने बताया की स्थानीय जनप्रतिनिधि और मनरेगा पीओ की पहल से गांव में ही रोजगार मिल जा रहा है।इसके लिए दोनो पंचायत के मजदूरों ने स्थानीय जनप्रतिनिधि और मनरेगा पीओ सहित जिला प्रशासन को साधुवाद दिया।वही दोनो प्रखंड के जनप्रतिनिधियों ने भी मनरेगा पीओ की जमकर सराहना करते हुए बताया कि पीओ देवकांत कुमार सरल स्वभाव और मृदुभाषी अधिकारी है।वे हमेशा काम,मनरेगा मजदूरों और अपने अधीनस्थ कर्मियों के प्रति समर्पित रहते है।वही मनरेगा पीओ देवकांत कुमार ने कहा कि एक पदाधिकारी का जो कर्तव्य है मैं उसका निर्वाहन करने का कार्य करता हूं। उन्होंने कहा की आज सभी मनरेगाकर्मियों,जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के सहयोग और समर्थन से ही मनरेगा से दोनो प्रखंड में हजारों मनरेगा मजदूरों को रोजगार दिया जा रहा है।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर कई पत्रकार अंगवस्त्र पुष्पमाला से किए गए सम्मानित

समकालीन परिदृश्य में हिंदी पत्रकारिता की दशा एवं दिशा एवं हमारी भूमिका , विषयक विचार गोष्ठी आयोजित

● वर्तमान पत्रकारिता पूंजीवाद का शिकार, लोकतंत्र के चौथा स्तंभ पत्रकारिता को सुदृढ़ करने की जरूरत : किरण देव यादव

प्रात : किरण संवाददाता

खगड़िया। हिंदी पत्रकारिता दिवस पर देश बचाओ अभियान के बैनर तले 199 वां स्थापना दिवस रेडक्रॉस भवन सभागार में धूमधाम से मनाया गया। तथा समाचार सूत्र पत्रकार एवं समाचार स्त्रोत समाजसेवियों को अंग वस्त्र पुष्प माला से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समकालीन परिदृश्य में हिंदी पत्रकारिता की दशा एवं दिशा तथा हमारी भूमिका, विषयक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने किया। कार्यक्रम में जहां न पहुंचे रवि, वहां पहुंचे कवि,, जहां न पहुंचे सरकार, वहां पहुंचे पत्रकार,, पत्रकार - समाजसेवी एकता जिंदाबाद, समाचार सूत्र एवं स्त्रोत एकता जिंदाबाद, हिंदी पत्रकारिता दिवस जिंदाबाद का नारा बुलंद किया गया। स्वतंत्र पत्रकार समाजसेवी किरण देव यादव ने कहा कि 30 मई 1826 ई को उदंड मार्तंड नामक पहला हिंदी अखबार की शुरूआत की गई। तभी से हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जा रहा है। आज हिंदी पत्रकारिता की दशा एवं दिशा चिंतनीय है। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकारिता पीत पत्रकारिता में मशगूल हैं। गोदी मीडिया तो पत्रकारिता को गर्त में धकेल दिया। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमजोर कर दिया गया है। पत्रकारिता समाज का आईना है जिसे आज की तथाकथित पत्रकार धूमिल कर रही है। हिंदी पत्रकारिता पूंजीवाद पर आधारित बनकर रह गई है।आज हिंदी पत्रकारिता को स्वच्छ सुदृढ़ पारदर्शी निडर निर्भीक निष्पक्ष बनाने की जरूरत है। हिंदी पत्रकारिता को मजबूत बनाने हेतु हम सबकी सहभागिता देने, कर्तव्य निभाने, जिम्मेवारी निर्वहन करने की जरूरत है। आज भी कई पत्रकार सच्चे अर्थों में कलम की धार को तेज किए हुए हैं जिनके जज्बे को सलाम करते हैं। कार्यक्रम में दैनिक भास्कर के वरिष्ठ पत्रकार मनोज कुमार, संरक्षक किरण देव यादव, पत्रकार संजय कर्ण जन्मेजय विक्रमादित्य सुमलेश कुमार विक्रम शर्मा अमर पासवान गीता यादव सुखनंदन पासवान रामविलास , वरिष्ठ पत्रकार वासुदेव विधाता सहित सामाजिक कार्यकर्ता उमेश ठाकुर मधुबाला गुड्डू ठाकुर सोनू कुमार आशीष झा आलोक रंजन आदि को अंग वस्त्र एवं पुष्प माला से सम्मानित किया गया। सभी सामाजिक कार्यकर्ता कौन है पत्रकारों को हिंदी पत्रकारिता दिवस की हार्दिक बधाई शुभकामनाएं दिया। समाजसेवी किरण देव यादव ने पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने, पत्रकारों को सम्मान सुरक्षा सुविधा देने, पत्रकारों पर हो रहे झूठा मुकदमा, जानलेवा हमला, हत्या पर रोक लगाने, पत्रकारों को सम्मानित करने की मांग बिहार एवं केंद्र की सरकार से किया है। पत्रकारों ने कहा कि पत्रकारों में एकता एक जीत बनाने की जरूरत है। समाचार की महत्ता को ध्यान में रखकर प्रकाशित करने की जरूरत है। ताकि सच्चे अर्थों में सरकार प्रशासन जनता के बीच संवाद सेतु का बखूबी कार्य निभा सके। कार्यक्रम में स्वतंत्र पत्रकार संघ, ऑल इंडिया मिशन प्रेस एसोसिएशन ऐम्पा एवं जिला प्रेस क्लब पत्रकार संघ से जुड़े पत्रकारों ने भाग लिया।

विद्यालय में प्रधान शिक्षक के प्रभार पाने के विवाद में दो शिक्षक आपस मे भिड़े

प्रात : किरण संवाददाता

माँझी। माँझी प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय कौरुधौरु के परिसर में शुक्रवार की सुबह उस समय अफरा तफरी मच गई जब विद्यालय के दो प्रधान शिक्षक प्रभार के विवाद में आपस में ही भीड़ गए तथा दोनों के बीच पहले कहा सुनी तथा बाद में जमकर हाथ पाई और पटका पटकी भी हुई। विद्यालय परिसर में दो प्रधान शिक्षकों के बीच हो रही गुत्थम गुत्थी के दौरान भयभीत महिला शिक्षिकाएँ तथा छात्र व छात्रायें दहशत की वजह से कमरे में दुबक गईं। शोर सुनकर पहुँचे आसपास के ग्रामीणों ने पहले दोनों शिक्षकों को पकड़कर एक दूसरे से अलग किया तथा बाद में समझा बुझा कर फिलहाल मामला शान्त करा दिया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि वरीय शिक्षक जय प्रकाश साह पहले से प्रधानाध्यापक के प्रभार में थे लेकिन बाद में विभाग ने उनको प्रभारमुक्त करके दूसरे वरीय शिक्षक शाहनवाज खान को प्रभारी प्रधानाध्यापक मनोनीत कर दिया। पूर्व बीडीसी विद्यासागर भगत,भोलू खान,संजय भगत,संजीव कुमार चौरसिया तथा मुकुन्द जी आदि ग्रामीणों ने बताया कि शाहनवाज खान को प्रभार दिए जाने के बावजूद जय प्रकाश साह कथित तौर पर उन्हें वित्तीय प्रभार आदि सौंपने में आनाकानी कर रहे हैं। लोगों की शिकायत है कि शाहनवाज खान प्रभार पाने के लिए आये दिन उनसे मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। लोगों ने कहा कि दोनों शिक्षकों की वजह से विद्यालय का पठन पाठन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इसलिए इन दोनों शिक्षकों को तत्काल निलंबित करके विभाग उन्हें यहाँ से अन्यत्र हटाये अन्यथा गाँव के लोग इनके खिलाफ आन्दोलन करेंगे। ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय का गेट रात में भी खुला रहता है तथा कुछ शिक्षक विद्यालय संचालन के दौरान गायब तो रहते ही हैं लेकिन कभी कभार वे शिक्षक अज्ञात कारणों से देर रात तक विद्यालय परिसर में विचरण करते भी देखे जाते हैं।

प्रखंड स्तरीय खरीफ कार्यशाला सह किसान प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

किसानों को दी गयी खेती की नयी तकनीक की जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

गड़खा (सारण) प्रखंड मुख्यालय स्थित ई किसान भवन मे शुक्रवार को प्रखंड स्तरीय खरीफ कार्यशाला सह किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गयी, जिसका विधिवत उद्घाटन वैधनाथ प्रसाद सिंह विकल व डा जितेंद्र उद्यान निरिक्षक कृर्षी विज्ञान केन्द्र माँझी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया साथ ही प्रशिक्षण मे उपस्थित दर्जनो किसानो को जागरूक करते हुए कहा गया की सरकार द्वारा किसानो के हित मे कई लाभकारी योजनाए चलायी जा रही है जिससे किसान लाभान्वित हो रहे है किसान को विभिन्न प्रकार के बीज मुहैया कराई जा रही है जिससे किसानो को लाभ मिल रहा है प्रखंड कृर्षी पदाधिकारी शिवजी पासवान ने किसानो खेती संबधी विस्तार पुर्वक जानकारी दी साथ ही मोटे आनाज की रख रखाव की किसान से जानकारी लेते हुए उचित जानकारी दिया, इस प्रशिक्षण कार्यक्रम मे धान की खेती सिंचाई खाद एवं दवा के बारे मे भी बताया गया जैविक खेती करने संबधित जानकारी दी गई, इस कार्यक्रम मे मृर्दा विशेषज्ञ डा विनय कुमार प्रखंड उधान पदाधिकारी प्रखंड तकनीकी पदाधिकारी बीसुत्री उपाध्यक्ष अजय कुमार बीसुत्री सदस्य विजेन्द्र कुमार सिंह प्रखंड कृर्षी समन्वयक सभी एटीएम किसान सलाहकार आदि उपस्थित

सवर्ण आयोग के अध्यक्ष बने पूर्व मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। पूर्व मंत्री डॉ. महाचन्द्र प्रसाद सिंह को सवर्ण आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं भाजपा नेतृत्व के प्रति आभार जताया। वर्षों बाद सवर्ण आयोग के पुनर्गठन के उपरांत डॉ. महाचन्द्र प्रसाद सिंह को आयोग के अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर डॉ. सिंह ने माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति गहरा आभार प्रकट किया है। डॉ. सिंह ने इस दायित्व को एक बड़े सामाजिक विश्वास और सम्मान का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह उनके लिए गर्व का क्षण है।

उन्होंने इसे सवर्ण समाज की भावनाओं, संघर्षों और उम्मीदों का सम्मान बताया। डॉ. सिंह ने कहा कि ये न केवल मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से सम्मान का विषय है, बल्कि उन लाखों गरीब और पिछड़े सवर्ण परिवारों की आकांक्षाओं की स्वीकृति है, जो वर्षों से अपनी समस्याओं को लेकर संघर्षरत रहे हैं।

मैं इस नई जिम्मेदारी को समाज की सेवा का माध्यम मानते हुए, समाज की बेहतरी के लिए समर्पण भाव से कार्य करूंगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि आयोग का कार्य अब सिर्फ औपचारिक सीमाओं तक नहीं रहेगा, बल्कि यह समाज के जमीनी सरोकारों को उठाने, उनके समाधान हेतु नीतिगत सुझाव देने और सरकार के साथ समन्वय बनाकर ठोस कार्यवाही सुनिश्चित करने की दिशा में अग्रसर रहेगा। उन्होंने कहा कि वे इस विश्वास के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा नेतृत्व को धन्यवाद देते हैं। डॉ. सिंह ने समाज के सभी वर्गों से प्राप्त शुभकामनाओं और समर्थन के लिए भी धन्यवाद ज्ञापित किया है।

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

छपरा कार्यालय। सारण्य महोत्सव के तत्वावधान में सारण्य महोत्सव के मजबूत स्तम्भ अमरेन्द्र सिंह की याद में श्रद्धान्जलि सभा का आयोजन सारण्य महोत्सव के अन्तर्राष्ट्रीय कार्यालय में किया गया। उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सारण्य महोत्सव अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश राज ने अपने उदगार व्यक्त करते हुए कहा उनकी मृत्यु से हमें गहरा दुख हुआ है। स्वर्गीय अमरेन्द्र सिंह एक सच्चे समाजसेवी थे, जिन्होंने अपना जीवन समाज के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने गरीबों, जरूरतमंदों और वंचितों के लिए काम किया और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया। सारण्य महोत्सव महासचिव श्याम बिहारी अग्रवाल ने श्रद्धान्जलि देते हुए कहा स्वर्गीय अमरेन्द्र सिंह की समाजसेवा की भावना अद्वितीय थी। उन्होंने कभी हार नहीं मानी और हमेशा समाज के लिए कुछ करने का प्रयास किया। उनकी निष्ठा, समर्पण और सेवा भावना ने हमें प्रेरित किया और हमें समाज के लिए काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉक्टर सम्पूर्णा नन्द सिंह ने कहा स्वर्गीय अमरेन्द्र सिंह ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में काम किया, जैसे कि शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण। डॉक्टर सुरेश प्रसाद सिंह ने कहा उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वह हमेशा समाज के कमजोर वर्गों के साथ खड़े रहे और उनके अधिकारों के लिए लड़े। उन्होंने समाज में व्याप्त असमानता और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई और समाज को अधिक न्यायपूर्ण और समान बनाने का प्रयास किया। सुभाष ओझा ने कहा आज हमें स्वर्गीय अमरेन्द्र सिंह की याद में उनके कार्यों को जारी रखने का संकल्प लेना चाहिए। हमें उनके आदर्शों और मूल्यों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए और समाज के लिए काम करना चाहिए। श्रद्धान्जलि सभा में अध्यक्ष चंद्र प्रकाश राज, महासचिव श्याम बिहारी अग्रवाल, अमन कुमार सिंह, अशोक कुमार सिंह, डॉक्टर देवेश कुमार, शशी भुषण शाही, विनोद कुमार सिंह, डॉक्टर सम्पूर्णा नन्द सिंह, राकेश कुमार मिश्रा, सुशील कुमार सिंह, सुभाष ओझा, पूर्व जिप सदस्य रूपेश सिंह, कुमार अर्नज, डॉक्टर सुरेश प्रसाद सिंह, लालू गुप्ता आदि ने श्रद्धान्जलि अर्पित किया।

रामाधार सिंह टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ज्ञान कुंभ का शुभारंभ

● प्राचीन शिक्षा प्रणाली बनाम आधुनिक शिक्षा प्रणाली पर हुई विस्तृत चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

एकमा (सारण)। रामाधार सिंह टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, एकमा में आईक्यूएसी के द्वारा ह्यप्राचीन शिक्षा प्रणाली बनाम आधुनिक शिक्षा प्रणालीह्न विषय पर शुक्रवार को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ज्ञान कुंभ का शुभारंभ हुआ। कॉलेज के राजेन्द्र सभागार में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री गौतम सिंह, कार्यक्रम के संरक्षक जयप्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ परमेंद्र कुमार वाजपेयी, निपा के प्रो. कुमार सुरेश, पूर्वांचल विश्वविद्यालय विराट नगर नेपाल के पूर्व कुलपति डॉ घनश्याम लाल दास व रामाधार सिंह टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के सचिव इंजीनियर जयप्रकाश सिंह आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीएड कॉलेज के प्राचार्य डॉ सत्यप्रकाश दास व संचालन कॉलेज की छात्राएं मानसी, आर्या व प्रियंका के द्वारा किया गया। आगत अतिथियों का स्वागत कॉलेज के सचिव इंजीनियर जयप्रकाश सिंह, ट्रस्टी राजीव कुमार शर्मा, प्राचार्य डॉ सत्प्रकाश दास, धर्मेंद्र कुमार सिंह उर्फ ठाकुर सिंह, शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी क्रमशः उमाशंकर सिंह, अनुप कुमार, हरिशंकर, अजीत कुमार, सुजीत कुमार, अमरेश, कंचन भारती, नागेंद्र कुमार सिंह, कमल कुमार सिंह, संतोष कुमार सिंह, प्रमोद कुमार आदि के द्वारा फूल माला, पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्र आदि भेंटकर किया गया। इस अवसर पर जेपीयू के कुलपति डॉ परमेंद्र कुमार वाजपेयी ने अपने संबोधन में कहा कि आने वाले कुछ वर्षों में जयप्रकाश विश्वविद्यालय छपरा देश में ही नहीं बल्कि विदेश में भी शीर्ष स्थानों में से एक होगा। हमारे विश्वविद्यालय में एबीसी पोर्टल तैयार कर दी गई है। जिससे आने वाले दो वर्षों के बाद कोई विद्यार्थी अपना प्रमाण पत्र कहीं से भी प्राप्त सकता है। पूर्व मंत्री गौतम सिंह ने कहा कि शिक्षा ज्ञान का वह दीप है, जो किसी भी अज्ञानता के अंधकार को दूर कर सकता है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जर्मनी के विशेषज्ञ डॉ. क्रिश्चियन बार्टोल्फ ने कहा कि आने वाले समय में भारत पूरे विश्व के नंबर एक शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी होगा। वहीं कार्यक्रम में मौजूद पूर्वांचल विश्वविद्यालय विराट नगर नेपाल के पूर्व कुलपति डॉ घनश्याम लाल दास ने अपने संबोधन में कहा कि प्राचीन शिक्षा प्रणाली के गुणों को आधुनिक शिक्षा प्रणाली से समिश्रण कर नीति निर्माण करनी चाहिए। इस कार्यक्रम में देश-विदेश के कई शिक्षा विशेषज्ञों ने अपने-अपने विचार रखेंगे। बताया गया है कि इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों के लिए शोध पत्र अंग्रेजी अथवा हिंदी भाषा में आमंत्रित किए गए हैं। शोध पत्र लगभग 2000 शब्दों में एपीए प्रारूप में मांगा गया है। शनिवार को कार्यक्रम का समापन होगा।

शुभचिंतकों ने कहा कि डॉ सिंह के अनुभव का आयोग को मिलेगा लाभ

दिघवारा।वरिष्ठ भाजपा नेता एवं बिहार सरकार के पूर्व मंत्री डॉ महाचंद्र प्रसाद सिंह को बिहार सवर्ण आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है शुक्रवार को उनके अध्यक्ष बनाए जाने की सूचना मिलने के बाद उनके शुभचिंतकों में काफी हर्ष देखा गया और हर किसी ने अपने अपने स्तर से उन्हें बधाई देते हुए अपनी अपनी शुभकामना दी।पूर्व विधायक विनय कुमार सिंह, उपेंद्र सिंह,राम जंगल सिंह इंटर कॉलेज के सचिव अशोक कुमार सिंह, पूर्व प्राचार्य प्रो कन्हैया सिंह, प्रो डॉ सुरजीत सिंह सोनू, प्रो डॉ संजय सिंह,मुन्ना खलपुरी,कमलेश दूबे,सादिक हुसैन,राममूर्ति, हिमांशु शेखर,केदार सिंह,मनोज सिंह, डॉ पंकज कुमार सिंह,दीपक गुप्ता,सुनील कुमार,प्रखंड बीस सूत्री के अध्यक्ष विपिन कुमार सिंह,पूर्व मुखिया राकेश कुमार सिंह, संजय कुमार सिंह,अश्विनी पांडेय,मुखिया गुड्डू सिंह,संजीत सिंह,उमाशंकर सिंह,नरेंद्र सिंह पुटून,मोहन शंकर प्रसाद,सीताराम प्रसाद,अमरेंद्र चौरसिया,पूनम सिन्हा, गोपाल जी सिंह,प्रो किरण सिंह,प्रो सुनील सिंह सरीखे कई लोगों ने उनको आयोग का अध्यक्ष बनने पर बधाई दिया है।सबों ने कहा कि श्री सिंह के लंबे राजनीतिक अनुभव के चलते उनको सवर्ण आयोग का अध्यक्ष बनाया है. आयोग को उनके अनुभव का भरपूर लाभ मिलेगा।

दिघवारा में अलग अलग स्थानों से दो बाइको की हुई चोरी

दिघवारा।थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग जगहों पर मोटरसाइकिल चोरी को लेकर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।उक्त मोटरसाइकिल की चोरी शीतलपुर पुरानी बाजार व दिघवारा के पश्चिमी रेलवे ढाला के सब्जी आढ़त के करीब से हुई है।इस संबंध में दरियापुर थाना क्षेत्र के हरपुर निवासी स्व. देवशरण प्रसाद के पुत्र तारकेश्वर प्रसाद के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।दर्ज प्राथमिकी में उन्होंने बताया कि वह सब्जी आढ़त के पास बाइक खड़ी कर अपने कार्य से गए थे लेकिन इसी बीच उनके बाइक की चोरी हो गई। बाद में खोजबीन करने पर भी पता नहीं चल सका।वहीं दिघवारा थाना क्षेत्र के शीतलपुर निवासी हाफिज मियां के पुत्र फजल मियां ने बताया कि वह शीतलपुर पुरानी बाजार के समीप मोटरसाइकिल को लगाया था जहां से अज्ञात चोरों द्वारा इसकी चोरी कर ली गई।

सात्विक-चिराग की जोड़ी सिंगापुर ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

सिंगापुर (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी ने शुक्रवार को यहां सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन की मलेशिया की शीर्ष रैंकिंग वाली जोड़ी पर सीधे गेम में जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पिछले कुछ सप्ताह से फिटनेस संबंधी मुद्दों से जूझ रही भारतीय जोड़ी ने 39 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में दमदार रक्षात्मक खेल और नेट के शानदार इस्तेमाल से 21-17, 21-15 से जीत दर्ज कर सत्र में अपने पहले खिताब की ओर कदम बढ़ाए। भारतीय जोड़ी के लिए यह इस सत्र का तीसरा सेमीफाइनल है। इससे पहले वे इस साल मलेशिया और इंडिया ओपन में भी अंतिम-चार चरण में पहुंचे थे।

सात्विक और चिराग की पूर्व नंबर एक जोड़ी का इससे पहले मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ जीत हार का रिकॉर्ड 6-2 था। गोह और नूर की जोड़ी ने हालांकि दोनों जोड़ियों के पिछले मुकाबले में सात्विक और चिराग को हराया था। मैच की शुरुआत से दोनों जोड़ियां एक-दूसरे पर दबदबा बनाने की कोशिश कर रही थी जिससे शुरुआती गेम में स्कोर 7-7 की बराबरी पर था। सात्विक की शानदार सर्विस से ब्रेक के समय भारतीय जोड़ी ने तीन अंक की बढ़त कायम कर ली।

भारतीय जोड़ी ने दबाव बनाये रखते हुए 15-11 की बढ़त कायम की। मलेशिया की जोड़ी ने वापसी की कोशिश की लेकिन सात्विक के बेहद दमदार स्मैश का उनके पास कोई जवाब नहीं था। भारतीय जोड़ी ने तीन मैच प्वाइंट हासिल किये और गोह सर्विस के रिटर्न शॉट को नेट पर खेल बैठे। पहला गेम जीतने के बाद चिराग ने दूसरे गेम की शुरुआत में कुछ गलतियां की लेकिन भारतीय जोड़ी ने 6-6 के स्कोर के साथ प्रतिद्वंद्वी जोड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया। सात्विक और चिराग ने इसके बाद लगातार चार अंक हासिल किये 11-7 की बढ़त कायम की। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद पूरी तरह से दबदबा कायम कर लिया। सात्विक ने दमदार स्मैश से स्कोर को 16-10 कर दिया। अंत में उनके एक और शानदार रिटर्न से भारतीय जोड़ी को पांच मैच प्वाइंट मिले और उन्होंने विरोधी जोड़ी की एक और गलती से जीत दर्ज की।

पहलवान बजरंग पूनिया को राहत, दिल्ली की अदालत में चल रहा ये मामला खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने ओलंपिक पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला खत्म कर दिया है क्योंकि उन्होंने कोच और शिकायतकर्ता नरेश दहिया से बिना शर्त माफी मांग ली है।

न्यायाधीश ने 29 मई को मामला तब बंद कर दिया जब दोनों पक्षों ने अदालत में प्रस्तुत किया कि उन्होंने मामले को आपस में सुलझाने का फैसला किया है। न्यायाधीश ने आदेश में कहा, 'मामला सुलझाया गया।

दहिया ने दावा किया था कि बजरंग ने अन्य पहलवानों और लोगों के साथ मिलकर 10 मई 2023 को भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रेस कांफ्रेंस में उनके खिलाफ आपत्तिनजक टिप्पणी की थी।

मुझे इस बात में कोई संदेह नहीं है कि कोहली फाइनल में बड़ी भूमिका निभाएंगे : डिविलियर्स

मुल्लांपुर (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का मानना ??है कि 'बेहतरीन टीम मैन' विराट कोहली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फाइनल में बड़ी भूमिका निभाते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को दुनिया की सबसे बड़ी टी20 लीग में अपना पहला खिताब दिलाएंगे। आरसीबी ने क्वालीफायर एक में पंजाब किंग्स के खिलाफ महज 102 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आठ विकेट की जीत के साथ फाइनल में जगह पक्की की।

मौजूदा सत्र में टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शामिल कोहली इस एकतरफा मैच में बल्ले से महज 12 रन का योगदान ही दे सके। ऱ्ष्टक्च के उनके पूर्व साथी डिविलियर्स को हालांकि भरोसा है कि यह भारतीय सुपरस्टार तीन जून को अहमदाबाद में होने वाले खिताबी मुकाबले में धमाल मचाएगा।

डिविलियर्स ने 'जियोहॉटस्टार' से कहा, 'इस मैच से पहले जब वह बस से उतरे थे तब मैंने उन्हें स्क्रीन पर देखा था। उस समय उनकी भाव भांगिमा सकारात्मक दिख रही थी। यह कुछ ऐसा है जिसके हम आदी हो गये हैं। वह आज रन नहीं बना पाये लेकिन फिर भी हमने उन्हें अंत तक बल्लेबाजों के साथ जश्न मनाते हुए देखा। उन्होंने कहा, 'वह पूरी तरह से टीम के लिए समर्पित खिलाड़ी है। उनके खेल में एकाग्रता दिख रही थी। जाहिर है काम अभी पूरा नहीं हुआ है और मैं उसे खेलते हुए देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि वह फाइनल में दमदार प्रदर्शन करेगा। आरसीबी 2008 में 8 फ्रेंचाइजी के साथ आईपीएल की शुरुआत से इसमें खेलने वाली टीमों में से एक है। यह टीम अतीत में तीन मौकों पर फाइनल में पहुंचने के बावजूद कभी खिताब नहीं जीत पाई। डिविलियर्स ने कहा, 'मुझे लगता है कि इस टीम के पास 2011 खिताब जीतने का एक बहुत अच्छा मौका था।

मैच खेलने से बेहतर अभ्यास कुछ भी नहीं

डब्ल्यूटीसी फाइनल से आईपीएल खेलने पर बोले हेजलवुड

मुलनपुर (चंडीगढ़) (एजेंसी)। चोट से उबरने बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) क्वालीफायर मुकाबले में शानदार वापसी करने वाले ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा कि वह लय हासिल करने के लिए मैदान पर खेलने से बेहतर कुछ भी नहीं है और उनका यह अनुभवी अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के दौरान काम आएगा।

कंधे की चोट से उबरने के बाद हेजलवुड ने एक महीने के बाद आईपीएल में वापसी की लेकिन उनके प्रदर्शन में पैनापन की कमी नहीं दिखी। उन्होंने 3.1 ओवर में 21 रन पर तीन विकेट चटकाकर ऱ्ष्टक्चको पंजाब किंग्स पर 8 विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। आरसीबी की टीम 2016 के बाद पहली बार फाइनल में पहुंचने में सफल रही। हेजलवुड का यह प्रदर्शन 11 जून को लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले उनकी बेहतर तैयारियों का भी एक संकेत था।

आरसीबी के लिए 27 अप्रैल के बाद पहली बार मैदान पर उतरे हेजलवुड ने कहा, 'मुझे गेंदबाजी करनी है, आप जानते हैं कि मैं दुनिया में कहीं भी रहूं, मुझे उस मैच 'डब्ल्यूटीसी) (ङ्ख्नञ्जष्ट फाइनल) के लिए तैयार होने के लिए गेंदबाजी करनी है। मुझे लगता है कि मैदान पर इससे (मैच खेलने) बेहतर कोई जगह नहीं है। जाहिर है आपको अधिक गेंदबाजी करनी होगी और टेस्ट के लिए समय-समय पर अधिक घंटे तक प्रशिक्षण लेना होगा। मैच के लिए लय हासिल करने के लिए आईपीएल से बेहतर कोई जगह नहीं है।

हेजलवुड को टेस्ट मैचों का गेंदबाज माना जाता था लेकिन उन्होंने खेल के छोटे प्रारूप के लिए अपने कौशल में सुधार किया। उन्होंने बृहस्पतिवार को शानदार लय में चल रहे श्रेयस अय्यर और जोश इंग्लिस जैसे बल्लेबाजों के भी विकेट चटकाए। उन्होंने कहा, 'मैंने आज जैसी गेंदबाजी की है लगभग वैसी ही गेंदबाजी टेस्ट मैचों में भी करता हूं। हेजलवुड ने मौजूदा सत्र में सिर्फ 11 मैचों में 21 विकेट लिये हैं और इस दौरान उनका औसत 15.80 का रहा है।

कंधे की चोट से उबरने के बारे में पूछे जाने पर हेजलवुड ने कहा, 'मैंने पिछले कुछ सप्ताह में वापसी के लिए अपने कंधों पर बहुत मेहनत की है और पिछले 10 दिनों में अच्छी गेंदबाजी की और अब यहां आकर अच्छा लग रहा है। यहां पिच से मदद मिल रही थी। मुझे तेज यॉर्कर या अतिरिक्त प्रयास वाली गेंदबाजी नहीं करनी पड़ी। यहां वापस आकर अच्छा लग रहा है। इस मैच में लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने भी अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया जबकि हेजलवुड को भुवनेश्वर कुमार और यश दयाल का अच्छा साथ मिला। हेजलवुड ने कहा, 'ऐसा लगता है कि हमारे पास हर विभाग में अच्छे विकल्प है। मुझे लगता है कि पांच या छह गेंदबाजों में से कोई भी मैच में किसी भी समय गेंदबाजी कर सकता है, चाहे वह शुरुआत हो, बीच में या आखिरी ओवरों हो।

उन्होंने कहा, 'भुवनेश्वर के होने से निश्चित रूप से मदद मिलती है। उसके पास काफी अनुभव है और वह काफी शांत खिलाड़ी है। टीम के बाकी गेंदबाजों पर भी इसका काफी असर पड़ता है। मैं शायद इस मामले में भुवी जैसा ही हूं, सब कुछ काफी शांत है, अपने कौशल पर ध्यान केंद्रित करें और उसे लागू करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा, 'हमारे पास सुयश भी है। टूर्नामेंट में उसके विकटों का आंकड़ा कम है लेकिन उसने पूरे टूर्नामेंट में अच्छी गेंदबाजी की है। उसने आज कमाल की गेंदबाजी की और उसे विकेट भी मिले।

भारत से हार के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ी ने खोया आपा, किया अभद्र व्यवहार

कजाकिस्तान (एजेंसी)। अंडर-16 डेविस कप में भारत से हार के बाद पाकिस्तान के खिलाड़ी का गैर खेल-भावना वाला व्यवहार आक्रोश का कारण बन रहा है। मैच के तीन दिन बाद सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो सामने आया है। भारत ने कजाकिस्तान के श्यामकेंट में एशिया-ओशिनिया जूनियर डेविस कप (अंडर-16) टूर्नामेंट में 11वें स्थान के

प्लेऑफ मैच में पाकिस्तान को 2-0 से हरा दिया। प्रकाश सरन और तवीश पाहवा ने अपने एकल मैचों में सीधे सेटों में जीत हासिल की, जिससे भारत फाइनल स्टैंडिंग में अपनी जगह पक्की की। मैच के बाद खिलाड़ी हाथ मिलाने के लिए आगे आते हैं और इस दौरान पाकिस्तान खिलाड़ी हाथ को खींच कर तेजी से भारतीय खिलाड़ी के हाथ पर मारने की कोशिश करता है। एक बार चूकने के बाद वह दूसरी बार प्रयास करता है और इसमें सफल भी होता है। इसके बाद रैफरी द्वारा उसे बुलाया भी जाता है। इस कदम की व्यापक रूप से निंदा की गई और इसे अपमानजनक और खेल की भावना के खिलाफ बताया गया।

भारत की पाकिस्तान पर जीत 9वें-12वें स्थान के प्लेऑफ में न्यूजीलैंड से 1-2 से मामूली हार के बाद हुई, जहां भारतीय जोड़ी ने युगल रबर में तनावपूर्ण सुपर टाई-ब्रेक (9-11) खो दिया।

नॉर्वे शतरंज 2025

गुकेश की वापसी , विश्व नंबर 2 नाकामुरा को दी मात

स्टावेंगर नॉर्वे (एजेंसी)। विश्व शतरंज चैम्पियन भारत के डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज 2025 में आखिरकार अपनी जीत का खाता खोल दिया है। तीसरे राउंड में उन्होंने दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी यूएसए के हिकारु नाकामुरा को क्लासिकल मुकाबले में हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की। गुकेश ने 30वीं चाल पर नाकामुरा के ड्रॉ के प्रस्ताव को ठुकराया और अगली ही चाल में नाकामुरा की बड़ी गलती का फायदा उठाकर मैच अपने नाम किया। गुकेश और नाकामुरा के बीच यह मुकाबला

रणनीतिक रूप से बेहद सधा हुआ रहा। नाकामुरा ने 30वीं चाल पर ड्रॉ का प्रस्ताव रखा, जिसे गुकेश ने अस्वीकार किया और अगली ही चाल पर नाकामुरा ने अपने वजीर की गलत चाल खेलकर निर्णायक गलती की। इसके बाद गुकेश ने अपने बढ़ते हुए प्यादे का शानदार इस्तेमाल करते हुए जीत दर्ज की।

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 238 रन से रौंदा

बर्मिंघम (एजेंसी)। इंग्लैंड के सीमित ओवरों के नए कप्तान के रूप में हैरी ब्रूक का कार्यकाल एजबेस्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय मैच में 238 रनों की बड़ी जीत के साथ शुरू हुआ। इंग्लैंड के शुरुआती 7 बल्लेबाजों ने 35 या उससे अधिक रन बनाए। एकदिवसीय मैचों में पहली बार हुआ था जब शुरुआती सात बल्लेबाजों ने 35 या उससे अधिक रन बनाए। ब्रूक उन चार खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने अर्धशतक जड़ा। इंग्लैंड ने आठ विकेट पर 400 रन बनाने के बाद वेस्टइंडीज को 27वें ओवर में 162 रन पर आउट कर दिया।

मध्यम गति के गेंदबाज साकिब महमूद (32 रन पर तीन विकेट) ने शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया जबकि तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन (22 रन पर तीन विकेट) ने पुछल्ले बल्लेबाजों को चलता किया। इंग्लैंड के पास रविवार को कार्डिफ में जीत के साथ सितंबर 2023 के बाद से पहली बार एकदिवसीय द्विपक्षीय श्रृंखला को अपने नाम करने का मौका होगा। इस श्रृंखला का तीसरा और आखिरी मैच मंगलवार को ओवल में होगा।

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने तेज गेंदबाजों के लिए माकूल परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए इंग्लैंड को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया लेकिन उनके गेंदबाजों के खराब प्रदर्शन से घरेलू टीम ने शुरुआत में ही दबदबा बना लिया। पहली बार एक साथ पारी का आगाज कर रहे बेन डकेट (60) और जैमी स्मिथ (37) सात ओवर में 64 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड को तेज शुरुआत दिलाई। जो रूट ने 57 जबकि ब्रूक ने 58 रन का योगदान दिया। टीम की रनगति ने हालांकि उस समय उड़ान भरी जब बारबडोस में जन्में जैकब बेथल ने 53 गेंद में आठ चौके और पांच छक्के की मदद से 82 रन की पारी खेली।

हैरी ब्रूक ने 4000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए

इंग्लैंड के लिए 49वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

बर्मिंघम (एजेंसी)। हैरी ब्रूक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और अपने उभरते करियर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। 26 वर्षीय ब्रूक ने बर्मिंघम में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे के दौरान 4,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए और सभी प्रारूपों में इंग्लैंड के लिए 49वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए।

ब्रूक ने मैच में 45 गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 58 रनों की पारी खेली जिससे इंग्लैंड को व्हाइट-बॉल कप्तान के रूप में अपने पहले मैच में शानदार जीत हासिल करने में मदद मिली। उनके प्रदर्शन ने उनकी नेतृत्व क्षमता और एक भरोसेमंद मध्य-क्रम बल्लेबाज के रूप में उनके महत्व को रेखांकित किया।

अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद से ब्रूक ने 96 मैच खेले हैं और 43.12 की प्रभावशाली औसत से 4,011 रन बनाए हैं। उनके नाम पहले से ही 9 अंतरराष्ट्रीय शतक और 21 अर्धशतक हैं और उनका 99.47 का कुल स्ट्राइक रेट उनकी आक्रामक प्रवृत्ति और सभी प्रारूपों में गति को नियंत्रित करने की क्षमता को दर्शाता है। ब्रूक का अब तक का सबसे मजबूत प्रभाव टेस्ट क्रिकेट में आया है। केवल 25 टेस्ट में उन्होंने 58.47 के शानदार औसत से 2,339 रन बनाए हैं, जिसमें आठ शतक और 11 अर्द्धशतक शामिल हैं। 317 का उनका करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर लंबी, मैच-परिभाषित पारी खेलने की उनकी क्षमता को और रेखांकित करता है।

एकदिवसीय प्रारूप में ब्रूक ने 27 मैचों में भाग लिया और 874 रन बनाए। टी20आई में उन्होंने 44 खेलों में 798 रन बनाए हैं, जो सभी प्रारूपों में उनके लचीलेपन और अनुकूलनशीलता को दर्शाता है। इंग्लैंड ने एजबेस्टन में अपने घरेलू समर की शानदार शुरुआत की क्योंकि उन्होंने कैरेबियाई टीम पर 238 रनों की प्रभावशाली जीत हासिल की, जो कि ब्रूक का व्हाइट-बॉल कप्तान के रूप में पहला मैच था। हालांकि 2027 में दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे में होने वाले अगले ढ्ढष्टष्ट पुरुष क्रिकेट विश्व कप से पहले इंग्लैंड के लिए कठिन परीक्षाएं होंगी, लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ प्रदर्शन हाल के दिनों की तुलना में काफी बेहतर रहा।

इंग्लैंड भारत में हाल ही में हुए 50 ओवर के विश्व कप के ग्रुप चरणों से आगे नहीं बढ़ पाया और इस साल की शुरुआत में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भी उसे जीत नहीं मिली जबकि टीम ने सितंबर 2023 में आयरलैंड को 1-0 से हराने के बाद से कोई द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखला भी नहीं जीती है। लंबे समय से कप्तान रहे जोस बटलर से कप्तानी की बागडोर संभालने के बाद से ब्रूक ने इंग्लैंड की सफेद गेंद वाली टीम में नई जान फूंक दी है।

संक्षिप्त समाचार

सिद्धारमैया सरकार फिर से मुस्लिम कोटा बिल राष्ट्रपति को भेजने पर विचार कर रही है

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार फिर से मुस्लिम कोटा बिल राष्ट्रपति को भेजने पर विचार कर रही है, जबकि राज्य के राज्यपाल थावरचंद गहलोत दो बार इस विधेयक को लौटा चुके हैं। अब राज्य की कांग्रेस सरकार ने एक बार फिर इस बात पर जोर दिया है कि इस बिल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास भेजा जाए। इस विधेयक में एक करोड़ रुपये तक के सरकारी ठेकों में मुसलमानों को चार फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान है। इसी साल मार्च में राज्य विधानमंडल ने इस बिल का पारित किया था।

राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कर्नाटक सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता (संशोधन) विधेयक, 2025 को भारत के राष्ट्रपति के विचार के लिए भेजे जाने संबंधी अपने फैसले पर पुनर्विचार करने से बुधवार को इनकार कर दिया था। इससे पहले राज्यपाल गहलोत ने 16 अप्रैल को इस विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए सुरक्षित रख लिया था लेकिन 28 मई को सभी संभावनाओं को खारिज कर दिया।

गवर्नर के फैसले को अदालत में चुनौती देने पर विचार: अब राज्य के कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एचके पाटिल ने गुरुवार को इस बिल पर अगला कदम उठाने का फैसला लेने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों और कानूनी विशेषज्ञों से मिलने की योजना बनाई थी, हालांकि वह बैठक स्थगित कर दी गई। टीओआई की एक रिपोर्ट में वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि सिद्धारमैया सरकार ने अब गवर्नर गहलोत के फैसले को अदालत में चुनौती देने पर विचार किया है और चर्चा की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संवैधानिक विशेषज्ञों ने कथित तौर पर अदालती कार्रवाई ना करने की सलाह दी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कानूनी विशेषज्ञों ने राज्य सरकार से कहा है कि अदालत का दरवाजा खटखटाने की बजाय वैकल्पिक मार्ग तलाशे जाएं। इस बावत आज (शुक्रवार, 30 मई को) को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अध्यक्षता में एक बैठक बुलाई गई है, जिसमें इस मुद्दे पर अनौपचारिक रूप से चर्चा होने की संभावना है।

भाजपा की आपत्तियों के बावजूद विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजा था: बता दें कि गवर्नर थावरचंद गहलोत ने भाजपा की आपत्तियों के बावजूद पहली बार विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेज दिया था। भाजपा ने तब इस पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि यह बिल संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है क्योंकि इसमें धर्म के आधार पर आरक्षण की व्यवस्था की गई है। दूसरी बार, इस बिल को लौटाते हुए गवर्नर गहलोत ने हाल के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया है कि अनुच्छेद 15 और 16 धर्म के आधार पर आरक्षण पर रोक लगाते हैं और कोई भी सकारात्मक कार्यवाही सामाजिक-आर्थिक कारकों पर आधारित होनी चाहिए।

सरकारी नौकरी के लिए फिजिकल टेस्ट देने वाले 2 लोगों की मौत, अब तक 5 गंवा चुके हैं जान

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा में सरकारी नौकरी हासिल करने की कोशिश में जुटे दो लोगों की मौत हो गई है। खास बात है कि दोनों की मौत नौकरी के लिए दिए गए फिटनेस टेस्ट के बाद हुई है। इसके अलावा 6 अभ्यर्थी अस्पताल में भर्ती हो गए हैं। हालांकि, यह पहली बार नहीं है, जब ऐसा मामला सामने आया हो। बीते दो महीनों में कई अभ्यर्थी फिजिकल टेस्ट के दौरान जान गंवा चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के दौरान गुरुवार को गजपति जिले में 2 होमगार्ड अभ्यर्थियों की मौत हो गई। इनमें 24 वर्षीय सुलंत मिशल और 27 साल के दीपक पडालू का नाम शामिल है। दोनों नारायणपुर गांव के रहने वाले थे। बीते दो महीनों में सरकारी नौकरी के लिए दिए फिजिकल टेस्ट के दौरान 5 लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल, दीपक और सुलंत की मौत की जांच जारी है।

पुलिस का कहना है कि मिशल ने 10 मिनट में 2 किमी दौड़ पूरी की थी और उनका चयन अगले राउंड के लिए हुआ था। टेस्ट पूरा करने के बाद उन्होंने बेचैनी होने की बात कही, जिसके चलते उन्हें गजपति जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया।

जोधा वाली फिल्म झूठी, रानी नहीं दासी से हुई थी अकबर की शादी: राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने दावा किया है कि भारतीय इतिहास में ब्रिटिश इतिहासकारों के शुरुआती प्रभाव के कारण कई गलत और झूठे तथ्य दर्ज हैं। इसमें जोधाबाई और मुगल सम्राट अकबर की शादी की कहानी भी शामिल है। राज्यपाल की इस टिप्पणी ने 1569 में आमेर शासक भारमल की बेटी और अकबर के बीच विवाह के ऐतिहासिक विवरण पर एक नई बहस को फिर से हवा दे दी है।

राज्यपाल बागड़े ने बुधवार शाम उदयपुर में एक कार्यक्रम में बोलते हुए यह दावा किया कि अकबरनामा में जोधा और अकबर की शादी का कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने दावा किया, ऐसा कहा जाता है कि जोधा और अकबर की शादी हुई... उस पर फिल्म भी बनी। इतिहास की किताबें भी यही कहती हैं, लेकिन यह झूठ है। बागड़े ने आगे यह भी दावा किया, भारमल नाम के जो राजा थे, उन्होंने अपनी एक दासी की बेटी की शादी अकबर से करवाई थी। आमेर मौजूदा जयपुर के पास स्थित है और यह कछवाहा राजपूत शासकों की कई सदियों तक राजधानी रही। हालांकि सवाई जयसिंह द्वितीय ने 1727 में राजधानी जयपुर स्थानांतरित कर दी थी।

बागड़े ने कहा, हमारे शूरवीरों का इतिहास अंग्रेजों ने बदला। उन्होंने इसे ठीक से नहीं लिखा और इतिहास का उनका संस्करण शुरू में स्वीकार कर लिया गया। बाद में, कुछ भारतीयों ने इतिहास लिखा, लेकिन यह भी अंग्रेजों से प्रभावित था। उन्होंने राजपूत शासक महाराणा प्रताप द्वारा अकबर को संधि की चिट्ठी लिखे जाने के ऐतिहासिक दावे का भी विरोध किया और इसे पूरी तरह से भ्रामक बताया।

राज्यपाल ने कहा,महाराणा प्रताप ने कभी अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया। इतिहास में अकबर के बारे में ज्यादा और महाराणा प्रताप के बारे में कम पढ़ाया जाता है। उन्होंने यह भी कहा, हालांकि अब धीरे-धीरे स्थितियां सुधर रही हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और गौरवशाली इतिहास को सहेजते हुए हर क्षेत्र में अग्रसर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि महाराणा प्रताप और शिवाजी महाराज राष्ट्र भक्ति के प्रतीक थे। उन्होंने कहा, दोनों के जन्म के बीच 90 साल का अंतराल है। अगर वे समकालीन होते तो देश का इतिहास कुछ और होता। दोनों को वीरता और देशभक्ति के एक ही नजरिए से देखा जाता है। बागड़े ने यह भी कहा कि उनके सम्मान में महाराष्ट्र के संभाजीनगर में महाराणा प्रताप की घुड़सवार प्रतिमा स्थापित की गई है।

कुत्ते ने लिफ्ट में पड़ोसी को काटा, कोर्ट ने मालिक को सुनाई 4 महीने की कठोर सजा

मुंबई, एजेंसी। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में कुत्ते के काटने की घटना में अदालत ने अपना फैसला सुनाया है। कोर्ट ने एक 40 साल के व्यक्ति को उसके पालतू कुत्ते के द्वारा पड़ोसी को लिफ्ट में काटे जाने के मामले में चार महीने की कठोर कैद और 4,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला शहर के वर्ली स्थित अल्फा अपार्टमेंट्स का है। आरोपी ऋषभ पटेल को जानबूझकर चोट पहुंचाने और पालतू जानवर के साथ लापरवाही बरतने के आरोप में दोषी ठहराया गया है।

मजिस्ट्रेट सुहास भोसले ने कहा, सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखता है कि आरोपी अपने ही पालतू कुत्ते को जबरन लिफ्ट में घसीटता है। इससे साफ है कि उसे न तो अपने पालतू जानवर की चिंता थी, न ही लिफ्ट में मौजूद लोगों की। उन्होंने आगे कहा, ऐसे कृत्य के लिए अदालत बहुत अधिक नरमी नहीं बरत सकती।

कांग्रेस पर फिर बरसे भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, कहा-

मुंबई आतंकी हमलों में मारे गए लोगों की चिता की आग ठंडी भी न हुई थी, यूएस के दबाव में पाक से क्यों की बात?

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने एक बार फिर कांग्रेस पर करारा हमला बोला है और आरोप लगाया है कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों में मारे गए 180 लोगों की चिता की आग अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि केंद्र की तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार ने अमेरिकी दबाव में आकर दुश्मन देश पाकिस्तान से बातचीत शुरू कर दी थी। उन्होंने अपनी बात के समर्थन में लोकसभा में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का दिया बयान भी सोशल मीडिया पर साझा किया है। सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करते हुए दुबे ने आरोप लगाया कि अमेरिका के दबाव में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) ने 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों के तुरंत बाद पाकिस्तान के साथ बातचीत फिर से शुरू करने का फैसला किया था। एक्स पर साझा उस पोस्ट में दुबे ने जुलाई 2009 में मिस्र के शर्म अल-शेख में मनमोहन सिंह और पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री यूसुफ रजा गिलानी के बीच हुई बैठक का जिक्र किया है और कहा है कि यह नवंबर 2008 के मुंबई हमलों के बाद दोनों देशों के बीच पहली औपचारिक बातचीत थी।

निशिकांत दुबे ने क्या लिखा?: निशिकांत दुबे ने बैठक के समय पर सवाल उठाते हुए लिखा, मुम्बई में पाकिस्तान ने हमला 26 नवंबर 2008 को किया। 180 लोग मरे व 300 घायल हुए,चिता की आग ठंडी भी नहीं हुई, 1 दिसंबर से बिना पाकिस्तान पर आक्रमण किए बातचीत अमेरिकी दबाव में शुरू किया या नहीं, यह वक्तव्य प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी का है लोकसभा में?

जनवरी 2009 में विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी या नहीं?: भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान के साथ बातचीत न केवल समय से पहले हुई बल्कि बाहरी ताकतों, खासकर संयुक्त राज्य अमेरिका से प्रभावित भी थी। उन्होंने 2009 के कई उदाहरणों का हवाला दिया जहां भारतीय और पाकिस्तानी नेताओं ने कूटनीतिक बातचीत की। उन्होंने पूछा, जनवरी 2009 में विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी या नहीं? जून 2009 में रूस में पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी से किसी तीसरे देश की मध्यस्थता में मिले थे या नहीं? जुलाई 2009 में अमेरिकी दबाव में शर्मल शेख मिस्त्र गए थे और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से समझौता किया था या नहीं?

कांग्रेस पार्टी के कथित नरम रवैये की भी आलोचना: 2011 में हुई एक और बड़ी आतंकी घटना का जिक्र करते हुए दुबे ने कहा कि इस तरह के हमले पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को लगातार समर्थन दिए जाने को उजागर करते हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के कथित नरम रवैये की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, 2011 में फिर से मुंबई में विस्फोट हुआ, जिसमें 26 लोग मारे गए और 200 लोग घायल हो गए। प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर करके हमारा सिर ऊंचा किया, सालों बाद पाकिस्तान दहशत में है। कांग्रेस पूरी तरह से आतंकी पाकिस्तान के साथ मिली हुई है। जनता जाए भाड़ में। इससे पहले, गुरुवार को एक पोस्ट में दुबे ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कार्यकाल के दौरान 1988 में पाकिस्तान के साथ हुए कथित परमाणु समझौते को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा था। दुबे के अनुसार, इस समझौते पर अमेरिकी दबाव के तहत हस्ताक्षर किए गए थे। उन्होंने कथित रूप से गोपनीय पत्र पोस्ट किया था, जिसके बारे में उनका दावा है कि यह पत्र पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने राजीव गांधी को भेजा था, जिसमें भारत-पाकिस्तान वार्ता के लिए एजेंडा निर्धारित करने में अमेरिका की भूमिका को रेखांकित किया गया था।

एक्सप्रेसवे पर कार से डेढ़ करोड़ रुपये समेत 450 ग्राम सोना सीज, व्यापारी को आयकर विभाग का नोटिस

मथुरा, एजेंसी। यूपी में यमुना एक्सप्रेस वे पर कार से मिले करीब डेढ़ करोड़ रुपये और साढ़े चार सौ ग्राम सोने के मामले में आयकर विभाग ने व्यापारी दीपक खंडेलवाल को नोटिस थमा दिया है। उससे इसके बारे में दो दिन में जवाब मांगा है। बताते चलें कि गोविंद नगर थाना क्षेत्र की माधव कुंज कॉलोनी, मसानी रोड निवासी दीपक खण्डेलवाल सोने-चांदी की सप्लाई का व्यापार करता है। बुधवार को दीपक आगरा में सामान सप्लाई करने के बाद पेमेंट व बचा हुआ सोना लेकर अपनी कार से दिल्ली की ओर जा रहे थे। सूचना मिलने पर आयकर विभाग सक्रिय हो गया। आनन-फानन में थाना प्रभारी निरीक्षक मांट जसवीर सिंह और आयकर अधिकारी आगरा लोकेश उत्प्रेति अपनी टीम के साथ यमुना एक्सप्रेस वे के मांट टोल प्लाजा पर वाहन चेकिंग में जुट गए। आयकर व पुलिस की संयुक्त टीम ने बुधवार देर शाम आगरा की ओर से आ रही स्विफ्ट कार को रोका गया। पूरी रात आयकर विभाग के अधिकारी दीपक खंडेलवाल से पूछताछ करते रहे लेकिन गाड़ी में मिले करीब डेढ़ करोड़ रुपये व 452 ग्राम सोने के बारे में दीपक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इस पर टीम ने सोना व नकदी सीज कर दी। आयकर अधिकारी उत्प्रेति ने गुरुवार की सुबह बताया कि बरामद रुपये वसोने को फिलहाल मांट पुलिस के सुपुर्द किया गया है और दीपक खण्डेलवाल को नोटिस देकर बरामद रुपये व सोने के बाबत जवाब मांगा गया है। जवाब मिलने के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी। एसपी देहात ने बताया कि आयकर विभाग से मिले इनपुट के आधार पर पुलिस टीम ने एक्सप्रेस वे से काफी नकदी व सोना व्यापारी की कार से बरामद किया। आयकर टीम ने जांच कर साढ़े चार सौ ग्राम सोना, करीब एक करोड़ 49 लाख नकदी सीज कर दी है।

पूर्व में भी पकड़ा जा चुका है सोना व रुपये: यमुना एक्सप्रेस वे पर पूर्व में भी सोना व रुपया पकड़ा जा चुका है। यह बात दीगर है कि दोनों मामलों में कोई खास कार्रवाई न कर सोने व रुपयों को रिलीज कर दिया गया। आठ दिसम्बर 2023 को गोरखपुर के अश्वनी कुमार की गाड़ी से दो करोड़ रुपया पुलिस व आबकारी विभाग ने पकड़ा था। कई दिनों की जांच के बाद रुपया रिलीज कर दिया गया। 21 अक्तूबर 24 को एक कार से पुलिस व आबकारी टीम ने करीब दस करोड़ के जेवरात पकड़े थे, जिन्हें कई दिनों की जांच के बाद जीएसटी विभाग ने वापस कर दिया था।

शांति मिशनों में भारत सबसे आगे, अपराधों की जवाबदेही तय करने में निभा रहा भूमिका, यूएन शांति प्रमुख बोले

न्यूयार्क, एजेंसी। भारत शांति सुरक्षा के क्षेत्र में बहुत अहम भूमिका निभाता है। यह न केवल अपने जवानों के जरिए शांति मिशनों में योगदान देता है, बल्कि शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों की जवाबदेही सुनिश्चित करने जैसे कई प्रयासों का भी नेतृत्व करता है। संयुक्त राष्ट्र के शांति सुरक्षा विभाग के प्रमुख जीन-पियरे लाक्रॉइक्स ने यह बात कही।

संयुक्त राष्ट्र में शांति अभियानों के अवर महासचिव जीन-पियरे लाक्रॉइक्स की यह टिप्पणी गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक दिवस के मौके पर एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान आई। वह 24-25 फरवरी को भी नई दिल्ली आए थे, जब भारत की ओर से पहले महिला शांति सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया था। सम्मेलन में 35 देशों की महिला शांति सैनिकों ने भाग लिया था। इसमें शांति स्थापना में महिलाओं की भूमिका और सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा हुई थी। लाक्रॉइक्स ने कहा कि कि भारत शांति सैनिकों और पुलिस बल के सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है और महिला शांति सैनिकों के मामले में भी भारत अग्रणी भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि शांति मिशनों में महिलाओं की संख्या बढ़ाना और उन्हें राजनीतिक प्रक्रियाओं में शामिल करना जरूरी है ताकि शांति बनाए रखने के प्रयास सफल हों। यह कोई विचारधारा नहीं, बल्कि हकीकत है कि महिलाओं की भागीदारी से शांति प्रयास और मजबूत होते हैं। संयुक्त राष्ट्र की महिला सैन्य सलाहकार मेजर जनरल शेरिल पियर्स के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में लाक्रॉइक्स ने कहा कि महिलाओं की संख्या बढ़ रही है, लेकिन अभी और प्रयास करने की जरूरत है, खासकर वरिष्ठ पदों पर।भारत यूएन शांति मिशन के लिए चौथा सबसे बड़ा सैनिक योगदानकर्ता देश है। यह अब तक 5,300 से अधिक सैनिक और पुलिसकर्मी अफ्रीका, लेबनान, सोमालिया, दक्षिण सूडान और पश्चिमी सहारा जैसे इलाकों में तैनात कर चुका है। भारत 2007 में लाइबेरिया में पहली बार पूरी तरह महिलाओं से बनी पुलिस यूनिट भेजने वाला देश था। जनवरी 2023 में भारत ने अबीई मिशन (सूडान और दक्षिण सूडान की सीमा पर स्थित विवादित क्षेत्र) में महिला शांति सैनिकों की सबसे बड़ी टुकड़ी भेजी। दिसंबर 2022 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की अध्यक्षता के दौरान शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों की जवाबदेही बढ़ाने के लिए 'ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स' की शुरुआत की और एक नए डाटाबेस का शुभारंभ किया जो अपराधों को दर्ज करता है और दोषियों को सजा दिलाने में मदद करता है।

ताइवान के पास चीन की घुसपैठ बढ़ी, 16 सैन्य विमान और 8 नौसैनिक जहाज देखे गए

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार सुबह जानकारी दी कि चीन ने ताइवान के पास सैन्य घुसपैठ तेज कर दी है। सुबह 6 बजे तक 16 चीनी सैन्य विमानों, 8 नौसैनिक जहाजों और 1 सरकारी जहाज की गतिविधि ताइवान के आसपास देखी गई। इनमें से 7 विमान ताइवान की हवाई पहचान जोन में घुसे और मीडियन लाइन पार कर उत्तरी और पूर्वी क्षेत्र में दाखिल हुए। ताइवान की सेना ने हालात पर नज़र रखी और जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार रही। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। इसके पहले गुरुवार को भी चीन की ओर से 8 नौसैनिक जहाज और एक सरकारी जहाज ताइवान के आसपास देखे गए थे। उस समय कोई विमान नहीं था, इसलिए फ्लाइट पाथ की तस्वीर शेयर नहीं की गई।

पाक को दिए हथियार क्यों हो गए फुस्स पीएल-15ई का जिक्र होते ही घबरा गए चीनी डिफेंस प्रवक्ता; भारत का नाम आते ही साध ली चुप्पी

बीजिंग, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन्स और मिसाइल के जरिए हमला करने की कोशिश की थी, इस हमले में पाकिस्तान ने चीन से खरीदे गए हथियारों का इस्तेमाल किया था। इनमें से कुछ मिसाइल तो टारगेट पर पहुंचकर फुस्स हो गए थे और फटे ही नहीं।

इन हथियारों में चीन का पीएल-15ई रडार संचालित बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइल भी शामिल था, जिसे पाकिस्तान ने भारत पर हमले के लिए इस्तेमाल किया था। लेकिन यह मिसाइल भी फटा नहीं।

फिलहाल यह मिसाइल भारतीय सेना के हवाले है। लेकिन चीन को यह बात हजम नहीं हो रही है कि उसका कथित तौर पर सुपर ब्रांड का मिसाइल नाकाम रहा। इसे लेकर जब चीन की सेना से सवाल पूछे गए, तो उनके पास जवाब देने के लिए कुछ नहीं था।

चीन की सेना को सवाल का जवाब नहीं

सूझा तो वे डिप्लोमेसी का ज्ञान देने लगे। भारत-पाकिस्तान तनाव को 20 दिन गुजर चुके हैं, लेकिन चीन के पास अभी तक इसका कोई जवाब नहीं है।

पीएल-15ई को सबसे एडवांस रॉकेट बताता है चीन: पीएल-15ई को चीन अपना सबसे एडवांस रॉकेट बताता है और जब चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सीनियर कर्नल झांग जियाओगांग से पत्रकारों ने इस रॉकेट से जुड़ा सवाल किया तो उन्होंने सिर्फ इतना कहा, आपने जिस मिसाइल का उल्लेख किया है, वह एक निर्यात किया जाने वाला हथियार है और इसे कई बार देश-विदेश में रक्षा प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किया जा चुका है। बता दें, भारतीय अधिकारियों ने एक पूरा सबूत पीएल-15ई बरामद किया है, जो 9 मई को पंजाब के होशियारपुर में मिला था। इस मिसाइल से पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया था। चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल झांग ने पीएल-15ई से जुड़े सवालों को नजरअंदाज करते हुए डिप्लोमेसी पर ज्ञान देने लगे। उन्होंने कहा, भारत और पाकिस्तान ऐसे पड़ोसी हैं, जिन्हें अलग नहीं किया जा सकता है। हम आशा करते हैं कि दोनों पक्ष शांत और संयमित बने रहेंगे और स्थिति को और अधिक जटिल बनाने वाली कार्रवाई से बचेंगे। पत्रकारों ने कर्नल झांग से यह भी सवाल किया था कि क्या चीन ने भारत-पाकिस्तान के बीच टकराव के दौरान पाकिस्तान को हवाई रक्षा औ सैटेलाइट सहायता प्रदान की थी और इस दौरान चीनी हथियारों ने औसत से कम प्रदर्शन किया। इस सवाल को कर्नल झांग ने टाल दिया। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल झांग ने कहा कि चीन एक व्यापक और स्थायी संघर्ष विराम प्राप्त करने और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को बनाए रखने में रचनात्मक भूमिका जारी रखने के लिए तैयार है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129